दैनिक
नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 3 | राजधानी 4 | अभिव्यक्ति 8 | आंचलिक 9 | खेल/बिजनेस

RNI NO.CHHHIN/2012/41806 रायपुर, मंगलवार 5 दिसंबर 2023, वर्ष-12 अंक- 263 पृष्ठ-10 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

डॉ. रमन सीएम की रेस में सबसे आगे

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बीजेपी को प्रचंड जीत मिली है। चुनाव नतीजे के बाद बीजेपी बड़ा सरप्राइज दे सकती है। माना जा रहा है कि राज्य में जनता को नए सीएम जल्द मिल सकते है। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने 2018 की हार से सीख लेते हुए मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान नहीं किया था। पार्टी ने पीएम मोदी के चेहरे पर ये चुनाव लड़ा। पार्टी का यह फॉर्मूला सफल हो गया। अब छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि सूबे की सत्ता कौन संभालेगा। सूबे के सिंहासन पर 15 साल तक बैठे डॉ. रमन सिंह का दावा खारिज तो नहीं किया जा सकता बल्कि ये उतना मजबूत नजर आ रहा। जितने कि बांकी अन्य नाम। सामने लोकसभा के चुनाव है। तीसरी बार प्रधानमंत्री पीएम मोदी को हैट्रिक लगानी है। छत्तीसगढ़ में 11 सीट है। अभी दो कांग्रेस के पास है बांकी भाजपा के पास है। पार्टी आलाकमान को अनुभवी नेतृत्व की दरकार है। सो लोकसभा चुनाव के ठीक पहले हुए इस विधानसभा के चुनाव में डॉ. रमन सिंह अपने निर्वाचन क्षेत्र से ही शानदार मतों से विजयी हुए है।
आलाकमान की पहली पसंद डॉ. रमन सिंह है। इसलिए रमनसिंह को सीएम की रेस में सबसे आगे माना जा रहा है। डॉ रमन के अलावा छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व आईएएस और रायगढ़ विधानसभा से प्रचंड बहुमत से जीतने वाले ओपी चौधरी के साथ पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री विष्णुदेव साय का नाम सीएम रेस में हैं। हालांकि बीजेपी अपने फैसलों से चौंकाती रही है। पिछले कुछ सालों में गोवा, महाराष्ट्र, यूपी, हरियाणा, त्रिपुरा समेत तमाम राज्यों में बीजेपी ने जिस तरह से नए चेहरों को सीएम बनाया उसी तरह छत्तीसगढ़ में भी नए और चौंकाने वाले चेहरे सीएम की कुर्सी पर दिख सकते हैं।

डॉ. रमन सिंह

छत्तीसगढ़ में रमन सिंह बीजेपी के सबसे कद्दावर नेताओं में है, लेकिन उनकी उम्र सीएम की कुर्सी में बाधा बन सकती है। रमन सिंह 71 साल के हैं, जिसके चलते बीजेपी की नजर भविष्य के नेता की है। रमन सिंह चुनाव जीतने में सफल रहे हैं, लेकिन सीएम पद पर अपनी दावेदारी खुलकर पेश नहीं कर पा रहे हैं। बीजेपी जैसे ही 50 सीट पर आगे बढ़ती नजर आई तो रमन सिंह ने जीत का श्रेय पीएम मोदी को दिया। हालांकि उन्होंने अपने 15 साल के कार्यकाल को जोड़कर सीएम पद की दावेदारी पेश कर दी है।

अरूण साव

बीजेपी ने भूपेश बघेल के खिलाफ ओबीसी दांव खेला था और पार्टी संगठन की कमान अरुण साव को मिली थी। अरुण साव बीजेपी के सांसद हैं और पार्टी ने उन्हें विधानसभा का चुनाव भी लड़ाया है, जिसके चलते उन्हें भी सीएम के रेस में माना जा रहा है। साल 2003 में भी बीजेपी ने सीएम चेहरा घोषित नहीं किया था और चुनाव जीतने के बाद तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष रमन सिंह को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंप दी थी। यही वजह है कि मुख्यमंत्री पद पर प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव का दावा मजबूत माना जा रहा है।

ओपी चौधरी

ओम प्रकाश (ओपी) चौधरी पूर्व आईएएस हैं। ओपी चौधरी 2018 विस चुनाव के पहले आईएएस की नौकरी छोड़ बीजेपी में शामिल हुए। अपने गृह विधानसभा खरसिया से चुनाव लड़े, लेकिन कांग्रेस के उमेश पटेल से हार का सामना करना पड़ा। इस बार उन्होंने अपनी सीट बदली और रायगढ़ विस से चुनाव लड़े। प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की। ओपी चौधरी पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। रायगढ़ में रोड शो के दौरान शाह ने चुनाव जिताने पर बड़ा आदमी बनाने की बात कही थी। इससे मुख्यमंत्री की रेस में शामिल हैं।

विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ में लंबे समय से आदिवासी सीएम बनाने की मांग लगातार उठ रही है। अब तक यह मांग पूरी नहीं हो पायी है। भाजपा ने 2014 के बाद से हर चुनाव में आदिवासी समुदाय पर फोकस किया है। राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू की नियुक्ति में भी एक संदेश था। पीएम मोदी ने चुनावों के बीच में झारखंड में आदिवासी योद्धा बिरसा मुंडा के गांव का दौरा किया था। यह भी आदिवासियों को संकेत देने का एक तरीका था। ऐसे में आदिवासी समुदाय से विष्णुदेव साय एक बड़ा नाम है। वे पांच बार के सांसद रह चुके हैं। तीन बार प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाल चुके हैं। मोदी सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री रह चुके हैं। इस बार पार्टी ने उन्हें भी कुनकुरी से विस चुनाव लड़ाया। 25 हजार से अधिक वोटों से जीतकर आ रहे हैं। ऐसे में वे भी सीएम की रेस में नजर आ रहे।

इन्हें मंत्रिमंडल में मिल सकता है मौका

सीएम शपथ ग्रहण के बाद मंत्रिमंडल का गठन होगा। पार्टी सूत्रों की मानें तो पार्टी भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनुभव और युवाओं को तरजीह देगी। अनुभवी नेताओं की बात करें तो बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, अजय चंद्राकर, अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, रामविचार नेताम, केदार कश्यप, लता उसेंडी, गोमती साय, रेणुका सिंह शामिल हैं। वहीं युवा चेहरों की बात करें तो ओपी चौधरी, विजय शर्मा, भावना बोहरा जैसे नाम शामिल हैं।

आज बेबाक

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित करने के बाद ईवीएम ने पहली बार चैन की सांस ली थी। जिनके मन माफिक नतीजे सामने नहीं आए। उन्होंने ईवीएम के चरित्र पर उंगली नहीं उठाई। हारे हुए जुआरियों ने जनादेश को सहजता से स्वीकार किया। इससे ईवीएम खुश हो गई कि किसी ने उसे मुन्नी बदनाम नहीं किया। किन्तु उसकी खुशी जल्द ही काफूर हो गई। स्वनाम धन्य नेता उदित राज ने तीन राज्यों में भाजपा की जीत को ईवीएम से छेड़छाड़ का नतीजा बता दिया। इसे ही कहते हैं- नाच न आए आंगन टेढ़ा।

बीजेपी का वोट शेयर बढ़कर 46.27 प्रतिशत, कांग्रेस का 1 प्रतिशत कम हुआ

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के गठन के बाद इस राज्य में हुए विधानसभा चुनावों में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने राज्य में 54 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया, जबकि कांग्रेस 35 सीटों पर रह गई। एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) के खाते में गई। साल 2000 में राज्य गठन के बाद से हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इसकी वजह है भारतीय जनता पार्टी के वोट शेयर में बढ़ोतरी। निर्वाचन आयोग से जारी आंकड़ों के अनुसार, भाजपा को 46.27 फीसदी, कांग्रेस को 42.23 फीसदी, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 2.5 फीसदी और अन्य को 5.55 फीसदी वोट मिले हैं। जबकि 2018 विधानसभा चुनाव की बात करें तो बीजेपी को 33 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं छत्तीसगढ़ में पहली बार 2003 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 सीट मिली थीं और 39.26 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। वहीं पार्टी को 2008 में 50 सीट और 40.33 फीसदी मत, 2013 में 49 सीटें और 41.04 फीसदी मत मिले थे। इसी तरह कांग्रेस को 2003 में 37 सीट और 36.71 फीसदी मत, 2008 में 38 सीट और 38.63 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

छत्तीसगढ़ में पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत

पार्टी	वोट प्रतिशत
भाजपा	46.27
कांग्रेस	42.23
जोगी कांग्रेस	01.23
बसपा	02.05
सीपीआई	00.04
आप	00.93
नोटा	01.26
अन्य	05.55

10 पार्टियां थी चुनावी मैदान में

90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए सभी पार्टियों के कुल 1,181 उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हुए। राज्य में मतदान दो चरणों में हुआ था, पहले चरण में 7 नवंबर को 223 उम्मीदवार शामिल हुए थे और दूसरे चरण में 17 नवंबर को 958 उम्मीदवारों के भाग्य के फैसले के लिए मतदाताओं ने वोट किया। छत्तीसगढ़ में चुनाव की लड़ाई में प्रमुख दावेदार भाजपा, कांग्रेस, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

नोटा को छत्तीसगढ़ में मिले जेसीसी से भी ज्यादा वोट

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 54, कांग्रेस को 35 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को एक सीट मिली है। निर्वाचन आयोग से मिले आंकड़ों के अनुसार इस विधानसभा चुनाव में प्रदेश के 1 लाख 97 हजार 678 मतदाताओं को किसी भी पार्टी का प्रत्याशी नहीं भाया है। इन मतदाताओं ने नोटा में बटन दबाकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। आंकड़ों की बात करें तो ये कुल मतदान का 1.26 प्रतिशत है। हालांकि ये 2013 और 2018 के मुकाबले कम है। 2018 में 2 लाख 82 हजार 738 और 2013 में 4 लाख 1 हजार 58 मतदाताओं ने नोटा दबाया। सबसे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अमित जोगी को नोटा इतने भी वोट नहीं मिले

2018 के विधानसभा चुनाव में बीएसपी के साथ मिलकर जेसीसीजे ने 7 सीटें जीती थी। इस विधानसभा चुनाव में जेसीसीजे अपना खाता भी नहीं खोल पाई है। अकलतरा प्रत्याशी ॠचा जोगी को छोड़, पार्टी का कोई भी प्रत्याशी 10 हजार वोटों का आंकड़ा भी पार कर नहीं पाया। ॠचा जोगी को 16,464, कोटा से पूर्व विधायक डॉ. रेणु जोगी को 8884 और अमित जोगी को पाटन सीट पर 4822 वोटों ही मिले। जबकि दंतेवाड़ा सीट में नोटा को 8438 वोट मिले। इसके अलावा में 5324 वोट पड़े जो अमित जोगी के वोटों से अधिक है।

पिछले 3 विधानसभा चुनावों में नोटा को मिले वोट

विधानसभा	2013	2018	2023
अभनपुर	4071	3005	2087
अहिवारा	4575	3681	1580
अकलतरा	3503	2242	897
अंबिकापुर	4327	609	1181
अंतागढ़	4710	4831	4245
आरंग	3588	1321	2255
बैकुंठपुर	3265	2630	1934
बलौदाबाजार	5592	3167	2519
बसना	4647	2431	1433
बस्तर	5529	5083	2738
बेलतरा	1607	2176	587
बेमेतरा	2424	3789	498
भानुप्रतापपुर	5680	4235	2305
भरतपुर-सोनहत	3971	3360	2544
भाटापारा	5290	915	657
भटगांव	4480	981	487
भिलाई नगर	3390	1147	925
बीजापुर	7179	4703	3628
बिलाईगड़	4877	2789	2324
बिलासपुर	3669	1153	866
बिल्हा	2249	1224	524
बिद्रानवागढ़	7047	5515	3710
चन्द्रपुर	1516	550	913
चित्रकुट	0848	9824	7310
दंतेवाड़ा	9677	9929	8438
धमतरी	5201	551	2632
धरमजयगढ़	6726	5954	3427
धरसिंवां	3740	1361	463
डौंडीलोहारा	6197	4842	3126
डोंगरगांव	4062	2257	2258
डोंगरगढ़	4298	3896	1679
दुर्ग शहर	2102	1471	745
दुर्ग ग्रामीण	3544	2603	1115

■ शेष पृष्ठ 6 पर

मणिपुर में दो गुटों में गोलीबारी, 13 लोगों की मौत

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सोमवार सुबह 10:30 बजे दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में 13 लोगों की मौत हो गई। घटना म्यांमार बॉर्डर से लगे कुकी बहुल इलाके टेंग्नौपाल जिले के लीथू गांव की है। मारे गए लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। असम राइफल्स के मुताबिक, इलाके के एक विद्रोही समूह ने म्यांमार जा रहे उग्रवादियों पर ये हमला किया है। मणिपुर सरकार ने रविवार (3 दिसंबर) को कुछ इलाकों को छोड़कर पूरे राज्य में मोबाइल इंटनेट सेवाएं 18 दिसंबर तक के लिए बहाल की थीं। मोबाइल इंटरनेट से बैन वापस लेने के बाद गोलीबारी की यह पहली घटना है। राज्य में कुकी और मैतेई समूह के बीच आरक्षण के विवाद को लेकर 3 मई से हिंसा चल रही है। हिंसक घटनाओं में अब तक 200 लोग मारे गए हैं। 50 हजार लोगों को अपना घर छोड़कर रिलीफ कैंप्स में रहना पड़ रहा है।

महिलाएं रहीं किंगमेकर्स बीजेपी के एक दांव ने पलटी बाजी

नई दिल्ली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में चुनावों से पहले कांग्रेस ने कई सारे लोक-लुभावन वादे किए थे। इनमें कर्ज माफी, मुफ्त बिजली, कैश स्कीम और एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी प्रमुख हैं। मगर, जब नतीजे आए तो ये सब असफल होते दिखे जबकि महिला मतदाताओं के लिए प्रोत्साहन भाजपा को काम आ गया। इन तीन राज्यों में समाप्त हुए विधानसभा चुनाव मुफ्त या रेवड़ी की राजनीति का भी संकेत देते हैं। खुद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के सीनियर नेता इसे लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाते रहे। कांग्रेस के लिए भले उसकी घोषणाएं काम न आई लेकिन भाजपा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की महिला मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा चुनाव हारे

इंफाल (एजेंसी)। मिजोरम के 40 विधानसभा सीटों का रिजल्ट आ गया है। इस बार नई नवेली पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई हैं। मिजोरम में सबसे बड़ा उलटफेर आइजोल ईस्ट-1 सीट पर हुआ। यहां मुख्यमंत्री जोरामथंगा चुनाव हार गए। उन्हें 'जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी के ललथनसंगा ने 2 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। हार के बाद सीएम ने डॉ. हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात कर इस्तीफा दे दिया। जोरम पीपुल्स मूवमेंट पार्टी की जीत पर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

शीतकालीन सत्र... संसद का शीतकालीन सत्र शुरू, आप सांसद राघव चड्डा का निलंबन रद्द

विस चुनाव पराजय का गुस्सा सदन में न निकालें : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 4 दिसंबर से शुरू हो गया। यह सेशन 22 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन के दौरान दोनों सदनों में 15 बैठके होंगी। लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के पहुंचते ही एनडीए के सांसदों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सांसदों ने नारे लगाए- बार-बार मोदी सरकार। तीसरी बार मोदी सरकार। सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से अपील की। उन्होंने कहा कि बाहर मिली पराजय का गुस्सा सदन में मत निकालिए। सदन में सकारात्मक चर्चा कीजिए। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने बैनर लहराए। इस पर स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि सदन में प्लेकार्ड्स नहीं ला सकते। सदन नियमों के मुताबिक ही चलेगा। उधर, राज्यसभा ने आप सांसद राघव चड्ढा का निलंबन रद्द कर दिया। वे अगस्त 2023 से निलंबित चल रहे थे। इसके लिए भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने प्रस्ताव रखा था।

विपक्ष के लिए ये सत्र अपनी बात रखने का अच्छा मौका

पीएम ने कहा कि राजनीतिक गर्मी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। चार राज्यों के नतीजे आए हैं। बहुत ही उत्साहवर्धक परिणाम हैं। ये देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हैं। महिलाएं, युवा, किसान और गरीब ये ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं, जिनका एम्पॉवरमेंट जरूरी है। जब आप लोक कल्याण के लिए काम करते हैं तो एंटी-इन्कंबेंसी फैक्टर खत्म हो जाता है। नई संसद है, कुछ कमियां महसूस हो सकती हैं। उन्हें दूर करेंगे। मुझे विश्वास है कि स्पीकर और उपराष्ट्रपति के निर्देशन में संसद चलेगी। सत्र के लिए हम विपक्ष के साथियों के साथ चर्चा करते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

देशहित में सकारात्मकता का साथ दीजिए

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 9 साल की नकारात्मकता छोड़कर सकारात्मकता लेकर आइए। सबका भविष्य उज्जवल है। बाहर की पराजय का गुस्सा सदन में मत उतारिए। लोकतंत्र के मंदिर के वो मंच मत बनाइए। थोड़ा सा अपना रुख बदलिए। देशहित में सकारात्मकता का साथ दीजिए। देश के मन में कुछ बातों को लेकर नफरत पैदा हो रही है, उसे दूर कीजिए। सदन की कार्यवाही में सहयोग दीजिए। देश को सकारात्मकता का संदेश दें। लोकतंत्र में विपक्ष में महत्वपूर्ण और सामर्थ्यवान है। अब देश विकसित होने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहता। सभी सांसद इस भाव का आदर करते हुए आगे बढ़ें।

47 नए चेहरों पर भरोसा और दिग्गजों को भी मौका

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने 90 में से 54 सीटों पर जीत हासिल कर 5 साल बाद जोरदार वापसी की है। राज्य में 2018 में भाजपा को कांग्रेस के हाथों बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव में कांग्रेस 35 सीटें जीतने में सफल रही, जो 2018 में मिली जीत से 33 कम है। एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मिली है। एग्जिट पोल में पिछड़ने की भविष्यवाणियों के विपरीत भाजपा ने इस चुनाव में अपनी सीटें 15 से बढ़ाकर 54 कर ली है। 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद यह पहली बार है जब भाजपा को इतना बड़ा जनादेश मिला है। इस चुनाव में भाजपा ने 2018 चुनाव के 10.1 फीसदी मत अंतर को भी पाटा और उसका वोट

प्रतिशत पिछले चुनाव में मिले 32.97 फीसदी से बढ़कर इस बार 46.27 फीसदी हो गया। कांग्रेस 43.04 से नीचे 42.23 फीसदी पर आ गई है। बीजेपी की इतनी बड़ी जीत के पीछे के कारण पार्टी आलाकमान का नए चेहरों पर भरोसा जताना माना जा रहा है। भाजपा ने इस चुनाव में करीब 47 नए चेहरों को मैदान में उतारा था, जिनमें से 29 विजयी हुए हैं। नए उम्मीदवारों का जीतना भगवा दल के लिए कई मायनों में खास है। ये नए लोग ही आगे चलकर छत्तीसगढ़ भाजपा में बड़ी जिम्मेदारियां संभाल सकते हैं। 29 नए कैंडिडेट्स के जीतने से पता चलता है कि पार्टी की ओर से जमीनी स्तर पर कितनी मजबूती से प्रचार-प्रसार किया गया। बीजेपी ने भ्रष्टाचार, हिंदुत्व, लोकलुभावन वादों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत छवि जैसे मुद्दों लेकर चुनाव लड़ा था। राज्य में बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर निर्भर थी, जिसमें कहा जाता है कि उसने लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। पार्टी ने 'छत्तीसगढ़ियावाद' और माटी पुत्र के रूप में बघेल की लोकप्रियता को भी भुनाने की कोशिश की लेकिन नाकामयाब रही। आदिवासी बहुल सरगुजा क्षेत्र में मतदान के परिपाटी ने भी कांग्रेस को परेशान किया है। इस क्षेत्र में कांग्रेस 2018 में जीती गई सभी 14 सीटें हार गईं, जिनमें अंबिकापुर भी शामिल है, जहां उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को हार का सामना करना पड़ा है। राजनीतिक विशेषज्ञों की राय है कि भाजपा के पारंपरिक वोट जो 2018 में 15 साल की सत्ता विरोधी लहर के कारण कांग्रेस के पास चले गए थे, उन्हें इस चुनाव में भगवा पार्टी ने बरकरार रखा।

बघेल के 13 सदस्यीय मंत्रिमंडल के 9 लोग हारे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाले 13 सदस्यीय मंत्रिमंडल के 9 सदस्य चुनाव हार गए हैं, जबकि बघेल (पाटन) और उनके तीन मंत्री कवासी लखमा (कोंटा), उमेश पटेल (खरसिया) और अनिला भेंडिया (डोंडी लोहारा) विजयी होने में कामयाब रहे। राज्य विधानसभा के अध्यक्ष चरण दास महंत ने अपनी सक्ती सीट जीत ली है। वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को चित्रकोट सीट पर हार का सामना करना पड़ा। इस साल अप्रैल में बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में हुई सांप्रदायिक हिंसा की घटना को भाजपा ने लोगों के सामने रखा और साजा सीट से ईश्वर साहू को भी मैदान में उतारा। ईश्वर साहू के पुत्र की बिरनपुर सांप्रदायिक हिंसा में मृत्यु हुई थी। ईश्वर साहू ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और मंत्री रवींद्र चौबे को 5,196 मतों से हराया है।

महादेव सट्टेबाजी ऐप, कोयला और शराब घोटाले का आरोप

भाजपा का प्रचार अभियान प्रधानमंत्री मोदी की छवि पर बहुत अधिक निर्भर था। मोदी ने राज्य में जुलाई से चुनाव प्रचार के आखिर तक 9 सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया। पार्टी ने मतदाताओं से कई वादे भी किए। राज्य में प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं ने महादेव सट्टेबाजी ऐप, कोयला और शराब से संबंधित कथित घोटालों को लेकर लगातार बघेल सरकार पर निशाना साधा, जिनकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की ओर से की जा रही है। भाजपा ने राज्य में पिछले दिनों बेमेतरा और कवर्धा जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा और राज्य में धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा नेताओं ने बघेल सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। भाजपा की जीत के पीछे नए चेहरे आगे करने के साथ ही एक और बड़ा फैक्टर रहा। बीजेपी आलाकमान ने अपने कई पूर्व मंत्रियों पर भरोसा जताया और उन्हें मैदान में उतारा। राज्य के जनता ने एक बार से ऐसे नेताओं पर भरोसा जताया। भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह (राजनांदगांव), राज्य भाजपा प्रमुख और पार्टी सांसद अरुण साव (लोरमी), केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहत), पार्टी सांसद गोमती साय (पत्थलगांव), पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय (कुनकुरी) और पूर्व मंत्री जिनमें बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर शहर दक्षिण), अजय चंद्राकर (कुरुद), पुन्नूलाल मोहिले (मुंगेली), अमर अग्रवाल (बिलासपुर), दयालदास बघेल (नवागढ़) और राजेश मूणत (रायपुर शहर पश्चिम) तथा पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी और नीलकंठ टेकाम चुनाव जीत गए हैं।

न्यूज गैलरी

गहलोत ने कांग्रेस विजयी प्रत्याशियों को दी बधाई

जयपुर(वार्ता)। राजस्थान के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा आम चुनाव में विजयी हुए कांग्रेस प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई दी है। श्री गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव जीतने वाले पार्टी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा आशा है कि आज सभी कांग्रेस पार्टी की नीति, विचारधारा एवं सिद्धांत को आगे बढ़ाने का काम बखूबी करेंगे एवं राजस्थान की जनता के हितों की रक्षा के लिए एक सशक्त विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में कांग्रेस ने 69 सीटें जीती है जबकि उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोक दल ने भी एक सीट पर विजय पाई हैं।

औरंगाबाद में सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्री की मौत, दो घायल

औरंगाबाद(वार्ता)। बिहार में औरंगाबाद जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में सड़क दर्घटना में एक व्यक्ति और उसकी पुत्री की मौत हो गयी तथा दो अन्य घायल हो गये। पुलिस उपाधीक्षक नव वैभव ने सोमवार को यहां बताया कार पर सवार लोग रविवार की रात आजमगढ़ के लालगंज से झारखंड के धनबाद में छठी समारोह में शामिल होने जा रहे थे । भेड़िया गांव के समीप वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गयी। इस दुर्घटना में वाहन पर सवार दो लोगो की मौत हो गयी जबकि दो लोग घायल हो गये। मृतकों की पहचान कृष्णा सागर गुप्ता (48) एवं उनकी पुत्री खुशी गुप्ता(20) के रूप में की गयी है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि घायलों को औरंगाबाद सदर अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है।शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है।

हारते ही कांग्रेस को इंडिया गठबंधन में मिलने लगी नसीहत

घमंड हार गया, अकेले नहीं जीत पाओगे

नई दिल्ली(ए.)। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के हाथ लगी करारी हार ने इंडिया गठबंधन की एकता की कलई को खोल दिया है। एमपी में जहां कांग्रेस अपनी बड़ी जीत को लेकर तमाम दावे कर रही थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तक में अपनी सरकार बचाने में कामयाब नहीं हुई। कांग्रेस की इस हार पर अब इंडिया गठबंधन ने उसे नसीहत दी है। सपा ने इसे घमंड की हार कहा तो जेडीयू बोली कि ये इंडिया गठबंधन नहीं अकेले कांग्रेस की हार है। ये अकेले चुनाव नहीं जीत सकते। एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने बंपर जीत के साथ हिन्दी बेल्ट में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। 2024 से पहले बीजेपी की ये जीत लोकसभा चुनाव में उसकी हैट्रिक के लिए उम्मीद बनकर सामने आई है। रविवार देर शाम तीनों राज्यों में जीत के बाद पीएम मोदी ने इसे 2024 लोकसभा चुनाव का संकेत बताया तो इंडिया गठबंधन पर निशाना साधने से भी नहीं चूके।

पीएम मोदी और राहुल क्या बोले

पीएम मोदी ने कहा, मेरी कांग्रेस और उसके साथियों को सलाह है कि ऐसी राजनीति न करें जो देश विरोधी हो और उससे देश कमजोर हो।卐 उधर, राहुल गांधी ने हिन्दी बेल्ट के तीनों राज्यों में करारी हार को स्वीकार करते हुए अपनी लड़ाई जारी रखने की बात कही है। उन्होंने ट्वीट में कहा कि हम जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। बीजेपी के साथ हमारी विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी।

तेलंगाना में जीत राहत लाई

हालांकि कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि तेलंगाना में उसकी पहली बार सरकार बनाने जा रही है। यहां कांग्रेस ने 69 सीटों के साथ बहुमत का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया। जीत का सेहरा तेलंगाना कांग्रेस चीफ रेवंत रेड्डी के सिर बंधा है। पूरी संभावना है कि वह प्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे। उधर, बीआरएस 40 का आंकड़ा तक पार नहीं कर सकी। बीजेपी के खाते में 8 सीटें आई हैं।

एमपी-राजस्थान और छत्तीसगढ़ में रिजल्ट कैसा रहा

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी 164 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। कांग्रेस के खाते में 65 सीटें आई। अन्य के पास एक सीट आई है। यहां बीजेपी की 2003 से सरकार है। हालांकि 2018 में दो साल के लिए कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी थी जो 2020 में गिर गई। उधर, राजस्थान में शुरुआती मुकाबला कांटे का लग रहा था लेकिन, जल्द ही बीजेपी ने बढ़त हासिल की और फिर कांग्रेस को आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया। बीजेपी ने यहां 115 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। कांग्रेस को 69 सीट मिली हैं। वहीं, अन्य के खाते में 15 सीटें आई हैं। छत्तीसगढ़ चुनाव बड़ा रोचक रहा। कई एग्जिट पोल्स में यहां कांग्रेस की जीत के दावे किए जा रहे थे लेकिन, बीजेपी ने सभी भविष्यवाणियों को धताते हुए यहां भी जीत दर्ज की है। बीजेपी के खाते में कुल 90 में से 54 सीटें आई हैं। जबकि कांग्रेस 35 से आगे नहीं बढ़ पाई। अन्य के पास एक सीट आई।

इंडिया गठबंधन में किसने क्या कहा

तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार पर इंडिया गठबंधन का गुस्सा फूटा है। अखिलेश यादव की पार्टी सपा ने इसे कांग्रेस के घमंड की हार कहा। यहां यह भी गौर करने वाली बात है कि एमपी विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश और कमलनाथ में सीट बंटवारे को लेकर गहमा-गहमी सामने आई थी।

उधर, नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने कांग्रेस की हार पर नमक छिड़का है। कहा कि ये गठबंधन नहीं सिर्फ कांग्रेस की हार है। इस हार से यह भी साफहो गया है कि कांग्रेस चुनाव अकेले नहीं जीत सकती।

हैदराबाद में बड़ा हादसा, ट्रेनी एयरक्राफ्ट हुआ क्रैश, 2 पायलटों की मौत

हैदराबाद(ए.)। तेलंगाना के हैदराबाद में बड़ा हादसा हुआ है। पिलाटस ट्रेनर एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया और इसमें सवार 2 पायलटों की मौत हो गई है। एयरक्राफ्ट डंडीगल में वायुसेना अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान क्रैश होने पर इंडियन एयरफोर्स ने बयान जारी कर कहा, ÷हैदराबाद से नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आज सुबह एक पिलाटस पीसी 7 एमके आईएल ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हमें अफसोस है कि विमान में सवार दोनों पायलटों को काफी गहरी चोट आई और उनकी मौत हो गई। हालांकि अच्छी बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी आम नागरिक को चोट नहीं आई। वहीं इस घटना के जांच के आदेश दे दिए गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पायलटों की मौत पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट - पर लिखा, हैदराबाद के पास हुए इस हादसे से दुखी हूं। यह बेहद दुखद है कि दो पायलटों की जान चली गई। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

राधिकापुर एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग

कोलकाता(वार्ता)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का में सोमवार तड़के रेत से लदे ट्रक के दुर्घटनावश रेल ट्रैक पर आ जाने से अप राधिकापुर एक्सप्रेस के इंजन में आग लग गई, जिसमें करीब 15 यात्री घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों को चोटें साधारण हैं। इस खंड पर अप और डाउन ट्रेनों की 01.30 बजे से कुछ समय के लिए आवाजाही रोक दी गयी थी जब तक कि दूसरा इंजन साइट पर नहीं आया और ट्रेन को उसके गंतव्य तक खींच कर ले गया। यह गाड़ी उत्तर बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जा रही थी। सूत्रों ने पुष्टि करते हुए बताया कि यह दुर्घटना फरक्का के बल्लारपुर में तब हुई जब ओवरब्रिज पर अप-व्हील पर जा रहा रेत से भरा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर रेलवे ट्रैक पर पीछे की ओर लुढ़क गया जिस समय राधिकापुर एक्सप्रेस इस खंड से गुजर रही थी।

भविष्य पर कयासों के बीच वसुंधरा के लिए जगी उम्मीद, मिला 35 का दम और दो विरोधी पस्त

नई दिल्ली। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने अपनी परंपरागत सीट झालावाड़ में 53 हजार वोटों से जीत हासिल की है। फिर भी उनके भविष्य को लेकर कयास लग रहे हैं कि वह मुख्यमंत्री बनेंगी या नहीं। इसकी वजह यह है कि भाजपा ने इस बार उन्हें सीएम फेस घोषित किए बिना ही चुनाव लड़ा था।

इसके बाद भी भाजपा ने 115 सीटों पर बड़ी जीत दर्ज की है। ऐसे में यह सवाल और तेजी से उठने लगा है कि वसुंधरा का क्या होगा? इस बीच एक चीज उनके लिए उम्मीद बंधाने वाली है। दरअसल वसुंधरा राजे के 35 समर्थक विधायकों को जीत हासिल हुई है। इतनी बड़ी

तादाद में समर्थक विधायकों का जीतना उन्हें सीएम की रेस में बने रहने के लिए मदद कर सकता है। इसके अलावा पार्टी के अंदर ही उनके दो प्रतिद्वंद्वी भी चुनाव हार गए हैं। भले ही पार्टी के तौर पर यह झटका है, लेकिन इससे वसुंधरा राजे की निजी महत्वाकांक्षाओं के द्वार जरूर खुलते हैं। विस में नेता विपक्ष राजेंद्र राठौड़ और उप नेता सतीश पूनिया को हार मिली है। दोनों ही नेताओं का नाम सीएम पद की रेस में लिया जाता रहा है। इस तरह वसुंधरा राजे का अपना खेमा मजबूत हुआ है तो दूसरी तरफ दो दावेदार कम हो गए हैं। राजस्थान में चुनाव की शुरुआत में वसुंधरा राजे साइडलाइन नजर आ रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने जमकर प्रचार किया। वह पीएम मोदी और होम मिनिस्टर अमित शाह समेत सभी बड़े नेताओं की रैलियों में मौजूद रहीं। इस तरह उन्होंने राजनाथ के रण में मजबूती से वापसी की थी और अब फिर से सीएम बनकर यदि चौंका दें तो कोई हैरानी नहीं होगी। वसुंधरा राजे 2002 के बाद से ही राजस्थान में भाजपा की एकछत्र नेता थीं।

तीन राज्यों से मिली ताकत बदलेगी राज्यसभा के भी समीकरण, कांग्रेस को कितना झटका

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में जीत का लाभ भाजपा को राज्यसभा सीटें बचाए रखने में मिलेगा। वो 7 सीटें बीजेपी के पास ही रहेंगी जिनके मेंबर अगले साल अप्रैल में रिटायर्ड होने वाले हैं। कांग्रेस भी अपनी 2 सीटें बचा पाने में सफल हुई है। इनमें एक-एक सीट मध्य प्रदेश और राजस्थान से है। हालांकि, कांग्रेस को 2 अन्य सीटों का भी लाभ होने वाला है जो कि उसे तेलंगाना से मिलेंगी। फिलहाल इन दोनों सीटों पर भारत राष्ट्र समिति का कब्जा है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव रिटायर होने वाले हैं जो कि राज्यसभा सदस्य के तौर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी अप्रैल 2024 में रिटायर होने वाले हैं जो मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। तीन राज्यों में मिली जीत का बीजेपी को राज्यसभा के लिहाज से अभी सीधा लाभ मिलता नहीं दिख रहा है जहां सत्ताधारी एनडीए अभी तक बहुमत में नहीं है। हालांकि, भगवा दल के राज्यसभा सदस्यों की संख्या 2026 और 2028 के चुनावों के बाद बढ़ने की संभावना है। इसके साथ ही कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों की संख्या भी तेलंगाना से बढ़ सकती है जहां की सभी 7 सीटों पर बीआरएस का कब्जा रहा है।

जीत के बाद भी बीजेपी को अभी क्यों नहीं मिल रहा सीधा लाभ

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 11 सीटें हैं जबकि राजस्थान में 10, तेलंगाना में 7 और छत्तीसगढ़ में 5 सीटें आती हैं। एमपी में फिलहाल बीजेपी के पास 8 सीटें हैं, बाकी 3 पर कांग्रेस काबिज है। अगर राजस्थान की बात करें तो यहां कांग्रेस के खाते में 6 सीटें और बीजेपी की झोली में 4 सीटें हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास 4 और भगवा दल के पास 1 सीट है। इसलिए, बीजेपी को बड़ा लाभ तो 2026 और 2028 में राजस्थान और छत्तीसगढ़ से ही मिलेगा, जहां 2018 से 2023 के बीच वह सत्ता में नहीं थी।

उम्र साथ नहीं, वत पास नहीं, वसुंधरा से केसीआर तक जीते-हारे, इन 5 दिग्गजों का अब या होगा

नई दिल्ली(ए.)। राजस्थान से लेकर तेलंगाना तक रविवार को आए चुनाव नतीजों ने कई नेताओं को भविष्य की नई राह दिखाई है तो कुछ के लिए यह डेड एंड जैसी स्थिति बन गई है। अपने-अपने राज्यों के टॉप नेता रहे इन लोगों की उम्र 70 के करीब है और 5 साल बाद होने वाले अगले चुनाव तक क्या स्थिति होगी, उसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। इन नेताओं में राजस्थान से अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे हैं, जबकि मध्य प्रदेश में कमलनाथ और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के आगे यही स्थिति है। वहीं तेलंगाना में केसीआर के आगे भी यह संकट पैदा हो सकता है।

77 साल के कमलनाथ की खत्म होगी सियासी पारी?

मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कमलनाथ को ही आगे करके चुनाव लड़ा था। वह पूरे कैंपेन में सबसे आगे रहे, लेकिन नतीजा बेहद निराशा करने वाला रहा है।

77 साल के कमलनाथ का आगे क्या भविष्य होगा, यह कहना मुश्किल है। कुछ वक्त पहले उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की भी चर्चा थी, लेकिन उन्होंने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। ऐसे में अब उनके लिए कांग्रेस में क्या भूमिका होगी, यह कहना मुश्किल है। इसके अलावा पार्टी में दिग्विजय सिंह और उनके खेमे के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो सकता है।

छत्तीसगढ़ में रमन सिंह को लेकर कयास

छत्तीसगढ़ में भी भाजपा ने राजस्थान और एमपी की तरह ही बिना किसी सीएम फेस के चुनाव लड़ा था। इसके बाद भी चौंकाने वाले नतीजे आए हैं तो क्रेडिट पीएम मोदी और केंद्रीय नेतृत्व को ही दिया जा रहा है। इस बीच सवाल यह भी है कि 15 सालों तक सीएम रहे रमन सिंह का अब क्या होगा। उनका नाम सीएम के लिए भी चर्चा में है, लेकिन पीएम मोदी जिस तरह नए प्रयोग करते रहे हैं, उसे देखते हुए उनकी भूमिका को लेकर कयास भी खूब हैं। फिलहाल उनके लिए राह बहुत आसान नहीं लगती।

पायलट से खूब हुई लड़ाई, पर अब क्या करेंगे अशोक गहलोत

राजस्थान में बीते 5 सालों में अशोक गहलोत ने सचिन पायलट से अदावत के बीच ही सरकार चलाई थी। फिर चुनाव हुए तो उसमें भी इसका असर दिखा। अब नतीजे सामने हैं और अशोक गहलोत सत्ता से बेदखल हो चुके हैं। उनकी उम्र फिलहाल 73 साल है और सचिन पायलट को हाईकमान ने जिस इंतजार की बात कही थी, वह शायद 5 साल बाद पूरा जाएगा। ऐसे में अशोक गहलोत राजस्थान या फिर केंद्र में कांग्रेस में किस भूमिका में होगे, यह बड़ा सवाल है। माना जा रहा है कि उनकी सियासी पारी को अब विराम लग सकता है।

केसीआर के लिए अब आर-पार जैसे हालात

तेलंगाना के गठन के लिए आंदोलन चलाने वाले केसीआर को 10 साल बाद सत्ता से बेदखल होना पड़ा है। केसीआर को खुद ही अपनी सीट पर मात झेलनी पड़ी और कांग्रेस को जीत मिली है। 69 साल के केसीआर 10 साल सीएम रहे हैं और अब अगली बार चुनाव तक उनकी उम्र 74 होगी। ऐसे में यह देखना होगा कि आगे की लड़ाई के लिए वह बेटे को तैयार करते हैं या फिर खुद राष्ट्रीय राजनीति की ओर रुख कर बेटे को राज्य में मौका देंगे।

वसुंधरा राजे ने जीत का श्रेय पीएम मोदी को दिया

वसुधंरा राजे को भाजपा ने इस बार सीएम फेस घोषित नहीं किया था। इसके बाद भी भाजपा ने 115 सीटें जीत ली हैं। खुद वसुंधरा राजे ने पीएम नरेंद्र मोदी को जीत का क्रेडिट दिया है। इस बीच राजस्थान में सीएम पद को लेकर कई नाम चर्चा में हैं। इनमें महंत बालकनाथ, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और सतीश पूनिया जैसे नेता चर्चा में हैं। ऐसे में वसुंधरा राजे के भविष्य को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। उन्होंने खुद चुनाव प्रचार के दौरान अपने बारे में कयास पैदा कर दिए थे, जब उन्होंने कहा था कि उनके बेटे दुष्यंत सिंह सांसद के तौर पर अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें झालावाड़ को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। 70 साल की हो चुकीं वसुंधरा राजे यदि सीएम नहीं बनती हैं तो आगे उनके लिए क्या अवसर होंगे, यह कहना मुश्किल है।

राष्ट्र प्रथम ही ध्येय रहा महाराणा प्रताप का : योगी

गोरखपुर(वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाराणा प्रताप,महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ जैसे ऋषि.मुनि और महापुरुष का एक ही ध्येय 'राष्ट्र प्रथम' का रहा है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री योगी ने सोमवार को कहा कि 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ द्वारा स्थापित और उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ द्वारा पुष्पित.पल्लवित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने संस्थापकों की भावनाओं के अनुरूप तय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। शैक्षिक पुनर्जागरण के साथ ही यह परिषद स्वास्थ्य और सेवा के अन्य तमाम प्रकल्पों को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हर राह किसी न किसी मंजिल तक पहुंचाती है जरूरत सही मंजिल के लिए सही राह चुनने की है।

राज परिवारों का छग की जनता ने खत्म किया राज
सरगुजा, जशपुर और सरायपाली राजघराने को शिकस्त

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा में यह पहली बार है कि जब राज परिवार का कोई भी सदस्य निर्वाचित नहीं हुआ है. राज्य में इन परिवारों के सात सदस्यों को हार का सामना करना पड़ा है. इस बार छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी ने राजपरिवारों के तीन-तीन सदस्यों को अपना उम्मीदवार बनाया था जबकि आम आदमी पार्टी ने राजपरिवार के एक सदस्य को मैदान में उतारा था.

कांग्रेस के तीनों उम्मीदवार विधायक थे जो अपनी सीट नहीं बचा सके. वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ के गठन के बाद विधानसभा के सभी पांच कार्यकालों में पूर्व शाही परिवारों के सदस्य थे. इस चुनाव में प्रभावशाली कांग्रेस नेता और उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव अपनी अंबिकापुर सीट 94 वोट के मामूली अंतर से हार गए. वह सरगुजा के पूर्व शाही परिवार से हैं.

टीएस सिंहदेव को मिली राजेश अग्रवाल से हार : वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए राजेश अग्रवाल ने उन्हें शिकस्त दी है. सिंहदेव ने लगातार तीन बार 2008, 2013 और 2018 में विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी. माना जाता है कि सिंहदेव के परिवार का उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में काफी प्रभाव है. इस क्षेत्र के सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों में 2018 में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार ये सभी सीट बीजेपी ने जीत लीं.

बैकुंठपुर से कांग्रेस की अंबिका सिंहदेव पराजित : सरगुजा क्षेत्र के एक अन्य शाही परिवार की सदस्य अंबिका सिंहदेव को कांग्रेस ने बैकुंठपुर सीट से अपना उम्मीदवार बनाया लेकिन वह बीजेपी के भैयालाल राजवाड़े से 25,413 मतों के अंतर से हार गईं. अंबिका सिंहदेव कोरिया के शाही परिवार से है जो राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे हैं. इस परिवार से रामचन्द्र सिंहदेव अजीत जोगी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ के पहले वित्त मंत्री रहे थे. अंबिका सिंहदेव ने 2018 में इस सीट से राजवाड़े को हराया था.

देवेंद्र बहादुर भी हारे : कांग्रेस नेता देवेंद्र बहादुर सिंह (63) कांग्रेस के दूसरे शाही वंशज हैं जिन्हें इस बार बसना सीट से हार का सामना करना पड़ा. वह फुलझर (अब महासमुंद जिले में) के पूर्व गोंड शाही परिवार से हैं. बीजेपी के संपत अग्रवाल ने सिंह को 36,793 वोट के अंतर से हराया है. चार बार विधायक रहे सिंह ने छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार (2000-2003) में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया.

जशपुर के जूदेव परिवार के दो ने लड़ा चुनाव : सरगुजा संभाग (उत्तरी छत्तीसगढ़) में जशपुर के प्रभावशाली जूदेव शाही परिवार के दो सदस्यों ने विधानसभा चुनाव लड़ा था. यह परिवार बीजेपी के कद्दावर नेता दिवंगत दिलीप सिंह जूदेव का है. दिलीप सिंह जूदेव के पिता विजय भूषण जूदेव जशपुर राजघराने के राजा थे और लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं. दिलीप सिंह जूदेव ने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में पर्यावरण और वन राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया था.

युद्धवीर की पत्नी संयोगिता भी हारीं : उनके बेटे युद्धवीर सिंह जूदेव बिलासपुर संभाग से सटे चंद्रपुर सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं. युद्धवीर की पत्नी संयोगिता सिंह को चंद्रपुर सीट से लगातार दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा है. वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में संयोगिता सिंह ने इस सीट से कांग्रेस के रामकुमार यादव के खिलाफ चुनाव लड़ा था लेकिन हार गई थीं. इस बार इस सीट से यादव ने फिर से संयोगिता को 15,976 वोट के अंतर से हराया है.

जूदेव के दूसरे बेटे को भी मिली हार : दिलीप सिंह जूदेव के दूसरे बेटे प्रबल प्रताप सिंह जूदेव को कोटा सीट (बिलासपुर जिला) से मैदान में उतारा गया, जहां उन्हें कांग्रेस के अटल श्रीवास्तव के हाथों 7,957 वोट के अंतर से हार का सामना करना पड़ा. पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की पत्नी रेणु जोगी, जो कोटा से जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) की विधायक थीं, इस बार 8884 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

बीजेपी के संजीव शाह को मिली मात : दो बार के पूर्व विधायक संजीव शाह मोहला-मानपुर से बीजेपी के उम्मीदवार थे. यह विधानसभा सीट नक्सल प्रभावित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में स्थित अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है.शाह अंबागढ़ चौकी के पूर्व नागवंशी गोंड शाही परिवार के वंशज हैं. कांग्रेस विधायक इंद्रशाह मंडावी ने शाह को 31,741 वोटों से हराकर मोहला-मानपुर सीट पर जीत बरकरार रखी है.

आप के शाही उम्मीदवार को भी शिकस्त : आम आदमी पार्टी ने कवर्धा सीट से पूर्व लोहारा रियासत (कबीरधाम जिला) के खड्गराज सिंह को मैदान में उतारा था. खड्गराज 6334 वोट पाकर कवर्धा में तीसरे स्थान पर रहे. कवर्धा में बीजेपी के विजय शर्मा ने कांग्रेस नेता और मंत्री मोहम्मद अकबर को 39592 वोट से हराया।

सीतापुर में 72 सालों में पहली बार बीजेपी की जीत

रायपुर/नवप्रदेश। आदिवासी बाहुल्य सरगुजा संभाग की सीतापुर विधानसभा का राजनैतिक इतिहास बदल गया है. 72 साल पहले अस्तित्व में आई इस सीट पर पहली बार बीजेपी ने अपना परचम लहराया है. और सेना की नौकरी से त्याग पत्र देकर आए पूर्व सैनिक ने चार बार के विधायक और एक बार मंत्री रहे अमरजीत भगत को करारी शिकस्त दी है. बीजेपी ने रामकुमार टोप्पो की बदौलत सीतापुर के अभेद क़िले में सेंध लगाने में सफलता पाई है. बीजेपी प्रत्याशी रामकुमार टोप्पो ने सीतापुर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत को 17 हज़ार 1 सौ 60 वोट के बड़े अंतर से हराया है।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लिए सबसे सुरक्षित सीतापुर विधानसभा मे 2023 विधानसभा चुनाव में नया अध्याय लिख दिया है. इस सीट पर हुए मौजूदा चुनाव में वैसे तो 17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे. लेकिन हमेशा की तरह इस सीट पर सीधा मुक़ाबला कांग्रेस के चार बार के विधायक अमरजीत भगत और बीजेपी के

पूर्व सैनिक राम कुमार टोप्पो के बीच था. इस चुनाव के परिणाम आने के बाद बीजेपी के राम कुमार टोप्पो ने 50.36 त्न वोट शेयर के साथ कुल 83 हज़ार 88 मत प्राप्त किए तो वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत को

सिर्फ पहले राउंड में मंत्री को बढ़त

सीतापुर विधानसभा के 245 मतदान केन्द्र में हुए मतदान के लिए 3 दिसंबर को 18 राउंड में काउंटिंग हुई. इसमें पहले राउंड में की काउंटिंग में कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत ने 361 वोट से बढ़त बनाई. उसके बाद दूसरे राउंड मे वो 118 वोट से पिछड़ गए और तीसरे राउंड में बीजेपी प्रत्याशी के बढ़त का आंकड़ा 1440 तक पहुंच गया. बढ़त मतगणना में पूरे 18 राउंड तक बरकरार रही और अंत में जीत हार का ये अंतर 17 हज़ार 1 सौ 60 के बड़े आंकड़े तक पहुंच गया.

सीतापुर विधानसभा सीट का इतिहास

सरगुजा ज़िले की सीतापुर विधानसभा सीट आज़ादी के बाद 1951 में अस्तित्व में आई लेकिन तब से लेकर आज तक देश भर के कई राज्यों में अपनी सरकार चलाने वाली बीजेपी यहां से चुनाव नहीं जीत पाई है. इस सीट पर जीत का सपना देखने वाली बीजेपी को हर बार कांग्रेस से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है. सरगुजा संभाग में कांग्रेस के लिए सबसे सुरक्षित सीट माने जाने वाली सीतापुर विधानसभा में एक दर्जन बार कांग्रेस ने जीत का झंडा गाड़ा है, तो वहीं तीन बार निर्दलीय प्रत्याशी यहां से जीतकर विधानसभा तक पहुंचे हैं. इस सीट के कई रिकॉर्ड और राजनीतिक समीकरण हैं. जो कांग्रेस के सफलता के राज रहे हैं।

माथुर, मांडविया, नबीन, साव, डॉ. रमन से मिले भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडविया, संगठन सह प्रभारी नितिन नबीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरूण साव एवं भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से आज भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों ने बड़ी संख्या में भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रदेश प्रभारी श्री माथुर एवं सह प्रभारी श्री नबीन ने इस अवसर पर नवनिर्वाचित विधायकों से अत्यंत स्नेह एवं आत्मीयता से संवाद करते हुए उन्हें निर्वाचित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा के सभी नवनिर्वाचित विधायक छत्तीसगढ़ राज्य के विकास एवं राज्य की जनता के बेहतर भविष्य के लिए अपने संपूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे ताकि छत्तीसगढ़ राज्य देश के बड़े और विकसित राज्यों की श्रेणी में फि र से शामिल हो सके। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर ने नवनिर्वाचित विधायकों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जनता ने भाजपा पर भरोसा करते हुए आप सभी को छत्तीसगढ़ का भविष्य बनाने का जिम्मा सौंपा है और आप सभी की पहली जिम्मेदारी यही है कि अपनी निर्वाचक जनता और अपने क्षेत्र के विकास के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य की समृध्दि के लिए पहले दिन से ही जुट जाएं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडविया ने नवनिर्वाचित विधायकों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि आप सभी अभी से जनता की सेवा के लिए तैयार हो जाएं।

जनता ने जो विश्वास आप पर व्यक्त किया है उस पर सभी को खरा उतरना है। प्रदेश की जनता ने आप पर, आपकी पार्टी पर अपनी उम्मीदें व्यक्त की हैं। जनता उस पर भरोसा करती है जिससे उसे उम्मीद होती है। हमारी जीत जनता के इसी विश्वास का प्रतिरूप है और हमें जनता की उम्मीदों को अपना कर्तव्य समझ कर पूरा करना है। इस दौरान लता उसेण्डी, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, धरमलाल कौशिक, विजय शर्मा, ओ.पी. चौधरी, , किरण सिंह देव, रामविचार नेताम, गोमती साय, श्यामबिहारी जायसवाल, भैयालाल राजवाडे, भूलन सिंह मरावी, लक्ष्मी राजवाड़े, शकुंतला सिंह पोर्ते, उद्धेश्वरी पैकरा, प्रबोध मिंज, राजेश अग्रवाल, श्रीमती रायमुनि भगत, लखनलाल देवांगन, प्रेमचन्द पटेल, प्रणव कुमार मरपच्ची, सुशांत शुक्ला, संपत अग्रवाल, योगेश्वर राजू सिन्हा, टंक राम वर्मा, अनुज शर्मा, पुरन्दर मिश्रा, गुरू खुशवंत सिंह, इन्द्रकुमार साहू, रोहित साहू, ललित चंद्राकर, गजेन्द्र यादव, रिकेश सेन, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, ईश्वर साहू, दीपेश साहू, दयालदास बघेल, भावना बोहरा, आशाराम नेताम, , विनायक गोयल, चैतराम अटामी ने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

राजिम से जीते रोहित साहू का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले के राजिम विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी रोहित साहू ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। जीत के बाद भाजपा में जबर्दस्त खुशी की लहर है। मतगणना के दौरान रोहित के बढ़त लेते ही भाजपाइयों ने मतगणना स्थल के बाहर जश्न मनाना शुरू कर दिया था। जीत के बाद भाजपाइयों ने रोहित साहू का जोशीला स्वागत किया। इस दौरान पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, जिला अध्यक्ष राजेश साहू, महामंत्री अनिल चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फ ार मेमन, अजय रोहरा, सागर मयाणी, राजू सोनकर, कमल सिन्हा, जिप सदस्य चंद्रशेखर साहू, मनीष हरित, राजू साहू, प्रतीक तिवारी, वीरेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओ ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर अपने जीत को लेकर भाजपा विधायक रोहित साहू ने कहा कि राजिम की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है। स्थानीय को चुना है। उन्होंने कहा कि राजिम सहित समूचे प्रदेश की जनता कांग्रेस के वादाखिलाफी और झुमलेबाजी से त्रस्त थी। विकास के पहिए थमे थे, जनता विकास चाहती है और विकास के लिए भाजपा को अवसर दिया है। रोहित ने कहा कि राजिम विधानसभा में उन्होंने हो संकल्प लिया है, उसे वे पहले पूरा करेंगे। इस अवसर पर आसिफ मेमन, सुरेंद्र सोनटेके, परस देवांगन, वंश सिन्हा, महेश यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांकेर विधानसभा में पुनर्गणना के लिए प्राप्त नहीं हुआ कोई आवेदन

कांकेर/नवप्रदेश। विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के तहत 03 दिसम्बर को तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए मतगणना सम्पन्न हुई, जिसमें कांकेर विधानसभा क्षेत्र के लिए मतगणना हुई। रिटर्निंग ऑफिसर कांकेर-81 ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-81 में ईव्हीएम के माध्यम से प्राप्त कुल वोट अभ्यर्थी आशाराम नेताम को कुल 67,459 मत और शंकर ध्रुवा को कुल 67,336 मत प्राप्त हुए।

इस प्रकार दोनों के बीच प्राप्त मतों का अंतर 123 रहा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक चक्रवार गणना का ब्यौरा भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर भी तदनुसार उपलब्ध है। इसके उपरांत डाक मतपत्रों की गणना की गई, जिसमें अभ्यर्थी आशाराम नेताम को 521 और श्री शंकर ध्रुवा को 628 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार ईव्हीएम और डाक मतपत्रों की गणना के बाद अभ्यर्थी नेताम को कुल 67,980 और ध्रुवा को 67,964 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार दोनों अभ्यर्थियों को प्राप्त कुल मतों का अंतर 16 रहा।

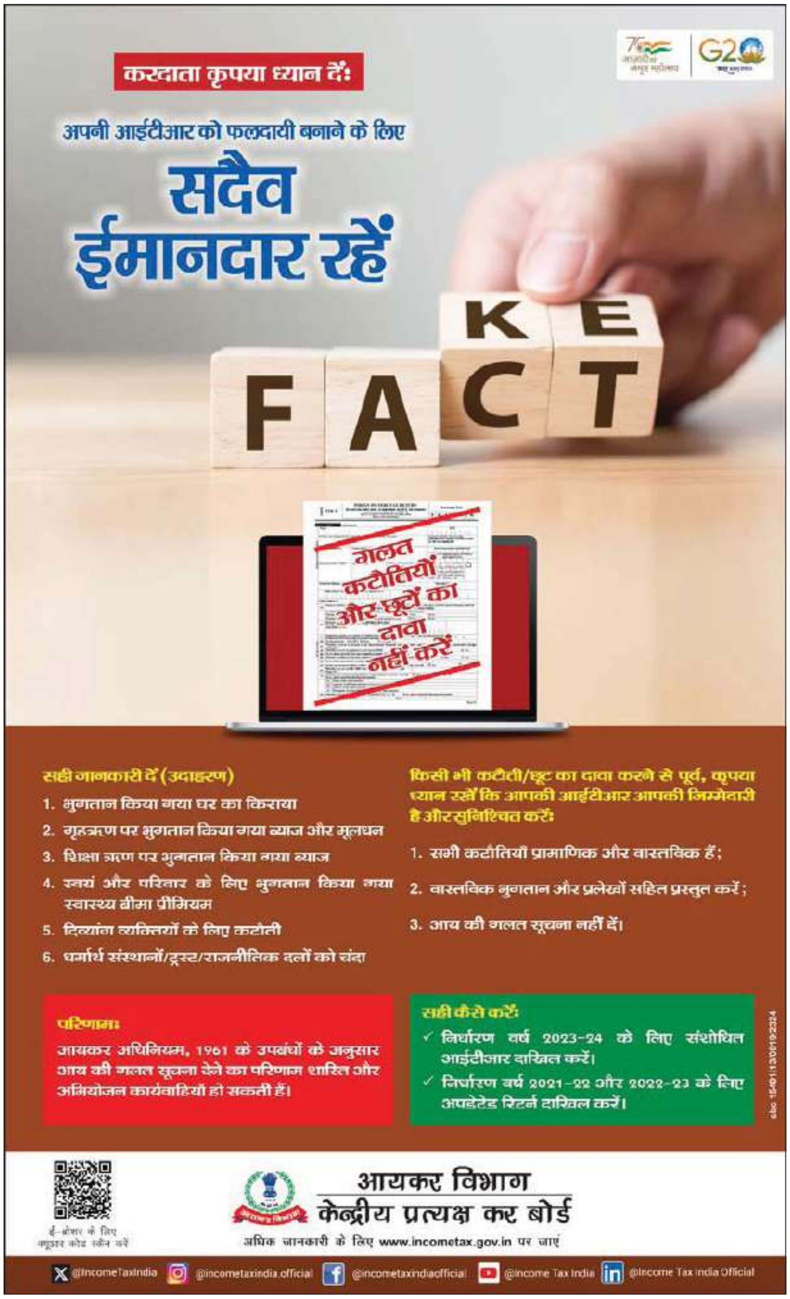

संपादकीय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पड़ गई भारी

पांच राज्यों के जो चुनाव परिणाम सामने आए हैं उसमें भाजपा ने तीन राज्यों में प्रचंड जीत दर्ज की है एक प्रदेश में कांग्रेस को बहुमत मिला है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को जो अभूतपूर्व सफलता मिली है। उसका श्रेय निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। जिनकी गारंटी सब पर भारी पड़ गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन सभी राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार यही कहते थे कि ये मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी का मतलब यह है कि इस गारंटी की पूरा होने की भी गारंटी है। मोदी की बात पर मतदाताओं ने भरोसा जताया। नतीजतन तीन राज्यों में कमल खिल गया और तेलंगाना में जहां कांग्रेस को बहुमत मिला है वहां भी भाजपा ने अपनी सीट एक से बढ़ाकर आठ कर ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही पूरे चुनाव को लीड किया था। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा ने किसी नेता को भावी मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे को ही सामने रखकर भाजपा ने चुनाव लड़ा था। जिसकी विपक्ष ने यह कह कर खिल्ली उड़ाई थी कि भाजपा बिना दुल्हे की बारात निकाल रही है किन्तु भाजपा की यह रणनीति सफल सिद्ध हुई । तीन राज्यों में उसे उम्मीद से ज्यादा सफलता मिली और इस तरह पीएम मोदी का चेहरा जीत की गारंटी बन गया। हालांकि भाजपा की इस बड़ी जीत के पीछे भाजपा के और भी कई अनाम योद्धाओं का योगदान रहा है। जिन्होंने पर्दे के पीछे रह कर ऐसी रणनीति बनाई और बूथ मैनेजमेंट पर फोकस किया। जिसके चलते विपक्ष की सारी रणनीति और लोक लुभावन घोषणाओं की बौछारें धरी की धरी रह गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन तीन राज्यों में भाजपा की भारी बहुमत से जीत के बारे में इतने आश्वस्त थे कि चुनाव प्रचार के दौरान वे यह कह रहे थे कि वे वोट मांगने नहीं आए है बल्कि लोगों को इस प्रदेश में भाजपा की सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने आए है। पीएम मोदी का यह आत्मविश्वास ही भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए जादू का काम कर गया। पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर काम किया और भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाई यदि यह कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी कि यह मोदी मैजिक की जीत है। विधानसभा चुनाव जिसे सत्ता का सेमीफाइल माना जा रहा था। उसमें भाजपा को मिली कामयाबी के बाद अब इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता कि 2024 में होने वाने लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को चुनौती देना विपक्ष के लिए बेहद मुश्किल होगा। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस जीत को जनता की जीत निरूपित किया है उन्होंने स्पष्ट कहा है कि भाजपा को सभी वर्ग का और हर जाति व समाज का समर्थन मिला है जिनके आशीर्वाद से ही भाजपा तीन बड़े राज्यों में जीत का परचम लहराने में सफल हुई है। विधानसभा चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए उत्साहवर्धक हैं और अब पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ता आगामी लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की हैट्रिक लगवाने के लिए कटिबद्ध हो रहे हैं। बहरहाल भाजपा ने शानदार तरीके से सेमीफाइनल जीत लिया है और अब वह फाइनल जीतने की तैयारी में दोगुने जोश के साथ जुट रही हैं। उम्मीद तो यही की जा रही हैं कि आगामी लोकसभा में भी मोदी मैजिक ही चलेगा और फिर एक बार केन्द्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनेगी। यद्यपि लोकसभा चुनाव में पांच माह बाकी है और इस अवधि में विपक्ष अपनी करारी हार के कारणों की समीक्षा कर अपनी कमियों को दूर करने में सफल हो जाता है तो वह लोकसभा चुनाव में भाजपा को कड़ी चुनौती देने की स्थिति में आ सकता है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

तारकेश्वर मिश्र

एक वक्त वो था जब हम रक्षा क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए दूसरे देशों के मोहताज थे। लेकिन अब इस मोर्चे पर भारत की स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है। 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को लेकर आगे बढ़ रहा भारत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनने की राह पर धीरे-धीरे, लेकिन मजबूती के साथ कदम आगे बढ़ा रहा है। जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर मजबूत हो रही है, भारत रक्षा क्षेत्र के लिए जरूरी सामानों के आयात को कम कर रहा है और उसके लिए मेक इन इंडिया अभियान के तहत घरेलू बुनियादी ढांचे का निर्माण पर ज़ोर दे रहा है. आयात कम करने का ये मतलब नहीं है कि उन सामानों की जरूरत ही नहीं है, बल्कि उन सामानों को अब भारत अपने देश में ही बनाने पर फोकस कर रहा है। ऐसे वक्त में जब भारत की सीमाओं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार सामरिक चुनौतियां मिल रही हैं, रक्षा तैयारियों में किसी तरह की सुस्ती घातक साबित हो सकती है। इसी चुनौती के मद्देनजर सेना की युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने हेतु बृहस्पतिवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 2.23 लाख करोड़ रुपये की रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं को प्रारंभिक मंजूरी दी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी गई है। कुल खरीद के 98 फीसदी उत्पाद घरेलू रक्षा उद्योगों से प्राप्त किए जाएंगे। निस्संदेह, इससे देश के रक्षा उद्योग को बड़ा संबल मिलेगा। वहीं, इससे हम हथियारों पर खर्च होने वाली दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी बचा सकते हैं। साथ ही देश में हथियारों के उत्पादन को गति मिलेगी और इस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी की बैठक में 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस और 156 प्रचंड लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी गई। निस्संदेह, पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगातार चुनौतीपूर्ण स्थिति बने रहने के चलते देश अपनी तैयारियों में किसी तरह की ढील नहीं दे सकता। डीएसी का यह निर्णय भी सुखद है कि भारत की एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स द्वारा सुखोई लड़ाकू विमान के बेड़े को उन्नत करने के वायुसेना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। निस्संदेह, सेना की जरूरतों को देश के रक्षा उद्योग के जरिये पूरा करना एक दूरगामी पहल है। इतिहास गवाह है कि कारगिल युद्ध में जरूरी युद्धक सामग्री व भारी हथियारों के लिये जरूरी कल-पुर्जों को हासिल करने में देश को परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई देशों ने संकट काल में मुंह फेर लिया था। लेकिन यहां ध्यान रखना जरूरी है कि रक्षा उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों। ऐसा न हो कि चुनौतीपूर्ण स्थितियों में संकट के अनुरूप गुणवत्ता के हथियार न मिलने पर सेना को असहज व मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़े।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्पना को पूरा करने के लिए सबसे जरूरी है देश में रक्षा क्षेत्र से जुड़े घरेलू उद्योग को मजबूत करना और इसके लिए केंद्र सरकार पिछले कुछ सालों से कई तरह के ठोस फैसले ले रही है। घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार उन उपकरणों, पुर्जों और सेवाओं की लगातार पहचान कर रही है, जिनसे जुड़ी जरूरतों को देश की कंपनियों से पूरा किया जा सकता है। आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाते हुए भारत धीरे-धीरे रक्षा क्षेत्र में विदेशों से खरीद के मुकाबले घरेलू खरीद की हिस्सेदारी को बढ़ा रहा है। 2018-19 में, घरेलू खरीद, कुल खरीद का 54ः था. ये आंकड़ा 2019-20 में बढ़कर 59 फीसदी और 2020-21 में 64 फीसदी हो गया। 2022-23 के लिए इसे 68 फीसदी कर दिया गया था। इसमें से 25ः बजट निजी उद्योग से खरीद के लिए निर्धारित किया गया था. 2023-24 के लिए इसे 75ः तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत 2023-24 में घरेलू रक्षा खरीद के तहत करीब एक लाख करोड़ रुपये घरेलू उद्योग के लिए रखा गया है। स्वदेशीकरण और घरेलू खरीद पर फोकस करने का ही नतीजा था कि 2018-19 से 2021-22 के बीच चार साल की अवधि में विदेशी स्रोतों से रक्षा खरीद पर खर्च 46 फीसदी से घटकर 36 फीसदी हो गया और अब इसे इस साल 25 फीसदी ले जाना है। भारत सरकार हर साल केंद्रीय बजट में पूंजीगत खर्च यानी कैपिटल एक्सपेंडिचर को भी बढ़ा रही है और इसका लाभ भी बाकी क्षेत्रों के साथ ही रक्षा क्षेत्र को भी मिल रहा है। 2023-24 के केंद्रीय बजट में पूंजीगत व्यय में भारी बढ़ोतरी की गई। इसके लिए 10 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

क्या जनता जनार्दन ने 2024 में हैट्रिक का रास्ता दिखाया

किशन भावनानी

हमारी नीति और निर्णयों के मूल में देश और देशवासी हैं। इसलिए हमारी सरकारें सिर्फनीतियां नहीं बनाती, बल्कि हर हकदार हर लाभार्थी तक वह पहुंचे, यह भी सुनिश्चित करती है। पार्टी परफॉर्मेंस और डिलीवरी की राजनीति देश के सामने लेकर आई है। भारत का मतदाता जानता है कि स्वार्थ क्या है, जनहित और राष्ट्रहित क्या है। दूध और पानी का भेदभाव देश जानता है। जैसे-तैसे जीतने के लिए हवा-हवाई बातें करना और लोभ लालच की घोषणा करना, यह मतदाता को पसंद नहीं आता है। मतदाता को उसका जीवन बेहतर करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप चाहिए। एक भरोसा चाहिए। भारत का वोटर यह जानता है जब भारत आगे बढ़ता है तो राज्य आगे बढ़ता है। हर परिवार का जीवन बेहतर होता है। इसलिए वह भाजपा को चुन रहा है। लगातार चुन रहा है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि चार विधानसभा चुनावों में मतदाताओं का परिपक्व आदेश आया - क्या जनता जनार्दन ने 2024 हैट्रिक का रास्ता दिखाया ?

वैश्विक स्तरपर सबसे बड़े लोकतंत्र में 3 दिसंबर 2023 को देर रात्रि तक चली वोटो की गिनती में भारत के लोकतंत्र और परिपक्व मतदाताओं ने अपना बहुमूल्य निर्णय सुना दिया है, बड़े-बड़े नेताओं को किनारे लगा दिया है और उत्तर भारत मेंसत्ताधारी पार्टी को अपने सर आंखों पर बिठाया है तो दक्षिण भारत में उन्हें फिर किनारे लगा दिया है यानी हम लंबे समय से देख रहे हैं कि एक पार्टी उत्तर भारत में तो जीत का परचम लहरा रही है लेकिन लंबे समय की मेहनत के बाद भी दक्षिण भारत पर अपनी शॉप छोड़ने में सफल नहीं हो सकी है और अभी भी उनके हाथ खाली रहे।

हालांकि अभी 3 दिसंबर 2023 को घोषित परिणाम में उसे वोट प्रतिशत औरसीट जरूर बड़ी हुई दिखाई दे रही है परंतु सत्ता से पूरी तरह दूर रही है, आने की संभावना दूर-दूर तक नहीं दिख रही है। तेलंगाना कर्नाटक केरल तमिलनाडु सहित अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में दिखाई दे रहा है। हालांकि पार्टी ने हार नहीं मानी है और लगातार प्रयास जारी रखने का निर्णय लेना सराहनीय है परंतु अभी चार राज्यों के नतीजा से सब्सुबाहट शुरू हो गई है कि क्या जनता जनार्दन 2024 लोकसभा चुनाव में हैट्रिक का मन बनाया है? क्योंकि विपक्षी पार्टी के अभी चार नॉरेटिव को जनता ने ज़मीदरोज कर दिया है चार विधानसभा चुनाव प्रचार के समय शब्दों का चयन, पनौती जेबकतरा का असर जनता जनार्दन पर नहीं पड़ा और इन विधानसभा परिणाम की गाज दूर तक जाएगी क्योंकि विपक्षी एलाइंस इंडिया ने आनन फानन में 6 दिसंबर 2023 को बैठक बुलाई है । चूंकि चार राज्यों की विधानसभा चुनाव में जनता जनार्धन ने अब अपना निर्णय सुना दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे लोकसभा चुनाव 2024 सेमीफाइनल के नतीजे घोषित दुनियां की नज़रें हैट्रिक पर लगी।

साथियों बातें कर हम विधानसभा चुनाव परिणाम 3 दिसंबर 2023 की करें तो, पीएम ने कहा इन परिणामों की गूंज दूर तक जाएगी। पूरी दुनिया में इन चुनाव परिणामों की गूंज सुनाई देगी। यह चुनाव परिणाम दुनियाभर के निवेशकों को नया भरोसा देगा। आजादी के अमृतकाल में विकसित भारत को जो सपना हमने देखा है, उसे लगातार जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। आज दुनिया देख रही है कि भारत का लोकतंत्र और मतदाता कितने परिपक्व हैं। आज दुनिया देख रही है कि भारत की जनता पूर्ण बहुमत के लिए स्थिर सरकार के लिए सोझ समझकर वोट कर रही है।मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के नतीजों ने ढ्ढआई.एन.डी.आई.ए अलायंस में खलबली मचा दी हेयर बड़ी पार्टी के अध्यक्ष ने आनन-फानन में 6 दिसंबर को मां गठबंधन की मीटिंग बुलाई है। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में से आज चार राज्यों के नतीजेघोषित हुए हैं। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा भारी बहुमत के साथ चुनाव जीते है। वहीं, तेलंगाना में कांग्रेस के पक्ष में नतीजे आए हैं। तेलंगाना में भारत राष्ट्रीय समिति को शिकस्त देखनी पड़ रही है। भारत राष्ट्रीय समिति के के चंद्रशेखर राव वाली सरकार के कई बड़े मंत्री भी चुनाव हारते हुए दिखाई दे रहे हैं। तीन राज्यों में मिल रही करारी शिकस्त के बीच से तेलंगाना से कांग्रेस के लिए बड़ी उम्मीद आई है। यही कारण है कि तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। तमाम एग्जिट पोल में भी तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनती हुई दिखाई दे रही थी और अब नतीजे में भी यही तब्दील होता हुआ दिख रहा है। साथियों बात अगर हम 3 दिसंबर 2023 देर शाम माननीय पीएम द्वार अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधन की करें तो, पीएम ने कहा, पार्टी के कार्यकर्ताओं पर जिम्मेदारी और बढ़ गई है।क्योंकि नकारात्मक शक्तियां अब तेजी से एकजुट होने का प्रयास कर रही हैं। समाज में खाई पैदा करने वाले अब नए मौके तलाशेंगे। हमें उनसे मुकाबला भी करना है। उनका जवाब भी देना है। लेकिन उससे भी बढ़कर हमें जनता की रीढ़ को बनाए रखना है।पीएम ने आगे कहा, आज के ये नतीजे उन ताकतों को भी चेतावनी है जो प्रगति और जनकल्याण की राजनीति के खिलाफ खड़े रहते हैं। जब भी विकास होता है, बड़ी पार्टी और उसके साथी विरोध करते हैं। जब हम वंदे भारत लॉन्च करते हैं तोबड़ी पार्टी और उसके साथी मजाक उड़ाते हैं, जब हम गरीबों के लिए घर बनाते हैं तो वे रुकावट डालते हैं, जब हम नल से जल की योजना बनाते हैं तो वे इस पर रोड़ा डालते हैं। ऐसी सभी पार्टियों को आज गरीबों ने चेतावनी दी है। पीएम ने कहा, ऐसे लोग जो भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने वाली जांच एजेंसियों पर प्रहार करने में जुटे हैं, वे समझ लें कि ये चुनाव नतीजे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का भी जनसमर्थन है। ये चुनाव नतीजे कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन के लिए बड़ा सबक है। ये सबक है कि सिर्फ कुछ परिवारवादियों के मंच पर एक साथ आ जाने से फोटो कितनी अच्छी निकल जाए, देश का भरोसा नहीं जीता। देश की जनता का दिल जीतने के लिए राष्ट्रसेवा का जज्बा होना चाहिए और गठबंधन में वो रत्ती भर भी नजर नहीं आता है। उन्होंने कहा, कुछ लोग तो कह रहे हैं कि आज की इस हैट्रिक ने 2024 की हैट्रिक की गारंटी दे दी है। आज के जनादेश ने यह भी साबित किया है कि भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद को लेकर देश के भीतर, देश के हर नागरिक के दिल में जीरो टॉलरेंस बन रही है। आज देश को लगता है कि इन तीन बुराइयों को खत्म करने में अगर कोई प्रभावी है, तो पार्टी ही है। पार्टी की केंद्र सरकार ने देश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो अभियान छेड़ रखा है, उसको भारी जनसमर्थन मिल रहा है। यह उन दलों, नेताओं को मतदाता की साफ-साफ चेतावनी है, जो भ्रष्टाचारियों के साथ खड़े होने में जरा भी शर्म महसूस नहीं करते। उन लोगों को आज देश की जनता ने साफ-साफ संदेश दे दिया है। पीएम ने कहा, पार्टी ने सेवा और सुशासन की राजनीति का नया मॉडल देश के सामने पेश किया है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1746 स्पेनिश शासन के खिलाफ जेनोवा में विद्रोह किया गया। 1757 ल्यूटन की लड़ाईः प्रशियाई सेना ने ऑस्ट्रियाई को धराशायी कर दिया। 1766 जेम्स क्रिस्टी ने क्रिस्टी की नीलामी की पहली बिक्री लंदन के घर में की। 1868 पहला अमेरिकी साइकिल कॉलेज खोला गया। 1876 फायर ब्रुकलिन, न्यू यॉर्क में ब्रुकलिन थिएटर में हुआ, जिसमें कम से कम 278 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर धूम्रपान के कारण थे। 1879 पहला स्वचालित फोन स्विचिंग प्रणाली तैयार की गयी। 1892 जॉन थॉम्पसन कनाडा के चौथे प्रधानमंत्री बने। 1893 एकाधिक मतदान न्यू साउथ वेल्स में समाप्त किया गया। 1893 टोरंटो में पहली इलेक्ट्रिक कार बनी जो एक बार चार्ज होने पर 15 मील चलती थी। 1916 ब्रिटिश प्रधान मंत्री एच। एच। अस्क्विथ ने महायुद्ध के संचालन में दृढ़ता की कमी के कारण इस्तीफा दे दिया। 1950 सिक्किम भारत का संरक्षित राज्य बना। 1971 भारत ने बंगलादेश को एक देश के रूप में मान्यता दी। 1999 भारतीय सुंदरी युक्ता मुखी 'मिस वर्ल्ड' चुनी गईं।

QUIZ TIME

1) भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कहां स्थित है?

2) डाम्फा वन्य जीव अभ्यारण्य किस भारतीय राज्य में अवस्थित है?

3) किस देश को दक्षिण अमेरिका महाद्वीप का प्रवेश द्वार कहा जाता है?

4) निरंकारी आंदोलन की शुरुआत किसने किया था?

5) हाल ही में न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) कानपुर (2) त्रिपुरा (3) वेनेजुएला (4) बाबा दयालदास (5) क्रिस्टोफर लक्सन

वर्ग पहेली

शब्द सामर्थ्य -263

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

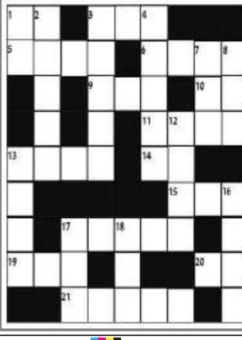

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 262 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	यां		न
	र्म			ज	र	दा		

आज का पंचांग

सूर्योदयः 07:05, सूर्यास्तः 05:29
चन्द्रोदयः 23:35, चन्द्रास्तः 12:21

अयन दक्षिणायणे (दक्षिणगोलीय)

ऋतुः हेमन्त, शक सम्वतः 1945 (शोभकृत), विक्रम सम्वतः 2080 (पिंगल), मास : मार्गशीर्ष, पक्ष : कृष्ण, तिथि : अष्टमी, नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी, योग : विष्कुम्भ, प्रथम करण : विष्टि (08:41 तक), द्वितीय करण : बव (21:59 तक)

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : वृश्चिक, चंद्र : सिंह, मंगल : वृश्चिक (अस्त, पश्चिम, मार्गी), बुध : धनु (अस्त, पूर्व, वक्री), गुरु : मेष (उदित, पश्चिम, वक्री), शुक्र : तुला (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : कुम्भ (उदित, पूर्व, मार्गी), राहु : मीन, केतु : कन्या

शुभाशुभ मुहूर्त विचार

अभिजित मुहूर्त 11:46 से 12:27, अमृत काल 21:53 से 23:41, रवियोग 06:57 से 24:35, विजय मुहूर्त 13:50 से 14:31, गोधूलि मुहूर्त 17:14 से 17:41, सायाह्न सन्ध्या 17:16 से 18:39, निशिता मुहूर्त 23:40 से 24:35, राहुकाल 15:00 से 16:30, राहुवास उत्तर-पश्चिम, यमगण्ड 10:49 से 12:07, दुर्मुहूर्त 12:27 से 13:09, होमाहुति गुरु, दिशाशूल पूर्व, अग्निवास आकाश

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य वास्तुविशेषज्ञ डॉक्टर देवव्रत गुरुजी

मेष : आज के दिन गृहक्लेश के कारण वातावरण कलुषित होगा।

वृषः आज के दिन आपको विविध उलझनों का सामना करना पड़ेगा खासकर पारिवारिक उलझने अकस्मात गंभीर रूप धारण कर सकती है।

मिथुनः आज के दिन आप प्रत्येक कार्यो में आलस्य-प्रमाद के कारण लाभ के अवसर हाथ से गवां सकते है।

कर्कः आपका आज का दिन साधारण रहेगा फिर भी मानसिक रूप से प्रसन्न रहने के वातावरण बनते रहेंगे। सेहत में थोड़ी खराबी रह सकती है।

सिंहः आज के दिन भी अधिकांश समय परिस्तिथियां आपकी आशाओं के विपरीत रहेंगी। पारिवारिक उलझनों के चलते अपने आपको बंधन में अनुभव करेंगे।

कन्याः आज का दिन आपको पुराने परिश्रम का फल देगा। व्यवहारिकता से बनाये सम्बन्धों से लाभ की संभावनाएं बनेगी।

तुलाः आज के दिन आपको घर अथवा व्यावसायिक क्षेत्र पर कुछ विशेष कार्य सौपे जा सकते है इन्हें यथा शीघ्र पूर्ण कर लेंगे।

वृश्चिकः आज दिन का पहला भाग सुख-शांति से व्यतीत करेंगे आलस्य के कारण घरेलु कार्यो को अनदेखा करेंगे जिससे मामूली नोकझोंक हो सकती है।

धनुः आज आप अधिकांश समय आराम में बिताना पसंद करेंगे। स्वास्थ्य सम्बंधित शिकायत पेट सम्बंधित समस्या मुख्यतः रहेगी।

मकरः आज का दिन आप आनंद के साथ व्यतीत करेंगे। घर बाहर का वातावरण सहयोगी रहने से समस्त कार्य आसान बनेंगे।

कुंभः आज आप कई दिनों से टल रही घरेलु उलझनों को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे घर के सभी सदस्य बैठ कर महत्त्वपूर्ण विषयो पर चर्चा कर सकते है।

मीनः आज के दिन का पूर्वार्ध कुछ ख़ास नहीं रहेगा दैनिक कार्य सामान्य गति से चलते रहेंगे।

भाजपा को मिला सबसे बड़ा जनादेश, पहली बार 50 का आंकड़ा पार

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबको चौंका दिया है. छत्तीसगढ़ ही एक ऐसा राज्य था, जहां कांग्रेस की जीत पक्की मानी जा रही थी. लेकिन, बीजेपी ने जोरदार वापसी करते हुए 54 सीटों पर कब्जा कर लिया है. भ्रष्टाचार, हिंदुत्व, लोकलुभावन वादों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत छवि जैसे मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ना बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हुआ. इसके साथ ही पार्टी ने यहां 90 में से 54 सीटों पर जीत हासिल कर पांच साल बाद जोरदार वापसी की है. 2018 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में बीजेपी को कांग्रेस के हाथों बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था. इस बार के चुनाव में कांग्रेस 35 सीटें जीतने में सफल रही, जो 2018 में मिली जीत से 33 कम है. जबकि एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मिली है.

कांग्रेस के 9 मंत्रियों को मिली हार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार में 13 मंत्री थे, जिनमें से 9 मंत्रियों को हार मिली है. जबकि बघेल (पाटन) और उनके तीन मंत्री कवासी लखमा (कोंटा), उमेश पटेल (खरसिया) और अनिला भेंडिया (डोंडी लोहारा) चुनाव जीतने में कामयाब रहे. विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत ने अपनी सक्ती सीट जीत ली है. वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को चित्रकोट सीट पर हार का सामना करना पड़ा.

बीजेपी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह (राजनांदगांव), प्रदेश बीजेपी प्रमुख और पार्टी सांसद अरुण साव (लोरमी), केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहत), पार्टी सांसद गोमती साय (पत्थलगांव), पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय (कुनकुरी) और पूर्व मंत्री जिनमें बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर शहर दक्षिण), अजय चंद्राकर (कुरूद), पुन्नूलाल मोहले (मुंगेली), अमर अग्रवाल (बिलासपुर), दयालदास बघेल (नवागढ़) और राजेश मूणत (रायपुर शहर पश्चिम) तथा पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी और नीलकंठ टेकाम चुनाव जीत गए हैं।

बीजेपी की रणनीति कांग्रेस पर भारी

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर निर्भर थी, जिसमें कहा जाता है कि उसने लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे. वहीं पार्टी ने छत्तीसगढ़ियावाद और माटी पुत्र के रूप में बघेल की लोकप्रियता को भी भुनाने की कोशिश की लेकिन नाकामयाब रही. इधर, बीजेपी का प्रचार अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पर बहुत अधिक निर्भर था. प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में जुलाई से चुनाव प्रचार के आखिर तक नौ सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया. पार्टी ने मतदाताओं से कई वादे भी किए.

सांप्रदायिक हिंसा और धर्मांतरण का मुद्दा पड़ा भारी

बीजेपी ने राज्य में पिछले दिनों बेमेतरा और कवर्धा जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा और राज्य में धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा. इसके साथ ही बीजेपी ने बघेल सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप भी लगाया. बता दें कि इस साल अप्रैल में बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में हुई सांप्रदायिक हिंसा की घटना को बीजेपी ने लोगों के सामने रखा और साजा सीट से ईश्वर साहू को भी मैदान में उतारा. ईश्वर साहू के पुत्र की बिरनपुर सांप्रदायिक हिंसा में मौत हुई थी. ईश्वर साहू ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और मंत्री रविंद्र चौबे को 5,196 मतों से हराया है.

बड़े अंतर से जीतने वाले अकबर को मिली करारी हार

कवर्धा सीट पर बीजेपी के विजय शर्मा ने कांग्रेस के एक और कद्दावर नेता मंत्री मोहम्मद अकबर को 39,592 मतों से हराया. अकबर ने 2018 के विधानसभा चुनाव में कवर्धा सीट पर 59,284 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी. साजा में प्रचार के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि ईश्वर साहू सिर्फ उम्मीदवार नहीं बल्कि न्याय की लड़ाई के प्रतीक हैं और अगर बीजेपी सत्ता में वापस आई तो उनके बेटे भुनेश्वर साहू के हत्यारे को जेल भेजा जाएगा.

बीजेपी का वोट शेयर बढ़ा

भ्रष्टाचार के अलावा, बीजेपी ने प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू न करने, शराबबंदी और संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित कांग्रेस के 2018 के वादों को पूरा करने में विफलता को लेकर भी बघेल सरकार पर निशाना साधा. इस चुनाव में भाजपा ने 2018 चुनाव के 10.1 फीसदी वोटों के अंतर को भी पाटा और उसका वोट प्रतिशत पिछले चुनाव में मिले 32.97 फीसदी से बढ़कर इस बार 46.27 फीसदी हो गया. कांग्रेस 43.04 से नीचे 42.23 फीसदी पर आ गई है.

राजनीतिक विशेषज्ञों की राय है कि बीजेपी के पारंपरिक वोट जो 2018 में 15 साल की सत्ता विरोधी लहर के कारण कांग्रेस के पास चले गए थे, उन्हें इस चुनाव में भगवा पार्टी ने बरकरार रखा. आदिवासी बहुल सरगुजा क्षेत्र में मतदान के परिपाटी ने भी कांग्रेस को परेशान किया है. इस क्षेत्र में कांग्रेस 2018 में जीती गई सभी 14 सीटें हार गईं, जिनमें अंबिकापुर भी शामिल है, जहां उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को हार का सामना करना पड़ा है.

47 नए चेहरों में 29 को मिली कामयाबी

बीजेपी ने इस चुनाव में करीब 47 नए चेहरों को मैदान में उतारा था, जिनमें से 29 को जीत मिली है. इस विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (ब्ब्क) ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (ततक्क) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था. बसपा ने 2018 में दो सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, जबकि जीजीपी राज्य के गठन के बाद पहली बार एक सीट, पाली-तानाखार जीतने में कामयाब रही. पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने 2018 में पांच सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार अपना खाता खोलने में असफल रही.

छत्तीसगढ़ विधानसभा में इस बार 18 महिला विधायक संभालेंगी मोर्चा

भाजपा से 8, कांग्रेस से 10 महिलाओं को मिली जीत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 18 महिलाओं ने जीता है। इनमें भाजपा से 8 और कांग्रेस से 10 महिला विधायक चुनी गई हैं। 90 सीटों में से भाजपा ने 15, तो वहीं कांग्रेस ने 18 महिला कैंडिडेट को उतारा था। इस बार छत्तीसगढ़ विधानसभा में 18 महिला विधायक मोर्चा संभालेंगी। कांग्रेस से सबसे ज्यादा महिलाओं ने चुनाव में जीत दर्ज की है। छठी विधानसभा में 20 प्रतिशत महिला विधायक होंगी। भाजपा से ये महिला प्रत्याशी जीतीं-भरतपुर-सोनहत-रेणुका सिंह, सामरी उद्धेश्वरी पैकरा, जशपुर- रायमुनि भगत, पत्थलगांव- गोमती साय, कोंडागांव- लता उसेंडी, भटगांव- लक्ष्मी राजवाड़े, प्रतापपुर- शकुंतला सिंह पोर्ते, पंडरिया - भावना बोहरा को मिली जीत। कांग्रेस से जीती ये महिला विधायक- सिहावा-अंबिका मरकाम, सारंगढ़- उत्तरी गणपत जांगड़े, सरायपाली-चातुरी नंद, बिलाईगढ़-कविता प्राण लहरे, लैलूंगा-विद्यावती सिदार, बालोद-संगीता सिन्हा, डौंडीलोहारा- अनिला भेड़िया, भानुप्रतापपुर-सावित्री मांडवी, खैरागढ़-यशोदा वर्मा और डोंगरगढ़-हर्षिता स्वामी बघेल ने चुनाव जीता।

बीजेपी को 46, कांग्रेस 42 फीसदी वोट मिले जोगी कांग्रेस से ज्यादा बसपा को

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद प्रदेश में सियासी दलों के मिले कुल मतों का प्रतिशत सामने आ गया है। आंकड़ों के मुताबिक 54 सीटों के साथ BJP को सबसे ज्यादा कुल 46.27% वोट मिले हैं। वहीं 35 सीटों के साथ कांग्रेस पार्टी को मिले कुल 42.23त्न वोट। तीसरे नंबर रही BSP को मिले 2.05% वोट। हालांकि बीएसपी एक भी सीट जीत नहीं पाई। वहीं प्रदेश की तीसरी ताकत माने जाने वाली जोगी कांग्रेस इस बार चौथे नंबर पर खिसक गई और उसे महज 1.23% वोट मिले। हालांकि जोगी कांग्रेस भी विधानसभा में अपना खाता तक नहीं खोल नहीं पाई। वहीं दो-दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रचार में झोंकने वाली आम आदमी पार्टी यानी,क्कको कुल 0.93% वोट ही मिल पाए। उसका भी खाता नहीं खुला।

बस्तर, सरगुजा व रायपुर बना टर्निंग प्वाइंट

शुरुआती रुझानों में जीत रही कांग्रेस कैसे अचानक हार गई?

रायपुर/नवप्रदेश। उम्मीदों के मुताबिक शुरुआती रुझान में कांग्रेस आगे चल रही थी, लेकिन बस्तर, सरगुजा और रायपुर ने इस चुनाव का पासा ही पलट दिया. कांग्रेस की इस हार में सबसे बड़ी भूमिका जशपुर, बस्तर और रायपुर की रही. 2018 के चुनाव में बस्तर और सरगुजा ने कांग्रेस का जबरदस्त साथ दिया था. इसी दम पर पार्टी 90 में से 68 सीटें जीतकर सत्ता पर काबिज हुई थी. तब बस्तर की 12 में से 11 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी. वहीं, सरगुजा की 14 में 14 सीटें कांग्रेस जीतने में कामयाब रही थी. इसके उलट इस बार इन दोनों ही संभागों के चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आए हैं. बस्तर की 12 में 8 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है. वहीं, सरगुजा की सभी 14 सीटें इस बार भाजपा ने अपनी झोली में डाल ली है. वहीं, रायपुर की 7 में से सभी 7 सीटें भाजपा ने जीत ली है.

सत्ता वापसी के लिहाज से सबसे सेफ राज्य छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने जा रही है. भाजपा ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए 54 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की है. वहीं, कांग्रेस ने अपने 71 विधायकों के आंकड़े की आधी सीट भी नहीं जीत पाई. कांग्रेस इस बार यहां मात्र 35 सीटों पर सिमट कर रह गई है. इसके अलावा, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को यहां एक सीट पर जीत मिली है. कांग्रेस की हार के साथ ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्यपालल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है.

कांग्रेस की जीत के रुझान इस तरह बदल गए हार में

रविवार की सुबह जैसे ही मतगणना शुरू हुई, तो पोस्टल बैलट की गिनती के रुझान में कांग्रेस को बढ़त मिलनी शुरू हो गई. लोगों को लगा कि एग्जिट पोल के रुझान के जैसे ही परिणाम आएंगे. लेकिन, मतगणना के दो घंटे बाद खबर आई कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन से पीछे चल रहे हैं. इसके बाद कोंटा से आबकारी मंत्री कवासी लखमा और उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के पिछड़ने की खबर आई. इसके बाद कांग्रेस की संख्या लगातार गिरने लगी और दोपहर होते-होते भाजपा के पक्ष में माहौल बदल गया. हालांकि, भूपेश बघेल और कवासी लखमा तो जीत गए, लेकिन उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव 94 मतों से हार गए.

बस्तर और सरगुजा ने उम्मीदों पर फेरा पानी

2018 के चुनाव में बस्तर और सरगुजा ने कांग्रेस का जबर्दस्त साथ दिया था. बस्तर की 12 में से 11 सीटें कांग्रेस ने जीती थी. वहीं, सरगुजा की 14 में से 14 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी. इससे उलट इस चुनाव में इन दोनों ही संभागों से भाजपा के पक्ष में नतीजे आए हैं. बस्तर की 12 में 8 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है और सरगुजा की सभी 14 सीटें भाजपा ने जीत ली है.

रायपुर जिले ने भाजपा की जीत को बनाया शानदार

बस्तर और सरगुजा में मिली जीत को रायपुर ने और बड़ी कर दी. दरअसल, राजधानी रायपुर की 7 विधानसभा सीटों में से सभी पर भाजपा ने जीत दर्ज कर ली है, जबकि 2018 के परिणाम में 7 में 6 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी. 2018 में रायपुर की एक मात्र सीट रायपुर दक्षिण से भाजपा के कद्दावर नेता बृजमोहन अग्रवाल ही जीत पाए थे।

विष्णुदेव साय का कद बढ़ा प्रबल दावेदार बनकर उभरे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में BJP के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा है कि, राज्य की जनता ने मोदीजी की गारंटी पर भरोसा किया है। जनता ने कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी को नकार दिया है। उल्लेखनीय है कि, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और प्रदेश भाजपाध्यक्ष रह चुके विष्णुदेव साय का कद इस बार एकाएक बएने लगा है। वे सीएम पद के प्रबल दावेदार माने जाने लगे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक पार्टी यदि डा. रमन सिंह का नाम फिर से सीएम पद के लिए आगे नहीं बढ़ाता है तो श्री साय का नाम डा. रमन खेमे से बतौर मुख्यमंत्री आगे बढ़ाया जा सकता है। चर्चा में मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर कहा कि, BJP का मुझ पर बड़ा एहसान है। एक गांव के कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी तक पार्टी ने सौंपा है। श्री साय ने कहा कि, BJP का राष्ट्रीय नेतृत्व मुझे जो जिम्मेदारी देगा मैं निभाऊंगा। उनहोंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में मोदीजी की गारंटी को लागू करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। अपने-अपने क्षेत्र में बड़ी जीत से उत्साहित बीजेपी के विधायक राजधानी रायपुर पहुंचने लगे हें। वे प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाउ ठाकरे परिसर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने के लिए पहुंच रहे हैं।

भूपेश बघेल का ट्वीट, लिखा-जनता की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं बड़ी हैं

चुनाव परिणाम के बाद ष्टरूभूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा है कि, जनता का जनादेश हमेशा सिर आंखों पर रहा है। आज भी परिणाम को सिर झुकाकर स्वीकार करता हूं। इस बात का संतोष है कि 5 साल में आपसे किए हर वादे को पूरा किया। वादे से ज्यादा देने का प्रयास किया और छत्तीसगढ़ महतारी की भरसक सेवा की। जनता की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं बड़ी हैं। जनता के विवेक का सम्मान करता हूं।

लोकलुभावन वादों से मिली जीत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने किसानों, महिलाओं और गरीबों से कई बड़े वादे किए थे. राज्य में भाजपा एक बार फिर सरकार बनाने की ओर अग्रसर है, ऐसे में उसके सामने इन वादों को पूरा करने की बड़ी चुनौती रहेगी. छत्तीसगढ़ में चुनाव से लगभग छह महीने पहले ही दोनों दलों ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी थी. राज्य में सत्ताधारी दल कांग्रेस को उम्मीद थी कि किसान, गरीब और आदिवासियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के कारण उनकी सत्ता बरकरार रहेगी. वहीं 2003 से 2018 तक लगातार 15 वर्ष तक सत्ता में रही भाजपा इस बार जीत के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ना चाह रही थी. राज्य में जीत के लिए दोनों दलों ने जनता से जमकर लोकलुभावन वादे किए, जिनमें कुछ मुफ्त वाली योजनाएं भी शामिल हैं. छत्तीसगढ़ में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद कांग्रेस ने घोषणा-पत्र जारी करने से पहले ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की रैलियों में बड़ी घोषणाएं करनी शुरू कर दी थी.

कांग्रेस ने जनता से क्या वादे किए?

कांग्रेस ने राज्य में किसानों का कर्ज माफ, किसानों से 20 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 32 सौ रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, महिलाओं को सालाना 15 हजार रुपए देने, सभी सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों में केजी से स्नातकोत्तर तक मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को घरेलू गैस सिलेंडर पर पांच सौ रुपए सब्सिडी, छह हजार रुपए प्रति बोरा तेंदूपत्ता खरीदी और चार हजार रुपए सालाना बोनस, भूमिहीनों को 10 हजार रुपए प्रतिमाह, गरीब वर्ग को 10 लाख रुपए तक का मुफत इलाज, दुर्घटनाओं में इलाज मुफ्त, स्वसहायता समूहों का कर्ज माफ, जाति जनगणना कराने, शहरी निकायों में सरकार की ओर से अंत्येष्टि की लकड़ी देने समेत कई वादे किए थे.

जनता से बीजेपी के वादे

भाजपा के घोषणा-पत्र में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को 10 हजार रुपए सालाना देने और 10 लाख रुपए तक स्वास्थ्य बीमा का भी वादा किया गया है. भाजपा के घोषणा-पत्र में यूपीएससी की तर्ज पर सीजीपीएससी की परीक्षा लेने, युवाओं को 50 फीसदी सब्सिडी के साथ ब्याज मुक्त ऋण देने, गरीब घर में बालिकाओं के जन्म पर एक लाख 50 हजार रुपए का आश्वासन प्रमाण-पत्र देने, गरीब परिवारों की महिलाओं को पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर, कॉलेज जाने के लिए छात्रों को मासिक यात्रा भत्ता देने और प्रदेशवासियों को अयोध्या में रामलला का दर्शन की व्यवस्था करने सहित कई अन्य लोकलुभावन वादे शामिल किए गए हैं।

बीजेपी ने घोषणापत्र को कहा मोदी की गारंटी

वर्ष 2018 में भाजपा की करारी हार का एक कारण उसका कमजोर घोषणा-पत्र भी था. इस बार के चुनाव में पार्टी ने इसे ध्यान में रखा और जनता से खूब वादे किए. पार्टी ने अपने घोषणा-पत्र को छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी नाम दिया. पार्टी ने जनता से वादा किया है कि सरकार बनने पर किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी जाएगी और किसानों को एक क्विंटल धान के लिए 31 सौ रुपए दिए जाएंगे, महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं को 12 हजार रुपए वार्षिक वित्तीय सहायता दी जाएगी. एक लाख शासकीय पदों पर भर्ती की जाएगी. भाजपा ने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास बनाने, प्रति बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण पर 5500 रुपए और अतिरिक्त संग्रहण पर 4500 रुपए तक बोनस दिए जाने का वादा किया है।

सबसे कम और सबसे ज्यादा मतों से जीतने वाले उम्मीदवार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बड़ा उलटफेर करते हुए भाजपा ने एक बार फिर से सत्ता में वापसी कर ली है. इस चुनाव में भाजपा ने दो दिग्गजों ने सबसे ज्यादा अंतर से दर्ज की जीत है. वहीं, दो ऐसे भी नेता है, जो मामूली 16 और 94 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है. छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सबसे ज्यादा 67,719 मतों से मात दी है. इस जीत के साथ अग्रवाल लगातार आठवीं बार विधायक बन गए हैं.

अग्रवाल को मिले 1,09,263 मत

इस विधानसभा चुनाव में अग्रवाल ने रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर 1,09,263 मत हासिल किए और कांग्रेस के महंत रामसुंदर दास को 67,919 मतों के अंतर से हराया. महंत को 41,544 मत मिले. माना जा रहा है कि राजधानी रायपुर में कांग्रेस के पास अग्रवाल के कद का कोई नेता नहीं है. बृजमोहन अग्रवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं.

ओपी को मिले बंपर वोट

वहीं, रायगढ़ सीट से ओपी चौधरी ने 64,443 मतों से जीत हासिल की है. चौधरी 90 सदस्यीय विधानसभा में दूसरे नेता हैं, जिन्होंने 50 हजार से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की है. राज्य में इस चुनाव में अन्य उम्मीदवारों की तुलना में भाजपा के विजय शर्मा को सबसे अधिक 1,44,257 वोट मिले हैं. शर्मा ने कवर्धा सीट पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मंत्री मोहम्मद अकबर को 39,592 वोटों के अंतर से हराया है.

महज 16 वोटों से जीते शंकर धुर्वा

कांकेर सीट पर भाजपा के आसाराम नेताम ने कांग्रेस उम्मीदवार शंकर धुर्वा के खिलाफ सबसे कम 16 वोटों के अंतर से चुनाव जीता है.

पहली बार विधायक चुने गए नेताम को कुल 67,980 वोट मिले, जबकि धुर्वा को 67,964 वोट मिले।

सिंहदेव 94 वोटों से हारे

इसके अलावा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और उपमुख्यमंत्री सिंह देव भी अंबिकापुर सीट पर भारतीय जनता पार्टी के राजेश अग्रवाल से मात्र 94 वोटों के मामूली अंतर से हार गए. सिंहदेव को 90,686 वोट मिले, जबकि अग्रवाल को 90,780 वोट मिले.

रायपुर संभाग में कांग्रेस को पड़ा उल्टा दांव 20 में से पहले 12 जीते थे, इस बार 12 हारे

भाजपा ने पिछली सीटें छीनी, 8 सीटों में 6 पर कांग्रेस कब्जा बनाए रखा

रायपुर/नवप्रदेश। विधानसभा चुनाव में रायपुर जिले की सात सीटों पर भाजपा (ब्ह्ल्क) ने क्लीन स्वीप किया। कांग्रेस रायपुर जिले की सभी सीटें हार गई। वहीं रायपुर संभाग में कांग्रेस का हर दांव उल्टा ही पड़ा। बीते चुनाव में रायपुर संभाग की 20 सीटों में से 12 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को 8 सीटें हासिल हुई थीं। इस बार आंकड़ा पलट गया। भाजपा ने 12 सीट पर जीत हासिल की, वहीं कांग्रेस ने 8 सीटों पर जीत दर्ज किया। कांग्रेस पिछले चुनाव का प्रदर्शन इस बार नहीं दोहरा पाई। पिछली बार जीती हुई 6 सीटों पर अपना कब्जा बरकरार रखा वहीं धमतरी और भाटापारा सीट भाजपा से जीत ली। पिछली बार जीती हुई 6 सीटों पर कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। धमतरी जिले में सिहावा और धमतरी में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। वहीं कुरूद सीट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर ने जीत दर्ज की है। प्रत्याशी बदलने का फायदा कांग्रेस को मिला धमतरी विधानसभा सीट से कांग्रेस ने पिछले कई चुनाव के बाद प्रत्याशी बदला है। कांग्रेस ने यहां से ओंकरा साहू को टिकट दिया था। यहां पर भाजपा ने विधायक रंजना साहू को फिर मैदान में उतारा था। रंजना अपना प्रदर्शन नहीं दोहरा पाई और चुनाव हार गई। कसडोल विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने फिर अपना कब्जा बरकरार रखा।

आरंग के मतदाताओं ने बदला विधायक

आरंग विधानसभा सीट में कांग्रेस ने इस बार मंत्री डॉ. शिव डहरिया को सतनामी समाज के गुरु खुशवंत साहेब से हार का सामना करना पड़ा। एससी वर्ग के लिए आरक्षित सीट कांग्रेस की गढ़ के रूप में जानी जाती है। यहां पर राज्य बनने के बाद कोई भी विधायक रिपीट नहीं हुआ है, इस बार भी आरंग के मतदाताओं ने विधायक बदल दिया।

रायपुर में कांग्रेस साफ

रायपुर जिले में सात विधानसभा सीट हैं इनमें रायपुर पश्चिम, रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, रायपुर ग्रामीण, धरसींवा, आरंग और अभनपुर में भाजपा ने एक तरफा जीत दर्ज की है। महासमुंद जिले की चार विधानसभा सीट में बसना और महासमुंद भाजपा के खाते में गई हैं। सरायपाली और खल्लारी में कांग्रेस अपना वर्चस्व बनाए रखा है। बलौदाबाजार जिले में 4 विधानसभा सीट हैं, पिछले चुनाव में दो सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इनमें बिलाईगढ़, कसडोल शामिल था, इस चुनाव में भी उन पर प्रत्याशी बदलने के बाद भी कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया है। भाजपा से भाटापारा सीट छीनी है। वहीं भाजपा ने यहां से बलौदाबाजार सीट पर कब्जा जमाया है।

पंकज नहीं बचा पाए पिता की सीट

रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से दो बार कांग्रेस के विधायक रहे सत्यनारायण शर्मा ने अपने पुत्र पंकज शर्मा को इस सीट पर उतारा था। यहां पर जातिगत समीकरण के कारण भाजपा के मोती लाल साहू ने 35 हजार 750 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। पंकज यह सीट बचाने में असफल रहे।

मूणत ने लिया पिछली हार का बदला

रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट पर दो परंपरागत प्रतिद्वंदी विकास उपाध्याय और राजेश मूणत के बीच कड़े मुकाबले में श्री मूणत ने अपनी पिछली हार का बदला लिया है। यहां पर मूणत ने उन्हें 36 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। मूणत ने इस बार चुनाव जीतने के लिए काफी मेहनत की।

रिकार्ड मतों से जीते बृजमोहन

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र भाजपा का गढ़ माना जाता है। यहां से बृजमोहन ने आठवां चुनाव जीता है। यहां पर हर बार उनके खिलाफ कांग्रेस नया प्रत्याशी उतारती है। दूधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास को इस बार 67851 हजार मतों से हराया, जो अब तक की रिकार्ड मतों से जीत है।

बागी ने बिगाड़ा कांग्रेस का गणित

रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप जुनेजा और भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा के बीच मुकाबला था। 30 हजार 962 वोट कुलदीप को मिले, अजीत कुकरेजा को 22 हजार 898 वोट मिले दोनों को मिलाया जाए तो 53860 होते हैं। पुरंदर को 53953 मिले। माना जा रहा है कि बागी ने कांग्रेस उम्मीदवार कुलदीप जुनेजा का गणित बिगाड़ दिया। श्री मिश्रा को 23064 मतों से जीत मिली।

धरसींवा में फिर भाजपा का कब्जा

धरसीवा विधानसभा में कांग्रेस ने अपनी महिला विधायक अनिता शर्मा का टिकट काटकर यहां से राज्यसभा की पूर्व सांसद छाया वर्मा को प्रत्याशी बनाया था। वहीं भाजपा ने छत्तीसगढ़ी फिल्म के एक्टर अनुज शर्मा को उतारा था। उन्होंने यहां पर 35 हजार मतों के अंतर से चुनाव जीता।

भाटापारा से हारे शिव

भाजपा के संगठन में काम करने वाले शिवरतन शर्मा को भाटापारा से तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने पिछले तीन चुनावों में यहां से जीत दर्ज किया पर इस बार इंद्र साव ने उन्हें चुनाव हराया।

राजिम से अमितेष फिर हारे

राजिम विधानसभा में जब-जब साहू प्रत्याशी को भाजपा टिकट देती है वहां का नतीजा उनके पक्ष में जाता है।

निगम मंडलों में इस्तीफों का दौर शुरु

नतीजों के बाद मूल विभाग में लौटाए जाने लगे कर्मचारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के नतीजे आते ही प्रशासनिक बदलाव शुरू हो गए हैं। अब तक ष्टरूकी निजी स्थापना में लगे रहे अधिकारी और कर्मचारी मूल विभाग में लौटाए जाने लगे हैं। मुख्यमंत्री के OSD रहे सूरज कश्यप, उमेश पटेल, चिन्मय वर्मा, देवेंद्र प्रधान, सुनील चतुर्वेदी और कैलाश ठाकुर मूल विभागों में लौटा दिए गए हैं। इस बाबत सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी की करारी हार और भाजपा की बड़ी जीत के बाद निगम मंडलों में नियुक्त नेताओं ने इस्तीफे देना शुरू कर दिया है। RDA के डायरेक्टर बनाए गए राजेंद्र पप्पू बंजारे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। श्री बंजारे RDA में दो साल पहले डायरेक्टर बनाए गए थे। बताया जा रहा है कि और भी कई निगम मंडलों के पदाधिकारी इस्तीफा पत्र तैयार कराने में लगे हुए हैं।

न्यूज गैलरी

नवागढ़ से दयालदास बघेल जीते

बेमेतरा/नवप्रदेश। ज़िले की विधानसभा क्षेत्र नवागढ़ की मतगणना की प्रक्रिया रविवार को देर शाम तक पूरी हुई। रात्रि में कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी पीएस एल्मा व रिटर्निंग ऑफिसर भूपेन्द्र जोशी नवागढ़ ने विधानसभा क्षेत्र नवागढ़ से नवनिर्वाचित भाजपा उम्मीदवार दयाल दास बघेल को जीत का प्रमाण पत्र सौंपते हुए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति व पुत्र अंजू बघेल सहित अन्य समर्थक व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रिटर्निंग ऑफिसर ने नवनिर्वाचित दीपेश साहू को सौंपा प्रमाण पत्र

बेमेतरा/नवप्रदेश। विधानसभा क्षेत्र बेमेतरा की मतगणना की प्रक्रिया रविवार को देर शाम तक पूरी हुई। रात्रि रिटर्निंग ऑफिसर बेमेतरा सुश्री सुरुचि सिंह बेमेतरा ने विधानसभा क्षेत्र बेमेतरा से नवनिर्वाचित भाजपा उम्मीदवार दीपेश साहू को जीत का प्रमाण पत्र सौंपते हुए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिंहा व अन्य उपस्थित थे।

साजा से ईश्वर साहू विजयी, मिला प्रमाण पत्र

बेमेतरा/नवप्रदेश। ज़िले की विधानसभा क्षेत्र साजा की मतगणना की प्रक्रिया रविवार को देर शाम तक पूरी हुई। रात्रि में कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी पीएस एल्मा व रिटर्निंग ऑफिसर साजा विश्वास राव मस्के ने विधानसभा क्षेत्र साजा से नवनिर्वाचित भाजपा उम्मीदवार ईश्वर साहू को जीत का प्रमाण पत्र सौंपते हुए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर चुनाव प्रभारी प्रदीप गाँधी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुलचंद शर्मा व अन्य कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहें।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष की सजा

बलौदाबाजार-भाटापारा/नवप्रदेश। प्रार्थिया द्वारा थाना पलारी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी द्वारा 11 जनवरी 2019 से 20.जून 2020 तक पलारी अस्पताल कंपाउंड के बाजु गली में स्थित अपने घर में आरोपी द्वारा पीड़िता को विवाह का प्रलोभन देकर, उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। पीड़िता के गर्भ ठहरने पर उससे विवाह करूंगा कहकर, पीड़िता को बिना बताए उसके पानी में गर्भपात की दवा मिलाकर उसे पिलाया तथा पीडिता के साथ लगातार शारीरिक संबंध स्थापित किया। कि रिपोर्ट पर थाना पलारी में आरोपी के विरुद्ध धारा 376, 313,506-II भादवि के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया। आरोपी पूर्व से विवाहित था, इसके बावजूद पीड़िता महिला को शादी का प्रलोभन देते हुए लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। उक्त रिपोर्ट पर थाना पलारी पुलिस द्वारा आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करते हुए उत्कृष्ट विवेचना एवं जांच कार्यवाही कर प्रकरण में विवेचना पूर्ण कर चालान कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश बलौदाबाजार ऋषि कुमार बर्मन ने प्रकरण की गंभीरता एवं साक्ष्यों के परिशीलन करने बाद आरोपी द्वारा किया गया, अपराध सिद्ध होना पाया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी रवि भूषण पिता रामलाल डंडो उम्र 32 वर्ष निवासी पलारी थाना पलारी को भादवि की धारा 376 में 10 वर्ष कारावास एवं ?5000 अर्थदंड, धारा 313 में 05 वर्ष कारावास एवं ?2500 अर्थदंड तथा धारा 506- में 02 वर्ष कारावास एवं ?1000 अर्थदंड के दंड से दंडित किया गया है तथा सभी सजाएं साथ- साथ भुगताए जाने का आदेश दिया गया है।

नांदगांव में कांग्रेस का दबदबा...4 में से 3 सीटों पर जमाया कब्जा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। राजनांदगांव की चार विधानसभा सीटों में से भाजपा केवल राजनांदगांव से जीत हासिल करने में सफल हुई। डोंगरगांव, डोंगरगढ़ और खुज्जी से कांग्रेस को मिली जीत। राजनांदगांव जिले की 3 विधानसभा सीटे राजनांदगांव, डोंरगगढ़, डोंगरगांव, खुज्जी समेत मोहला-मानपुर-अं. चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना संपन्न हुई। राजनांदगांव विधानसभा से में डा. रमन सिंह ने अपनी पिछले 3 बार के विजयी रिकार्ड को खुद तोड़ते हुए बड़ी बंफर जीत हासिल की। इस बार ऐतिहासिक जीत की बढ़त बनाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन को 45 हजार 84 वोटों से पराजित किया। वहीं डोंगरगांव के दलेश्वर साहू, डोंगरगढ़ से हर्षित स्वामी बघेल, खुज्जी से भोलाराम साहू, मोहला-मानपुर से इंद्रशाह मंडावी, खैरागढ़ से यशोदा वर्मा ने विजयी हासिल की।

रमन 45 हजार से अधिक वोटों से जीते

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत इंडियन नेशनल कांग्रेस के गिरीश देवांगन को 57 हजार 415, बहुजन समाज पार्टी के बिंदू फूले को 949, भारतीय जनता पार्टी के डॉ. रमन सिंह को 1 लाख 2 हजार 499, आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया के ढालचंद साहू को 593, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी के देबीलाल सिरमौर को 144, रिपब्लिकन पक्ष (खोरिपा) के प्रतिमा वासनिक को 104, शक्ति सेना (भारत देश) के फूलेश्वरी साहू को 79, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के मनीष देवांगन को 315, समाजवादी पार्टी के राजकुमार को 74, आजाद जनता पार्टी के विमल अग्रवाल को 82, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के वेंकट वर्मा को 70, निर्दलीय गुरप्रीत सिंह चहल को 77, निर्दलीय चन्द्रमणी वर्मा को 237, निर्दलीय दीपा लव रामटेके को 766, निर्दलीय प्रयाग साहू को 207, निर्दलीय माखन यादव को 1 हजार 39, निर्दलीय मूलचंद साहू को 522, निर्दलीय मृत्युंजय साहू को 82, निर्दलीय युसुफ भाई मनिहार को 388, निर्दलीय राकेश तिवारी को 53, निर्दलीय राकेश यादव को 23, निर्दलीय राजेन्द्र कुमार भारती को 30, निर्दलीय राहुल जैन को 39, निर्दलीय रूपेश दास मानिकपुरी को 40, निर्दलीय लोकनाथ साहू को 42, निर्दलीय विजय साहू को 77, निर्दलीय विरेन्द्र दीवान 'नांदगांव के संगवारी' को 89, निर्दलीय विशेष धमगाये 254 एवं निर्दलीय सुदेश टीकम को 179 मत प्राप्त हुए।

डोंगरगढ़ से कांग्रेस की हर्षिता ने दी शिकस्त

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़ (अनुसूचित जाति) अंतर्गत बहुजन समाज पार्टी के बहादुर कुर्रे को 2 हजार 32, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के लोकनाथ भारती को 593, भारतीय जनता पार्टी के विनोद खांडेकर को 74 हजार 778, इंडियन नेशनल कांग्रेस के श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल को 89 हजार 145, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के नारायण जगने को 1 हजार 423, आजाद जनता पार्टी के रामसाय राठौर को 379, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी के विक्की कुमार चेलक को 547, निर्दलीय नितिन कुमार भाण्डेकर को 899, निर्दलीय विनायक धमगाये को 869, निर्दलीय हेम कुमार सतनामी को 466 मत प्राप्त हुए। इनमें से कोई नहीं (नोटा) के मतों की कुल संख्या 1 हजार 679, प्रतिक्षेपित मतों की कुल संख्या 73 एवं निविदत्त मतों की कुल संख्या 3 है।

डोंगरगांव से कांग्रेस के दलेश्वर विजयी

विधानसभा 76-डोंगरगांव अंतर्गत इंडियन नेशनल कांग्रेस के दलेश्वर साहू को 81 हजार 479, भारतीय जनता पार्टी के भरत लाल वर्मा को 78 हजार 690, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के मुकेश कुमार साहू को 879, हमर राज पार्टी के छत्तर राम चन्द्रवंशी को 5 हजार 178, गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी के नरेश मोटघरे को 355, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के हिरदेराम साहू को 208, निर्दलीय मदन लाल टंडन को 155, निर्दलीय रमेश कुमार वर्मा को 204, निर्दलीय ललित कुमार मारकण्डे को 252, निर्दलीय विक्रम लहरे को 319, निर्दलीय सुमित बंजारे को 410, निर्दलीय हेमंत कुमार सिन्हा को 1 हजार 183 मत प्राप्त हुए। इनमें से कोई नहीं (नोटा) के मतों की कुल संख्या 2 हजार 258 एवं प्रतिक्षेपित मतों की कुल संख्या 64 है।

खुज्जी से भोलाराम जीते

विधानसभा क्षेत्र 77-खुज्जी अंतर्गत बहुजन समाज पार्टी के गजेन्द्र कुमार मंडावी को 1 हजार 267, भारतीय जनता पार्टी के श्रीमती गीता घासी साहू को 54 हजार 521, इंडियन नेशनल कांग्रेस के भोलाराम साहू को 80 हजार 465, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के विनोद पुराम को 1 हजार 76, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी के दीनूराम जांगडे को 395, हमर राज पार्टी के ललिता कंवर को 15 हजार 29, निर्दलीय चैनू राम जांगड़े को 1 हजार 338, निर्दलीय देवव्रत खोब्रागढ़े को 669, निर्दलीय रमशीला सोनबोइर को 1 हजार 612, निर्दलीय संदीप मेश्राम को 924 मत प्राप्त हुए।

शिकायतों और लंबित प्रकरणों पर कार्रवाई करें : एसपी

■ **एसपी भावना गुप्ता ने ली समस्त शाखा प्रभारियों की बैठक**

बेमेतरा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा श्रीमती भावना गुप्ता के द्वारा पुलिस कार्यालय के शाखा प्रभारियो की लंबित शिकायत/जांच, वारंट, बिल एवं पत्रों के संबंध में समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें कार्यालय के शाखाओं में लंबित शिकायत/जांच, लंबित स्थायी/गिरफ्तारी, संमस वारंट, लंबित मोटर वारंट, मेडिकल बिल, यात्राभत्ता, सिक, अवकाश, गैरहाजिर प्रकरण, माननीय सर्वोच्च न्यायालय से प्राप्त जवाबदावा, लंबित गुम इंसान, लंबित पेंशन एवं अन्य, निर्माण कार्यों, फर्मों से प्राप्त लंबित बिल आहरण/भुगतान करने, वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त शिकायत/पत्रों एवं शाखाओ में विभागीय पेंडिंग शिकायत जांच व पत्रों की शाखावार जानकारी ली जाकर समीक्षा कर शीघ्र निदान करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उक्त बैठक में पुलिस कार्यालय के समस्त शाख प्रभारीगण मुख्यलिपिक हरिओंम विश्वकर्मा, स्टेनो अजय कुमार देवांगन, शिकायत शाखा प्रभारी उप निरीक्षक बीएल सोरी, उप निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी, रिकार्ड लिपिक प्रदीप देशमुख, एसआरसी/स्थापना लिपिक दीपक गार्जेवाल, कंटीजेंसी लिपिक प्रवीण लोहले, वेतन लिपिक संतोष सोनवानी, फंड लिपिक महेन्द्र भुआर्य, सउनि (अ) लुमेश देवांगन, एसपी रीडर सउनि विष्णु सप्रे, डीसीबी/डीसीआरबी प्रभारी सउनि दिलिप सिंह, एएसपी रीडर प्रधान आरक्षक चंद्रशेखर राजपूत, डीएसपी (मुख्यालय) रीडर प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे, अवकाश/यात्राभत्ता/मेडिकल प्रधान आरक्षक कन्हैया शर्मा, डीएसपी रीडर आरक्षक सुरेश सिंह, आरक्षक गेल्विन साहू सहित पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

यह समस्त कार्यकर्ताओं की जीत : इंद्र साव

भाटापारा/ नवप्रदेश। क्षेत्र की जनता ने कांग्रेस पार्टी पर विश्वास व्यक्त करते हुए जो जवाबदारी उन्हें सौंपी है, उस पर वे खरा उतरने का प्रयास करेंगे। भाटापारा में मेरी नहीं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की जीत है। जिन्होंने पूरे तन मन और निष्ठा के साथ चुनाव में कार्य किया। यह बातें भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के नव निर्वाचित विधायक इंद्र साव ने कांग्रेस भवन में पत्रकारों से कही।

नवनिर्वाचित विधायक इंद्र साव ने क्षेत्र की जनता से मिले अपार स्नेह प्यार दुलार के समस्त नागरिक भाई बहनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक छोटे से कार्यकर्ता को यहां तक पहुंचाने में जो रात दिन मेहनत की है। उसके लिए सभी क्षेत्रवासी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

वे उन सभी को साथ लेकर जनता,क्षेत्र की भलाई,विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। प्रदेश में सरकार ना बन पाने दुखी है। वे अपने क्षेत्र वासियों के हक की लड़ाई में आगे रहेंगे और उनका पूरा प्रयास होगा की जनता जनार्दन ने जो विश्वास कांग्रेस पर किया है। उस पर सौ प्रतिशत खरा उतरेंगे। इसके पहले जिला कार्यालय से अपनी जीत का प्रमाण पत्र लेकर भाटापारा आगमन पर कार्यकर्ताओं ने इंद्र साव का जोरदार आतिशबाजी , फूल मालाओं के साथ जगह जगह स्वागत किया। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी प्रमोद तिवारी ने सभी उत्साही कार्यकर्ताओं की मेहनत के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बीजेपी का वोट शेयर..

फीसदी मत, 2013 में 39 सीट और 40.29 फीसदी वोट और 2018 में 68 सीट और 43 फीसदी मत मिले थे। राज्य में बसपा ने इस विधानसभा चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) के साथ गठबंधन किया था।

10 पार्टियां थी ...

(जेसीसी) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) थे। अन्य क्षेत्रीय दल जैसे गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी), हमार राज पार्टी (एचआरपी), एलजीपी, सपा, एलजीपीआरवी दल भी मैदान में थे। इसके अलावा कई निर्दलियों ने अपना भाग्य अजमाया।

नोटा को छत्तीसगढ़ ...

ज्यादा 8438 वोट नोटा को इस बार दंतेवाड़ा में मिले हैं। कुछ पार्टियों के वोट प्रतिशत का ग्राफ भी इस चुनाव में गिरा है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम अजीत जोगी की पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी के प्रत्याशियों को प्रदेश की मतदाताओं ने पसंद नहीं किया है। इस बार जेसीसी का वोट प्रतिशत भी गिरा है। पिछले विधानसभा चुनाव में जेसीसी और बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था। इसमें अकेले जेसीसी को कुल मतदान का 2 प्रतिशत वोट मिला था। इस बार ये आंकड़ा 1.23 पर सिमटकर रह गया है, जो नोटा के प्रतिशत से भी कम है।

पिछले 3 विधानसभा ...

गुंडरदेही	3555	5014	1868
जगदलपुर	3469	936	2836
जैजैपुर	2389	1527	840
जांजगीर चांप	2822	1240	698
जशपुर	4760	4317	3324
कांकेर	5208	3323	2729
कसडोल	2123	1588	831
कटघोरा	3434	2867	1462
कवर्धा	9229	949	925
केशकाल	8381	6113	4292
खैरागढ़	4643	3068	1901
खल्लारी	5931	499	2091
खरसिंया	2930	2368	1726
खुज्जी	4608	1383	1591
कोंडागांव	6773	5146	3214
कोंटा	4001	4468	3691
कोरबा	3873	1014	972
कोटा	1074	3942	3192
कुनकुरी	4114	2129	2531
कुरुद	4745	3470	2756
लैलूंगा	4857	4092	2328
लोरमी	1469	1143	814
लुण्ड्रा	5292	2626	2906
महासमुंद	3929	2085	391
मनेन्द्रगढ़	2421	2106	1308
मरवाही	7115	4501	3853
मस्तूरी	3518	3437	2333
मोहला-मानपुर	5742	4238	3354
मुंगेली	5025	3150	1252
नारायणपुर	6731	6858	5324
नवागढ़	4865	2196	1707
पाली-तानाखार	7059	5128	3546
पामगढ़	2907	1470	1192
पंडरिया	4283	5234	2086
डम्पिंग	3240	3939	640
पत्थलगांव	5533	5159	4351
प्रतापपुर	5814	5741	2612
प्रेमनगर	5731	4058	3539
रायगढ़	3882	2215	561
रायपुर शहर उत्तर	2424	705	872
रायपुर शहर दक्षिण	2126	1521	729
रायपुर शहर पश्चिम	2357	779	761
रायपुर ग्रामीण	3521	955	730
राजिम	5673	4844	2506
राजनंदगांव	2042	1501	995
रामानुजगंज	3594	4055	3501
रामपुर	5881	4609	2497
साजा	4529	5840	2749
मजबूर	2620	1057	909
सामरी	6118	6250	4981
संजारी बालोद	4102	2913	1342
सरायपाली	5410	3270	1559
सारंगढ़	3319	2342	2287
सिहावा	6063	4306	3574
सीतापुर	5996	5189	1414
तखतपुर	1557	916	1395
वैशाली नगर	2670	2724	892

महिलाएं रहीं किंगमेकर्स...

करने में सफल रही। बीजेपी ने महिलाओं को ध्यान में रखकर चुनाव से ठीक पहले कई योजनाओं की घोषणा कर दी। इसी साल मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने महिला वोटर्स पर फोकस किया था जिसका उसे सीधा लाभ मिला।

मिजोरम के मुख्यमंत्री ...

पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार लालदुहोमा ने कहा- मैं पार्टी की जीत से खुश हूं। मुझे इसी तरह के नतीजों की उम्मीद थी। अगले दो दिनों के अंदर मैं राज्यपाल से मिलूंगा। शपथ ग्रहण इसी महीने होगा।

ईश्वर साहू का निकला विजय जुलूस

साजा/नवप्रदेश। विधानसभा चुनाव परिणाम में साजा विधानसभा साजा से कांग्रेस के दिग्गज मंत्री रविंद्र चौबे को हराने वाले भाजपा उम्मीदवार ईश्वर साहू विधायक बनने के बाद आज प्रथम बार साजा आगमन हुआ, जिसका कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत करते हुए जमकर नारे लगाते हुए अतिशाबाजी किया। नगर के मां महामाया मन्दिर में पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। रैली के बाद अपने घर ग्राम बिरनपुर गए।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल प्रक्षेत्र-दुर्ग

// आम सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री इन्द्रजीत सिंह आ. श्री करतार सिंह, निवासी-सिविक सेंटर भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग में स्थित भवन क्रमांक नीलगिरी ।। डुप्लेक्स (एम.आई.जी.)- 33, खारून ग्रीन्स कुम्हारी, जिला दुर्ग (छ.ग.) में आबंटित है, आबंटी द्वारा उक्त भवन का विक्रय पत्रक उप पंजीयक कार्यालय, दुर्ग से दिनांक 29.10.2013 एवं फ्री-होल्ड दिनांक 21.07.2022 अनुसार, उक्त भवन बयनामा रजिस्ट्री दिनांक 14.08.2023 को श्रीमती रूखमणी साहू पति श्री ओमप्रकाश साहू के नाम पर विक्रय कर दिया गया है। नवीन क्रेता श्रीमती रूखमणी साहू के द्वारा आवेदन एवं पंजीकृत दस्तावेज आधार पर उक्त भवन का स्वामित्व मण्डल अभिलेख में अपने नाम पर दर्ज कराने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः नवीन क्रेता श्रीमती रूखमणी साहू के नाम पर हस्तान्तरण/नामांतरण किया जाता है, तो किसी भी व्यक्ति, वारिसान, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था बैंक, वित्तिय निकायों इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो, आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर लिखित में आपत्ति/ दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करे बाद में प्राप्त आपत्ति/ दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा, नामान्तरण की कार्यवाही करने के लिए मण्डल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक 28/11/27 2? को जारी किया गया।

सील — सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2

मामले की श्रेणी- राजस्व

संदर्भ- जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00015 करहीडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्र. आरडी202324430107300004

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00015 के अंतर्गत ग्राम करहीडीह के वर्तमान भूमिस्वामी हीरादास मानिकपुरी पिता/पति-स्व. भुवनदास मानिकपुरी पता-तितुरडीह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 236/7 (0.0150) में प्रस्तावित भूमिस्वामी /क्रेता चित्ररेखा मानिकपुरी पिता/पति-पतिस्व. हीरादास पता-म.नं. तितुरडीह दुर्ग तह व जिला दुर्ग 20 वार्डनं 22, गांधीचौक के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26/12/2023 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता /आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/12/2023 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार, नायब उपतहसील बोरी

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 4

मामले की श्रेणी- राजस्व

संदर्भ जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00004 अंजोरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्र. सीजी510621810202302 9

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00004 के अंतर्गत ग्राम अंजोरा के वर्तमान भूमिस्वामी चिमनलाल पिता/पति-करम दानी पता-ग्रामअंजोरा (ढाबा) पो.नगपुरा तह.व जिला दुर्ग, टेकराम पिता/पति-करमदानी पता-ग्राम अंजोरा (ढाबा) पो. नगपुरा तह. व जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 737/1 (0.0505) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता सुखपाल चंद्रा पिता/पति रामेश्वर चंद्रा पिता नं. 18 वार्ड शक्ति नगर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग के नाम पर नामांतरण/रिकॉर्ड दुरुस्ती/ पंजीकरण/ फौती के बाद खाता विभाजन का मामला अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में लंबित है। इस मामले की सुनवाई दिनांक 10/11/2023 को प्रातः 11 बजे न्यायालय नायब तहसीलदार, जिला न्यायालय, 4 पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्थान को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के मय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21.10.2023 को जारी किया जाात है।

सील — नायब तहसीलदार, तहसीलदार दुर्ग

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2

मामले की श्रेणी- राजस्व

संदर्भ- जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00017 सिकोला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रं. सीजी5106416082023024

ईश्तहार

तहसील दुर्ग प.ह.नं. 00017, ग्राम सिकोला, वर्तमान भूमिस्वामी अमरजीत कौर पिता स्व. राम सिंह सोहल, पता- तामेरपारा वार्ड क्रमांक-30 दुर्ग तहसील जिला दुर्ग, खसरा नंबर 180/27(0.0095) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता अमनजीत कौर पिता- गुरजंत सिंह कलेर पता -एम. नं.-46 देवपुरी गुरू अमरदास निवास देवपुरी रायपुर जिला रायपुर 09वार्ड के बाद नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन हेतु प्रकरण पंजीयन/फौती अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08/09/2023 को प्रातः 11 बजे न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग में होगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/08/2023 को जारी किया जाता है।

सील — नायब तहसीलदार, उपतहसील बोरी (तहसील धमधा)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. अ-6/2023-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सीमा मानिकपुरी पति सतीश दास मानिकपुरी निवासी ग्राम राजीव नगर दुर्ग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 735/74 रकबा 0.012 हे. भूमि को विक्रेता डा. सीमा जैन पिता/पति डा. विपिन जैन निवासी ग्राम मालवी नगर दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 19.07.2023 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 12.12.23 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28.11.23 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक 28.11.2023

सुनवाई दिनांक 12.12.2023

सील — तहसीलदार, दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पक्षकार का नाम - श्री भागीरथी वर्मा

आनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202311100400416

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि श्री भागीरथी वर्मा आ. स्व. के. एल. वर्मा निवासी रिसाली सेक्टर भिलाई जिला दुर्ग द्वारा द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन एवं पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. सं. 1959 की धारा 172/59 (2)(5) तहत् प्रस्तुत किया गया हैं। जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण चिचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न 22 तह.व जिला दुर्ग	715/7	0.020 हे. 2400 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 31.10.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी (रा.), दुर्ग, जिला-दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पक्षकार का नाम - श्रीमती कांति बाई साहू

आनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202311100400009

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती कांति बाई साहू पति श्री शिवप्रसाद साहू निवासी वार्ड नं. 57 रामनगर उरला दुर्ग जिला दुर्ग द्वारा द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन एवं पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. सं. 1959 की धारा 172/59 (2)(5) तहत् प्रस्तुत किया गया हैं। जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण चिचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
बघेरा प.ह.नं. 48 तहसील व जिला दुर्ग	178/107	0.007 हे. 720 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 03.11.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी (रा.), दुर्ग, जिला-दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार, पलारी के न्यायालय में मामला क्रमांक 202311210400001

विषय:-अ-74 मामले की श्रेणी-राजस्व सन-2023-24

बिनौरी प.ह.न. 00026 [(0)]

पक्षकारों का विवरण -

आवेदक पक्षकार - रोमनाथ वर्मा,

अनावेदक पक्षकार - छत्तीसगढ़ शासन,

ईश्तहार

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रोमनाथ पिता पंचुराम जाति कुर्मी निवासी ग्राम बिनौरी तहसील पलारी जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक की दादी देवकुंवर पतिं रामरतन वर्मा की मृत्यु दिनांक 12.06.2002को ग्राम बिनौरी में हुई है। जिसका पंजियन आवेदक द्वारा नहीं करा पाया है इसलिए आवेदक द्वारा मृत्यु दिनांक का पंजीयन किये जाने हेतु आवेदन मय अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित प्रस्तुत किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या हितबध्द पक्षकार को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो पेशी दिनांक 06.12.23 के स्वयं अथव अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियम समय अवधि के बाद प्राप्त दावा या आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जावेगी।

अतः आवेदक की दादी देवकुंवर की मृत्यु व पंजीयन के संबंध में जांच कर पंचनामा प्रतिवेदन पेशी दिनांक 06.12.23 के पूर्व इस न्यायालय अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/11/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, पलारी

न्यायालय नायब तहसीलदार अण्डा सर्किल दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क/202312101200003/ अ-21 वर्ष 2023-24

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका झम्मनबाई जौजे नंदकुमार निवासी ग्राम चंदखुरी तह व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम चंदखुरी पहन 37 रा.नि.म अण्डा तह व जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.न. 358/1 रकबा 0.619 हे बेनीराम पिता तोरनलाल के नाम पर बंदोबस्त के पूर्व दर्ज था। बंदोबस्त पश्चात नया ख.न. 311 रकबा 1.619 हें दर्ज किया गया। भूमि में सन 1988-89 में खाता विभाजन होने के पश्चात ख.न. 358/1 रकबा 0.971 नंदकुमार पिता बंनीराम तथा ख.न. 358/2 रकबा 0.648 हें दर्ज किया गया था। इसके पश्चात कालांतर में आवेदिका के नाम पर स्थित भूमि ख.न. 311/2 का रकबा 0.47 हे. त्रुटिवश कम दर्ज हो गया था। जिसका त्रुटि सुधार कर दिनांक 08.06.2022 को आवेदिका के नाम पर दर्ज भूमि ख.न. 311/2 का रकबा पुनः 0.648 हें दर्ज करने का आदेश पारित किया था। किंतु उपरोक्त भूमि को राजस्व नक्शे में अभी भी त्रुटिवश 0.47 हैं तक की भूमि ही चिन्हांकित है। आवेदिका के नाम पर दर्ज भूमि 311/2 त्रुटि सुधार पश्चात रकबा 0.648 हे. के राजस्व नक्शे पर अभी भी त्रुटिवश केवल 0.47 हैं के रकबा ही चिन्हांकित है, जबकि मौके पर आवेदिका की भूमि कब्जानुसार सही है किंतु नक्शे में कम दर्शाया जा रहा है जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदक द्वारा आवेदन श्रीमान कलेक्टर महोदय दुर्ग के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जो कि जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा / आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 18/12/2023 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकतें हैं। समयावधि समाप्त होने पर आपत्ति या दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01/12/2023 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सरोरा रोड उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे, फोन : 0771-4035602,6262188999, डाक पंजीयन क्रमांक CG/RYP/DN/ 40/2019-2021

न्यूज गैलरी

11 नग स्पोर्ट्स साइकिल, बाइक बरामद

कोरबा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री जितेन्द्र शुक्ला के दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्री भूषण एक्का एवं थाना प्रभारी कोतवाली श्री रूपक शर्मा के मार्गदर्शन व चैकी प्रभारी मानिकपुर प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में मानिकपुर पुलिस चोरी किये गए 11 नग स्पोर्ट्स साइकिल और 1 नग मोटर साइकिल को जप्त करने में सफलता प्राप्त हुई है। सुचना प्राप्त हुई कि भदरापारा बालको निवासी भूपेश साहू उर्फ राहुल साहू चोरी के साइकिल और मोटर साइकिल को बेचने के लिए मानिकपुर क्षेत्र में ग्राहक तलाश रहा है। उक्त सूचना पर आरोपी भूपेश साहू को रेलवे कॉलोनी में घेराबंदी कर पकड़ा गया और उसके बताये जगहों से 11 नग स्पोर्ट्स साइकिल और एक मोटरसाइकिल को बरामद कर कार्यवाही कि गई है।

हर्षित ने ऑल इंडिया चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

कोरबा/नवप्रदेश। एनटीपीसी कोरबा द्वारा समर्थित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी अब ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए हुए योग्य बिलासपुर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा बिलासपुर में आयोजित 22वीं राज्य सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2023 में अंतरराष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी हर्षित ठाकुर ने जीत हासिल की। पुरुष एकल का फाइनल रायपुर के रौनक चैहान और कोरबा के हर्षित ठाकुर के बीच खेला गया। हर्षित विजेता बने। हर्षित ने बैडमिंटन की दुनिया में एक असाधारण रास्ता बनाया है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उनकी कहानी लचीलेपन और दृढ़ संकल्प की है, जो हमें बाधाओं के बावजूद अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। हर्षित ठाकुर को एनटीपीसी कोरबा की नैगम सामाजिक डाइत्व्य के अंतर्गत (सीएसआर) प्रशिक्षित किया जा रहा है। एनटीपीसी कोरबा द्वारा समर्थित हर्षित ठाकुर ने हाल ही में 24 से 29 नवंबर 2023 तक चंडीगढ़ में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। हर्षित ठाकुर ने कहा, ष्मैं और मेरी टीम अब जनवरी 2024 में होने वाली ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए क्वालिफाई हो गए हैं।ष् उन्होंने कहा, ष्मैं एनटीपीसी कोरबा द्वारा दिए गए समर्थन के लिए वास्तव में आभारी और आभारी हूं।

पुलिस ने बरसाए डंडे, युवक घायल

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। युवक पर खाकी के जुल्म बरपाने का मामला सामने आया है. जहां एक युवक ने आरक्षक पर मारपीट करने का आरोप लगाया है. युवक के शरीर पर जख्म के निशान भी हैं. पीड़ित ने मामले की शिकायत एसपी से की है. एसपी ने मामले में संज्ञान लेते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है. बता दें कि, शहर के दुकानदार खिलेश्वर दास ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया है. पीड़ित ने शिकायत में बताया कि, गुरुवार की रात करीब 9 बजे तुर्की तालाब के पास पुलिस आरक्षक राठौर जबरन उसे कोतवाली थाना ले गया, जहां उसके साथ जमकर मारपीट की. इस दौरान सोने की बाली और करीब 12 हजार नगद रुपये गुम हो गए।

छात्रों का स्वास्थ्य जांच कर दिया परामर्श

मुंगेली/नवप्रदेश। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय दाबो में सीएमएचओ डॉ. देवेंद्र कुमार पैकरा के निर्देशन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. एमके राय ने बच्चों के कान, नाथ व गला की जांच की। डॉ. देवेश खंडे की निर्देशन में नेत्र सहायक अधिकारी बीएस पटेल, शंकर राम सप्रे व अमित खंडेकर ने आंख की जांच की। डॉ. कासिम कुरैशी ने दांत की जांच की। इस अवसर पर डॉ. ज्वाला प्रसाद कौशिक ने एड्स से संबंधित जानकारी दी और इसके बचाव के उपाय बताए। आयोजन को सफल बनाने में एके सोनी, पीके राय, ए पटेल, केडी साहू, मनजीत यादव, आशा, करिश्मा, आर तोमर, वी मिश्रा, ए दास आदि ने सहयोग किया।

नृत्य स्पर्धा में अक्षत को मिला कांस्य पदक

मुंगेली/नवप्रदेश। श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय नृत्य स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें मुंगेली जिला के अक्षत गुप्ता ने हिस्सा लिया और कांस्य पदक पर कब्जा किया। प्रतियोगिता में अलग-अलग देश के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यहां स्पर्धा हर साल अलग-अलग देशों में आयोजित की जाती है। बता दें कि प्रतियोगिता के पहले चरण में देश से 15 हजार प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई, इसमें से दूसरे चरण के लिए केवल 2 हजार प्रतिभागियों को चयनित किया गया। दूसरा चरण मुंबई में आयोजित किया गया। अगले चरण के लिए 200 प्रतिभागियों को चयनित किया गया। ये सभी प्रतिभागी श्रीलंका में होने वाली प्रतियोगिता में शामिल हुए। वहीं अंतिम चरण के लिए 20 प्रतिभागियों का चयन हुआ। इन 20 प्रतिभागियों मे से अक्षत गुप्ता एक थे। स्पर्धा में अक्षत ने तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। उन्हें सुधा चंद्रा व मास्टर शेरिफ ने कांस्य पदक देकर सम्मानित किया। सुधा ने अक्षत के नृत्य की का सराहना की। अक्षत ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां जया गुप्ता, मामा सुमित गुप्ता व छोटी बहन आस्था गुप्ता को दिया है। अक्षत के नृत्य के गुरु अश्मित है।

धान पासिंग के लिए ग्रेडर पर उगाही का आरोप

पेंड्रा/नवप्रदेश। मरवाही विकासखंड के धान खरीदी केंद्र ग्राम निमधा में ग्रेडर द्वारा धान पासिंग के लिए किसान से अवैध वसूली का आरोप लगा है। आरोप है कि ग्रेडर बनाए गए कृषि विस्तार अधिकारी के द्वारा धान पासिंग करने के लिए रुपए मांगा जा रहा है। हालांकि इस मामले में जीपीएम कलेक्टर ने कृषि विभाग के सहायक संचालक को जांच का आदेश दिए है, लेकिन इन दिनों ग्रेडिंग और सत्यापन के नाम पर जिले में किसानों से हो रही अवैध वसूली से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। खरीदी केंद्रों में धान की फसल को बेचने के लिए किसानों को आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। कठिन परिश्रम से उपजाए धान को बेचने किसान को धान खरीदी केंद्रों में तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सत्यापन के नाम पर भी किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। इससे किसानों में प्रशासन के विरूद्ध नाराजगी भी बढ़ते जा रही है। सत्यापन के नाम पर भी किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

मोहले शुरूआत में पिछड़े फिर बनाई बढ़त और जीते

मुंगेली/नवप्रदेश। विधानसभा चुनाव में मतदान पश्चात जिले के दो विधानसभा मुंगेली एवं लोरमी के प्रत्याशियों को प्राप्त मतों की मतगणना की गई। मतगणना में मुंगेली विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले अपने निकटतम कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी से सातवें राउण्ड से बढ़त हासिल करते हुये अंतिम तक 85 हजार 429 मत प्राप्त किये। वही कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी 73 हजार 648 मत प्राप्त किये। भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले 11 हजार 781 मतों से विजयी रहे। लोरमी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के थानेश्वर साहू से शुरू से बढ़त बनाते हुये 75 हजार 70 मत प्राप्त हुये। वही कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू को 29 हजार 179 मत प्राप्त हुये। भाजपा प्रत्याशी अरूण साव 45 हजार 891 मतों से विजयी रहे। मतगणना स्थल के बाहर सुबह 6 बजे से लेकर देर रात्रि तक समर्थकों एवं नागरिकों की भीड़ लगी हुई है। मुंगेली विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी को जहां शुरू में 6वें राउण्ड तक बढ़त मिला। भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले 7वें राउण्ड से बढ़त बनाते हुये 20वें राउण्ड अंतिम तक 85 हजार 429 मत प्राप्त किये। वही कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी 73 हजार 648 मत प्राप्त किये। भाजपा प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले 11 हजार 781 मतों से विजयी रहे। लोरमी विधानसभा में भी मुकाबला दिलचस्प रहा। भाजपा प्रत्याशी अरूण साव शुरू से लेकर 19वें राउण्ड तक बढ़त बनाते हुये 75 हजार 70 मत प्राप्त हुये। वही कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू को 29 हजार 179 मत प्राप्त हुये। भाजपा प्रत्याशी अरूण साव 45 हजार 891 मतों से विजयी रहे। मतगणना के दौरान जहां लोरमी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी अरूण साव सुबह मतगणना स्थल में पहुंचकर कार्यकर्ताओं से जानकारी लेने के बाद रायपुर निकल गये थे। मतगणना की जानकारी एवं बढ़त की जानकारी मिलने पर प्रमाण पत्र लेने के लिये अरूण साव मतगणना स्थल पर पहुंचें।

डॉ चरण दास महंत 12,395 मतों से जीते

सक्ती/नवप्रदेश। रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 35 सक्ती पंकज डाहिरे से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 35-सक्ती से चरण दास महंत को 81,519 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः डॉ. खिलावन साहू को 69,124, भैया जितेंद्र चौहान को 3,464, अनुभव तिवारी (अन्नू भैया) को 2752, राजकुमार पटेल को 672, धरम लाल कंवर को 616, मोतीराम साहू को 491, राजेंद्र साहू को 374, घनश्याम सिंह सिदार को 289, भीम कुमार पटेल को 270, कमला बरेठ को 234, खिलावन साहू को 212, जुगल किशोर भारती को 189, फागुलाल जयसवाल को 103 मत प्राप्त हुए। साथ ही इनमें से कोई नहीं (नोटा) के 909 वोट पड़े। इस तरहचरण दास महंत 12,395 मतों से विजयी हुए।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 36 चंद्रपुर सुश्री दिव्या अग्रवाल से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 36-चंद्रपुर से श्री रामकुमार यादव को 85525 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः श्रीमती संयोगिता युद्धबीर सिंह जूदेव को 69549, लालसाय खूंटे को 16898,गणेश राम चालाक को 680, सौरालाल भगत को 654, हिन्देश कुमार यादव को 647, अजीत कुमार को 599, कन्हैया लाल साहू को 499, हीरासिंह कुर्रे को 350 मत प्राप्त हुए। साथ ही इनमें से कोई नहीं (नोटा) के 1028 वोट पड़े। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 37 जैजैपुर अरूण कुमार सोम से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 37-जैजैपुर से बालेश्वर साहू को 76747 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः कृष्णकांत चंद्रा को 50825, केशव प्रसाद चन्द्रा को 26877, ओमप्रकाश बंजारे को 10405, टेकचंद चन्द्रा को 3330, दुर्गा लाल केंवट को 1852, आलोक कुमार सोनवानी को 717, श्रीमती नीतू कुर्रे को 526, हिन्देश कुमार यादव को 480, मनोज कुमार बंजारे को 349, सर्वेश कुमार गुप्ता को 338, रामपाल कश्यप को 325, भोज राम खूंटे को 259, उर्मिला खूंटे को 209, सनिव कुमार डहरे को 195 मत प्राप्त हुए।

हाथियों के डर से आठ घंटे जंगल के बीच झाड़ियों में दुबका रहा ग्रामीण

कोरबा/नवप्रदेश। कटघोरा वन मंडल के ग्राम गुरसियां में धान मिसाई कर शाम छह बजे घर वापस लौट चार ग्रामीणों का सामना 18 हाथियों के साथ हो गया। चारों डर के मारे भागने लगे। तीन ग्रामीण घर वापस लौट गए लेकिन एक ने जंगल के बीच झाड़ियों में शरण ले ली। आठ घंटे तक वह झाड़ियों में दुबका रहा। हाथियों को जगह से खदेड़ने के बाद वन कर्मियों ने रेस्क्यू कर ग्रामीण को बाहर निकाला।

जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। खेतों में धान कटाई के बाद खलिहानों में रखे धान के आसपास मंडराने लगे है। गुरसियां निवासी प्यारे सिंह ने धान मिसाई के लिए करमन सिंह बांधापारा, राजकुमार गुरसियां, चंद्रभान और सरमिहा बिंझावार सेंद्रीमुड़ा को अपने घर बुलाया था। सुबह से शाम तक धान मिसाई का चलता रहा। काम पूरा होने के बाद चारों मजदूर घर वापस लौट रहे थे। वे सभी उमेंद सिंह के खेत के पास पहंचे ही थे कि 18 हाथी सामने से आते दिखाई दिए।

हाथियों के दल को अचानक सामने पाकर चारों सिर पर पांव रखकर भागने लगे। करमन,राजकुमार व चंद्रभान ग्राम सेंद्रीमुड़ा की ओर भागे। वहीं सरमिहा बिंझवार 65 वर्ष जंगल की ओर भागा और झाड़ियों के बीच दुबक गया। देर रात तक सरमिहा के वापस नहीं लौटने पर उसके घर में कोहराम मच गया। लोगों को शंका होने लगी कि कहीं सरमिहा हाथी के चुंगल में तो नहीं फंस गया। मामले की सूचना ग्रामीणों ने वनपाल गुरबारी बाई को दी। उन्होने इसकी सूचना अपने साथी वन कर्मियों को दी। टीम के साथ पहुंचे वन कर्मियों ने पहले हाथियों दूसरी ओर खदेड़ा।

कर्मियों ने सरमिहा के नाम से आवाज देना शुरू किया। उधर सरमिहा ने भी खुद को झाड़ी में छपे होने की सूचना दी। देर रात तक झाड़ी में छुपे सरमिहा का स्वास्थ्य ठंड की वजह से बिगड़ गई थी। वह चलने में असमर्थ था। वन कर्मियों उसे कांधे पर उठाकर वापस बस्ती लाए और स्थानीय अस्पताल में इजाज कराया। तब कहीं लोगों ने राहत की सांस ली।

विद्युत प्लांट में घुसे दो जंगली सूअर

कोरबा/नवप्रदेश। बांगो परियोजना माचाडोली जल विद्युत प्लांट परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों में सुबह तब हड़कंप मच गया जब दो जंगली सूअर भटक कर परिसर में घुस गए। बाहर निकलने का मार्ग नहीं पाने के कारण दोनों वन्य जीव इधर उधर भागने लगे। इसकी सूचना वन अमले को दी गई। विभागीय टीम ने रेस्क्यू कर सूअरों को जंगल की ओर खदेड़ा। वन्य जीवों के जंगल में भटककर रहवासी क्षेत्र में आने की घटना आए दिन घटित होते रहती है। इस कड़ी में में कटघोरा वन मंडल के एतमानगर रेंज के ग्राम माचाडोली विद्युत प्लांट में दो जंगली सूअर घुस गए। दरअसल प्लांट का परिसर सघन पेड़ों से भरा पड़ा है। आसपास गांवों के लोगों ने मूंगफली और शकरकंद की खेती की हैं। जमीन के भीतर लगे फसल को चट करने में सूअर माहिर होते हैं। माना जा रहा है कि रात के समय भूख मिटाने के लिए खेत पहुंचे थे और वापसी के समय भटक कर प्लांट के भीतर चले गए। प्लांट के अंदर सूअर आने की जानकारी के बाद भय के कारण सभी सुरक्षा कर्मी कमरों में छुप गए। घटना की सूचना मिलते ही डीएफओ कुमार निशांत ने वन कर्मियों को माचाडोली प्लांट भेजा।

आगामी वित्तीय वर्ष में छग में 6,300 मेगावाट तक बढ़ेगी बिजली की खपत

कोरबा/नवप्रदेश। केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने आगामी वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ में बिजली की खपत 6,300 मेगावाट तक पहुंचने का पूर्वानुमान लगाया है। तीन साल में पीक अवधि के दौरान बिजली की मांग में 958 मेगावाट की वृद्धि हुई है, यानी इस अवधि में करीब 19 प्रतिशत बिजली की मांग राज्य में बढ़ी है। घरेलू मांग के अलावा बिजली की खपत उद्योगों और खेती-किसानी में है।

अधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य में चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर के बीच पीक अवर्स (शाम छह से रात नौ बजे तक) में बिजली की औसतन मांग 5,836 मेगावाट रही। जबकि वर्ष 2022-23 की समान अवधि में मांग 5,339 मेगावाट रही। इसके पहले वर्ष 2021- 22 में औसतन मांग 4,878 मेगावाट दर्ज की गई थी। छत्तीसगढ़ राज्य की जनसंख्या लगभग तीन करोड़ है। बीते तीन वर्ष के आंकड़े बता रहे हैं कि अधिकतम मांग अवधि यानी पीक पीरियड के दौरान विद्युत की खपत तेजी से बढ़ रही है। राज्य में बिजली की बढ़ती मांग की सबसे बड़ी वजह औद्योगिक और खेती की प्रगति है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के संयंत्रों से 2,980 मेगावाट बिजली पैदा होती है। राज्य को जरूरत की शेष बिजली केंद्रीय कोटे से मिलती है। आवश्यकता पड़ने पर बिजली सेंट्रल पूल से ओवरड्राल भी की जाती है। कंपनी को बिजली उत्पादन बढ़ाना होगा, नहीं तो अन्य राज्यों की बिजली पर निर्भरता बढ़ती जाएगी। राज्य सरकार ने पांच अलग- अलग जिलों में लगभग 7,700 मेगावाट पन बिजली बनाने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर लिया है। इसके अलावा 1320 मेगावाट थर्मल पावर प्रोजेक्ट कोरबा पश्चिम में शिलान्यास भी किया जा चुका है।

जैन समाज ने नगर में निकाली कलश यात्रा

गौरेला/नवप्रदेश। नगर में गौरेला जैन समाज के सदस्यों ने जैन मंदिर में वेदियों का पुनर्निर्माण कर नया स्वरूप प्रदान किया। नए तीनों वेदियों का प्रतिष्ठा समारोह 2 से 5 दिसंबर तक श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित किया जाएगा। वेदी प्रतिष्ठा समारोह की शुरुआत मंगल कलश शोभायात्रा के साथ हुई। इसका नगरवासियों ने जगह-जगह स्वागत किया। शोभायात्रा की शुरुआत में दमोह नगर के बाल ब्रह्मचारी मयंक ने कलश व सिर पर कलश धारण करने वाली महिलाओं का मंत्रोच्चार और पुष्प क्षेपण कर शुद्धिकरण किया। शोभायात्रा जैन मंदिर शुरू हुई और यहां अग्रसेन चौक, गांधी चौक, मंगली बाजार, रेस्टहाउस मार्ग, स्टेशन मार्ग से होते हुए वापस जैन मंदिर पहुंची। यहां यात्रा का समापन हुआ। आयोजन को सफल बनाने में उत्तम चंद, अमित जैन, सपनिल जैन, सुधीर जैन, गौरव जैन, वेदचन्द जैन, किशोर जैन, विमल जैन, अजीत जैन, सुमेर चंद जैन, अनिल जैन, संजय सिंघई, संदीप सिंघई, संजय जैन, सुकांत जैन, ललित जैन, सुबोध जैन, सचिन जैन, सोनल जैन, रमेश जैन, राजेश आदि ने सहयोग किया।

अक्षत कलश का श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

पेण्ड्रा/नवप्रदेश। विश्व हिंदू परिषदए बजरंग दलए गायत्री परिवार डिवाइन ग्रुप दिया व अमरपुर के ग्रामीण व विभिन्न धार्मिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने गायत्री महायज्ञ स्थल अमरपुर देवी चौरा में अयोध्या से आए अक्षत शक्ति कलश का स्वागत किया। बता दें कि 22 जनवरी राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा गृह संपर्क अभियान के तहत यह शक्ति कलश यात्रा का आगमन पेण्ड्रा नगर में हुआ।

यह शक्ति कलश 34 जिलों में भ्रमण कराया जा रहा हैए इसमें गांव.गांव तक राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा का संदेश शक्ति कलश के माध्यम से पहुंचाया जा सके। 22 जनवरी को सभी भक्त अपने घरों में दीपदान कर इस ऐतिहासिक कार्य में भागीदारी कर सकें। इसके लिए वृहद स्तर पर जिले में प्रचार.प्रसार भी किया जा रहा है। इसमें जीपीएम जिला विहिप अध्यक्ष हर्ष छाबरियाए बजरंग दल जिला संयोजक सागर पटेलए विहिप जिला उपाध्यक्षए मातृ शक्ति जिला संयोजिका प्रीति त्रिवेदीए मीनू पांडेय प्रांत विस्तारक दिया छत्तीसगढ़ ओमप्रकाश बलभद्र व पूरी टीम कार्य में लगी हुई है।

स्वामी कृष्ण प्रपन्नाचार्य कामता महाराज के द्वारा सभी को 22 जनवरी को दीपदान करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि राम के आदर्शों को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। विश्व को राम मय करने का हम सभी संकल्प लें।

अमरपुर पेण्ड्रा में स्वागत के इस अवसर पर ढोलए बैंड बाजे के साथ शक्ति कलश का स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरिप्रसाद पटेलए मथुरा सोनीए रामजी श्रीवासए संतोषी साहूए कंचनए नवीन विश्वकर्माए पूजा पवारए आकांक्षा साहूए वैशाली पांडेयए प्रकाश साहूए विनय पांडेयए देवांश तिवारीए आशीष पांडेयए विमल मिश्राए रूपेश साहूए अंकित साहूए दक्ष यादव आदि मौजूद रहे।

महोत्सव | चातुमार्सार्थ साध्वीत्रय कनकप्रभा श्री का मुंगेली से बकेला तीर्थ की ओर प्रस्थान

जैन मंदिर में तीन दिवसीय महोत्सव के साथ प्रतिमा की प्रतिष्ठा

मुंगेली/नवप्रदेश। विगत दिनों स्थानीय जैन मंदिर में तीन दिवसीय महोत्सव के साथ सीमंधर स्वामी प्रतिमा की विधिवत प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। विविध आयोजन में शामिल होने अनेक स्थानों से श्रद्धालुओं का हुआ आगमन। चातुमार्सार्थ विराजित साध्वीत्रय कनकप्रभा श्री जी का मुंगेली से बकेला तीर्थ की ओर प्रस्थान हुआ।

स्थानीय सुमतिनाथ जैन ष्वेताम्बर मंदिर में तीर्थंकर श्री सीमंधर स्वामी की प्रतिमा की विधिवत प्रतिश्ठा साध्वी श्री कनकप्रभाश्री जी की निश्रा में सम्पन्न हुई। आयोजन के प्रथम दिवस मंदिर से षोभायात्रा प्रारंभ हुई जो कि पंडरिया मार्ग स्थित अजयकुमार रविकुमार चोपड़ा परिवार के निवास स्थान पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। जहां सामूहिक रुप से सिद्धाचल तीर्थ दर्षन व महाविदेह में सीमंधर स्वामी की भावयात्रा का आयोजन हुआ। इसके पूर्व षोभायात्रा के पहुंचने पर चोपड़ा परिवार ने गुरुवर्या श्री का अभिनंदन किया। इसी दिवस मंदिर में प्रातः कुंभ स्थापना, दीप स्थापन एवं जवारारोपण कार्यक्रम हुआ। अपरान्ह नवग्रह पूजन, दस दिकपाल पूजन एवं अश्ट मंगल की स्थापना पूजन हुआ। जिसका मार्गदर्षन कुशल विधिकारक राजू भाई षाह मलकापुर महाराश्ट्र के मार्गदर्षन में सम्पन्न हुआ। द्वितीय दिवस प्रातः षोभायात्रा पंडरिया मार्ग से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए जैन मंदिर पहुंची। रथ में विराजित भगवान के साथ साध्वी मंडल व बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन की उपस्थिति रही। अपरान्ह मंदिर में स्थापित विभिन्न प्रतिमाओं के अठारह अभिशेक हुए। तृतीय दिवस प्रातः 8 बजे मंदिर में श्रद्धालु एकत्र हुए एवं विभिन्न पूजाओं के साथ प्रतिश्ठा की क्रिया प्रारंभ हुई। षुभ मुहुर्त में गुरुवर्या श्री कनकप्रभा श्री जी ठाणा 3 एवं विधिकारक राजूभाई षाह मलकापुर के मार्गदर्षन में लाभार्थी अजयकुमार रविकुमार मनीशकुमार चोपड़ा परिवार ने परमात्मा सीमंधर स्वामी की प्रतिमा की विधिवत प्रतिश्ठा उपस्थित विषाल जनसमूह द्वारा जयघोश के साथ सम्पन्न की । इस अवसर पर चोपड़ा परिवार ने बताया कि अपने माता-पिता स्व. गेंदमलजी माडूदेवी चोपड़ा की स्मृति एवं श्रीमती कांतिदेवी चोपड़ा के वर्शीतप के अनुमोदनार्थ उन्होंने इस प्रतिश्ठा का लाभ श्रीसंघ से प्राप्त किया।

श्रीसंघ ने इस अवसर पर लाभार्थी परिवारों एवं विधिकारक का सम्मान किया। अपरान्ह श्रीसंघ के विभिन्न सदस्यों द्वारा मंदिर में लघु षांति महापूजन का आयोजन किया गया। महोत्सव के तीनों दिवस स्वधर्मी वात्सल्य एवं रात्रिकालीन परमात्म भक्ति का आयोजन रहा। कार्यक्रम में षामिल होने अन्यत्र स्थानो से श्रद्धालुगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में समाज के वरिश्ठजन, युवा वर्ग, महिलावर्ग का उत्साहपूर्ण सहयोग रहा। सुमतिनाथ जैन ष्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी कांतिलाल लोढ़ा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। चातुर्मास की पूर्णता पर विगत दिवस कृतज्ञता ज्ञापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सभी लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए चातुर्मास में सानिध्यता प्रदान करने के लिए गुरुवर्यात्रय साध्वी कनकप्रभा श्रीजी, समत्वबोधिश्रीजी एवं सुबोधिश्री के प्रति कृतज्ञता के भाव व्यक्त किए।

■ न्यूज गैलरी

अखंड ब्राम्हण महिला समाज की लक्ष्मी पांडेय सचिव

भाटापारा/नवप्रदेश। अखंड ब्राम्हण समाज सेवा समिति नारी प्रकोष्ठ की मानस भवन में हुई बैठक में जहां आगामी कार्यक्रम पर चर्चा हुई। वही भाटापारा ईकाई के लिए स्वर्णलता त्रिवेदी को अध्यक्ष एवम लक्ष्मी

पांडेय को सचिव पद की जवाबदारी के साथ अन्य पदाधिकारियों को मनोनित किया गया। प्रदेश महासचिव नारी प्रकोष्ठ उषा मिश्रा की अनुशंसा तथा प्रदेश अध्यक्ष चित्रा तिवारी के अनुमोदन के पश्चात अखंड ब्राह्मण महिला समाज संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई जिसके तहत स्वर्णलता त्रिवेदी अध्यक्ष वंदनागोपाल शैली उपाध्यक्ष लक्ष्मी पाण्डेय सचिव मीता शर्मा सहसचिव, सीमा तिवारी कोषाध्यक्ष, राखी शर्मा उपकोषाध्यक्ष,सरोज तिवारी सांस्कृतिक प्रभारी,मार्गदर्शिका सीमा शर्मा अंजू भृगु, संरक्षिका उषा किरण तिवारी ,निशा नरेन्द्र शर्मा, मणी शर्मा,सुषमा मिश्रा, आशा बाजपेयी,तथा मीडिया प्रभारी सरिता मुकेश शर्मा एवं ममता दीवान को सर्वसम्मति से मनोनीत किये गये। बैठक मे वर्तमान पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या मे समाज की महिलाए उपस्थित रही। सभी के द्वारा नवीन पदाधिकारियों का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया एवं बधाई दी गयी, बैठक मे प्रमुख रुप से चन्द्रकिरण शर्मा,आशा शर्मा,मंजू शर्मा,भावना शुक्ला,अरुणा शुक्ला,खगेश शर्मा, रीतू तिवारी,संगीता तिवारी, निशा आनंद शर्मा,राखी शर्मा, अनिता द्विवेदी, रेणु त्रिवेदी, श्वेता मिश्रा,सरोज तिवारी, मालती त्रिपाठी,किरण तिवारी आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

शिशु मंदिर में मातृ गोष्ठी का आयोजन

भाटापारा/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर में मातृगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी मुख्य अतिथि मधु तिवारी विशिष्ट अतिथि लता मानिकपुरी तथा विद्यालय के वरिष्ट दीदी सुमन मिश्रा दीदी थी। कार्यक्रम

का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया तथा उदय के भैया - बहिनों के द्वारा सरस्वती वंदना किया गया। वैशाली तिवारी दीदी के द्वारा अतिथियों का परिचय कराया गया उसके पश्चात बारह शैक्षणिक व्यवस्था के अंतर्गत क्रिया आधारित शिक्षा देकर बच्चों को सुसंस्कारित व निष्ठावान कैसे बनाया जाता है इस विषय पर रतना दीक्षित दीदी ने अपने विचार प्रकट किये। भैया- बहिनों के सर्वांगीण विकास पर वैशाली तिवारी दीदी के द्वारा प्रकाश डाला गया। सपना श्रीवास दीदी ने भाषा विकास विषय पर भैया - बहिनों को कैसे पढ़ाया जाय इस पर माताओं का मार्ग दर्शन किया। अंत में आभार प्रदर्शन सुमन दीदी के द्वारा किया गया । मातृगोष्ठी में काफी संख्या में माताओं की उपस्थिति रही।भैया- बहिनों के द्वारा विभिन्न क्रियाकलाप कराया गया इस कार्यक्रम का सफल संचालन कंचन पटेल दीदी ने किया ।उक्त जानकारी विद्यालय के प्रचार-प्रसार प्रमुख राम कुमार राठौर आचार्य ने दी।

नाबालिग को भगा ले जाकर दुष्कर्म, गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। नाबालिग को बहला कर लेजाने की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई थी। इस पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ 363 भादवि का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। प्रार्थी थाना नांदघाट हाजिर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी बेटी नातिन उम्र करीबन 17 साल को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा इसके संरक्षण से बिना सहमति के नाबालिग होना जानते हुए बहला फुसलाकर भगाकर ले गया हैं की रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में अपराध सदर धारा 363 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। उनके मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी नांदघाट एवं थाना स्टाफ को गुम/अपहृता (बालिका) का पतातलाश कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान थाना नांदघाट एवं बेमेतरा सायबर सेल टीम की मदद से नाबालिग बच्ची गुम/अपहृता (बालिका) को आरोपी मुकेश अहिरवार के कब्जे से खरई नई तहसील (मध्यप्रदेश) से लाकर दस्तयाब कर बरामद किया गया हैं।

आरोपी मुकेश अहिरवार द्वारा पीडिता को नाबालिक होना जानते हुए भी शादी का प्रलोभन देकर बहला फुसलाकर भगाकर जबरदस्ती दुष्कर्म किया। थाना नवागांव जिला छतरपुर (मध्यप्रदेश) क्षेत्रांतर्गत रहने वाला आरोपी मुकेश अहिरवार पिता छुट्टन अहिरवार उम्र 20 वर्ष के विरुद्ध धारा 366 क, 376, 376 (2) एन भादवि एवं 4, 5(ठ), 6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही कर आज 4 दिसंबर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया।

पंडरिया से 'भावना' और कवर्धा से 'विजय' जीते

कवर्धा/नवप्रदेश। पंडरिया और कवर्धा के विधानसभा की मतगणना के बाद रिटर्निंग अधिकारियों ने घोषित किया। इसमें पंडरिया की प्रत्याशी श्रीमती भावना बोहरा (भारतीय जनता पार्टी) और विधानसभा क्षेत्र 72 कवर्धा के प्रत्याशी विजय शर्मा (भारतीय जनता पार्टी) निर्वाचित हुए। मतगणना के बाद दोनों को रिटर्निंग अधिकारी ने निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे मंच पर उपस्थित थे। पंडरिया से भावना बोहरा को कुल 1 लाख 20 हजार 847 मत मिले और उनके निकटम कांग्रेस प्रत्याशी नीलू चंद्रवंशी को 94 हजार 449 मत मिले। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र 72 कवर्धा के प्रत्याशी विजय शर्मा को 1 लाख 44 हजार 257 मत मिले और उनके निकटम कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद अकबर को 1 लाख 4

हजार 665 मत मिले। पंडरिया के रिटर्निंग अधिकारी संदीप ठाकुर ने बताया कि चमेली कुर्रे (आम आदमी पार्टी) को 1651 मत, चैतराम राज (बहुजन समाज पार्टी) को 6214 मत, भाई रवि चंद्रवंषी (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे.) को 4783 मत, कमल बांधे (अधिवक्ता) (राष्ट्रीय जनसभा पार्टी) को 502 मत, परदेषी राम जांगड़े (प्रबुद्ध रिपब्लिक पार्टी) को 276 मत, संदीप तिवारी राज (भारतीय सर्व हिताय समाज पार्टी) को 346 मत, अलिन्द कुमार साहू (निर्दलीय) को 337 मत, ओमकार साहू (निर्दलीय) को 451 मत, रेखा साहू (निर्दलीय) को 1001 मत, सच्चिदानंद कौषिक (निर्दलीय) को 2414 मत, सत्यप्रकाष बौद्ध (निर्दलीय) को 2053 मत और हरेन्द्र कुमार डाहिरे (निर्दलीय) को 1054 मत मिले। इस प्रकार डाले गए विधि मान्य मतों की कुल संख्या 02 लाख 36 हजार 378 मत, नोटा 2167 मत, प्रतिक्षेपित मतों की संख्या 202 निविदत्त मतो की कुल संख्या 8 मत है।

विधानसभा क्षेत्र 72 कवर्धा के रिटर्निंग अधिकारी पी.सी. कोरी ने बताया कि अकबर भाई (बहुजन समाज पार्टी) को 1556 मत, खड्गराज सिंह (आम आदमी पार्टी) को 6334 मत, सुनील केषरवानी (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे.) को 2119 मत, परसादी लाल कुम्हरे (गोड़वाना गणतंत्र पार्टी) को 2200 मत, अजय पाली (निर्दलीय) को 319 मत, पुष्पलता जोशी (निर्दलीय) को 213 मत, प्रकाष लहरे (निर्दलीय) को 237 मत, बिंदेष्वरी चंद्रिका (निर्दलीय) को 407 मत, बृजलाल देवांगन (निर्दलीय) को 598 मत, रामजी मेरावी (निर्दलीय) को 784 मत, राम लोचन (निर्दलीय) को 1772 मत, लक्ष्मी सत्यवंषी को 905 मत, लाखन सिंह(निर्दलीय) को 1700 मत और षिवनाथ निषाद को 2056 मत मिले। इस प्रकार डाले गए विधि मान्य मतों की कुल संख्या 2 लाख 70 हजार 122 मत, नोटा 925 मत, प्रतिक्षेपित मतों की संख्या 463, निविदत्त मतों की कुल संख्या 23 मत है।

कांग्रेस की अप्रत्याशित हार हुई: सिंहदेव

- **कांग्रेस को 2018 में जितना मिला अभी भी उतना ही है**
- **भाजपा का वोट प्रतिशत 32 से 46 हुआ**

अंबिकापुर/नवप्रदेश। हार के बाद कांग्रेस में हाहाकार मचा है. बीजेपी जश्न और नई सरकार की तैयारियों में डूबी है. कांग्रेस के नेता हार पर मंथन और चिंतन की बात कहकर अपना मान शांत कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम रहे टीएस सिंहदेव ने कहा कि हार तो अप्रत्याशित हुई है, भरोसा नहीं हो रहा कि हम हार गए हैं. सिंहदेव ने कहा कि हम जरूर मीडिया और जनता में ये कह रहे थे कि इस बार 75 पार, लेकिन हकीकत में जितनी सीटें बीजेपी को आई उतनी सीटें हम जीतने की सोच रहे थे। हार को

भांप नहीं पाए सिंहदेव ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ में बेहतर चुनावी लड़ाई लड़ रहे थे. किन वजहों से पार्टी और मेरी हार हुई ये चिंता की बात है।

पार्टी आलाकमान और हम जब मिलकर बैठेंगे तो ये विचार करेंगे कि आखिर हार क्यों हुई. भविष्य में पार्टी को फिर से मजबूत बनाना है इसके लिए हार पर मंथन जरूरी है. सिंहेदव ने कहा कि जितनी वोट प्रतिशत हमें मिले उसी के आस पार वोट प्रतिशत 2018 में भी मिले थे. बीजेपी को पिछली बार 32 फीसदी वोट मिले थे, इस बार बीजेपी को 46 फीसदी मिले हैं. सिंहदेव ने कहा कि इतनी बड़ी जीत तभी मिली जब बीजेपी को 10 फीसदी वोट ज्यादा मिले।

गरीबों की लडाई लड़ते रहेंगे सिंहदेव ने कहा कि कांग्रेस चुनाव जरूर हार गई है, पर कांग्रेस का भरोसा नहीं हारा है. हम फिर से मेहनत करेंगे और अगली बार दोबारा सत्ता में आएंगे. सिंहदेव ने साफ किया कि जनता ने ही हमें सत्ता दी जनता ने ही हमें गद्दी से उतारा. हम जनता के लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे, काम करते रहेंगे. सिंहदेव ने मध्यप्रदेश के नतीजों को लेकर कहा कि मध्यप्रदेश के नतीजे गले से नीचे उतरने वाले नहीं हैं. पार्टी को इसपर भी मंथन करना चाहिए, हार पर जल्द पार्टी चिंतन के लिए बैठेगी।

एडवांस्ड हेयर स्टाइल का मिला प्रशिक्षण

भाटापारा/नवप्रदेश। नई उड़ान फाऊंडेशन एंड शिफा मेकओवर के नेतृत्व में वनडे का एडवांस मेकअप और एडवांस्ड हेयर स्टाइल वन डे लुक एंड लर्न का प्रशिक्षण रायपुर में कराया गया। जिसे सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट ऋषिका राठौर के द्वारा दिया गया और एडवांस्ड हेयर स्टाइल का प्रशिक्षण हेयर स्टाइल आर्टिस्ट प्रेमा सांडे के द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण में जिले से बाहर की भी ब्यूटीशियनों ने चढ़ बढ़कर के हिस्सा लिया।

इस सेमिनार को ऑर्गेनाइज नई उड़ान फाउंडेशन की मेंबर आयशा फातिमा शिफा मेकओवर भाटापारा के द्वारा किया गया जिसमें इन्होंने खूब हिम्मत और मेहनत से इस सेमिनार को सक्सेसफुल बनाया।

जिसमें डेढ़ सौ से ज्यादा ब्यूटीशियनों ने अलग-अलग जगह से पार्टिसिपेट किया और आने वाले समय के लिए एडवांस तकनीक से मेकअप और हेयर स्टाइल का प्रशिक्षण लिया ताकि वह और बेहतरीन और अच्छे तरीके से अपने काम को आगे बढ़ा के अच्छे से अर्निंग और आगे बढ़ सके इस सेमिनार में जो फाउंडेशन में बहुत अच्छा अपना काम किया उन्हें फ्री मेकअप रिंग लाइट वैक्यूम स्क्रीन क्लीनर, अवार्ड और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

नई उड़ान फाउंडेशन का उद्देश्य है की छोटे और बड़े पार्लर वालों को रोजगार और एडवांस्ड टेक्निक से प्रशिक्षण देकर आगे बढ़ाया जाए ताकि वह अपना नाम और काम को आगे बढ़ा सके।

सिहावा से अंबिका जीती

नगरी/नवप्रदेश। रविवार को छत्तीसगढ़ राज्य में विधानसभा की मतगणना हुई, जिसमें सिहावा विधानसभा क्रमांक-56 में कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका मरकाम ने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी श्रवण मरकाम को लगभग 13102 वोट से हराकर जीत दर्ज की। नगरी बंजरग चौक व बेलर गांव मगररोड पर कार्यकताओं ने अतीस बाजी कर दिखाई दी साथ विजय पश्चात कार्यकर्ता बाजे-गाजे के साथ नगर में रैली निकाली भ्रमण करते हुए दिखाई दी साथ एक दूसरे को बधाई भी दी।

डॉ. रमन सिंह की जीत पर थिरके भाजपाई

राजनांदगांव/नवप्रदेश। विधानसभा क्षेत्र के पहले राऊंड की गिनती में ही जब भाजपा प्रत्याशी डॉ. रमन सिंह ने बढ़त बनानी शुरू कर दी, तभी यह साफ हो गया था कि इस बार डॉ. रमन सिंह पिछले तीन चुनाव के मुकाबले ऐतिहासिक मतों से विजयी होंगे। दूसरे, तीसरे, चौथै एवं पॉचवे राउण्ड की गिनती पूरी होते-होते मतगणना केन्द्र के भीतर एवं बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हो गया था। मतगणना केन्द्र के बाहर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित होकर पटाखें फोड़ने लगे, मिठाईयॉ बटनी शुरू हो गई। उत्साही कार्यकर्ता बैंड व धुमाल लेकर पहुंचे व भाजपा का झंडा लेकर थिरकने लगे। पूरे दिन व देर रात तक पटाखों की गूंज

शहर में सुनाई देती रही, जब शाम को सोलवें राउण्ड की गिनती पूरी हुई और डॉ. रमन सिंह लगभग 46 हजार वोटों की लीड बना लिये तब मानव मंदिर चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं का उत्साह फूट पड़ा, बड़ी संख्या में पार्टी के समर्थक व कार्यकर्ता यहॉ एकत्रित हुये, जिले के बड़े नेता भी पहुंचे, फिर जोरदार नारेबाजी हुई, आतिशबाजी की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल गूंज उठा। भाजपा कार्यालय में भी सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर पटाखें फोड़े, मिठाईयॉ बॉटी और अपनी खुशी जाहिर की। उल्लेखनीय है कि पूर्व सांसद अभिषेक सिंह मतगणना केन्द्र के बाहर मंडी परिसर में कार्यकर्ताओं की फौज के साथ दोपहर 12 बजे से ही उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को विजय की बधाई देते हुये उनका अभिवादन स्वीकार करते रहे। कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया, वे वहां काफी समय तक उपस्थित रहें। भाजपा मीडिया सेल प्रभारी अशोक लोहिया, योगेशदत्त मिश्रा एवं अमर लालवानी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. रमन सिंह के विजय पर पूरे शहर में उत्साह का माहौल दर्शित हुआ। डॉ. रमन सिंह की ऐतिहासिक जीत एवं प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर अब राजनांदगांव सहित प्रदेश का चहुंमुखी विकास होगा।

प्रत्याशी चयन कांग्रेस को डूबाया!

- **करोड़ों के भूमिपूजन की फोटोग्राफी**
- **बेतरतीब जिला विभाजन**

बैकुंठपुर/नवप्रदेश। अविभाजित कोरिया की तीन विधानसभा सीट भरतपुर सोनहत, मनेंद्रगढ़ और बैकुंठपुर में विधानसभा चुनाव-2023 के परिणाम ने सबको चौंका दिया है। चुनाव से पहले सत्ता के प्रत्याशी चुनाव आसानी से जीतने , एग्जिट पोल में आगे, ओपिनियन पोल, जमीन सर्वे सहित जातिगत समीकरण के आधार पर हार-जीत का आंकलन करने वाले एक्सपर्ट भी फेल हो गए। छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्रमांक एक भरतपुर सोनहत में त्रिकोणीय मुकाबला होने का अनुमान लगाया गया था। लेकिन सीधा-सीधा भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला हुआ। हालांकि गोंगपा के श्याम सिंह मरकाम ने 33840 वोट हासिल कर तीसरे पायदान पर कब्जा जमाया है। इस सीट पर हार-जीत की बात करें तो पिछले पांच साल में सिर्फ करोड़ो का भूमिपूजन सोशल मीडिया में हुआ था, लेकिन जमीन स्तर पर विकास कार्य नहीं हुए थे कुछ चुनाव के पूर्व आनन फानन में शुरु कराया गया । जबकि छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक बजट भरतपुर सोनहत के नाम पर आवंटन हुआ था जिसकी तारीफ विधानसभा अध्यक्ष भी कर चुके थे वही प्रदेश के मुखिया भी विकास को लेकर अंतिम चरण में सफल कार्यक्रम भी किये किन्तु आम जनता में नाराजगी को पार्टी ने टिकट चयन में अनदेखा किया जिससे आम जनता में भाजपा पर विस्वास कर भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह को विजय बनाया ।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव

जबकि यह सीट वनांचल एरिया बाहुल्य है, जिससे वनांचल के गांव के लोग बुनियादी सुविधाओं को तरस रहे हैं। कहीं चलने को सड़क नहीं तो कहीं बिजली और पीने को पानी तक नहीं मिलता है। जिससे वनांचल के ग्रामीण काफी नाराज थे। साथ ही भरतपुर तहसील एरिया अवैध रेत उत्खनन का अड्डा बन चुका था। ग्रामीण कई बार अवैध रेत उत्खनन बंद कराने आंदोलन कर चुके थे, लेकिन ग्रामीणों की कहीं सुनवाई नहीं हुई चुनाव के दौरान भी कार्य धड़ल्ले से चलता रहा । इसके अलावा सोनहत और भरतपुर विकासखंड के कुछ चुनिंदा सलाहकारों के हिसाब से भी काम कराए जाते थे। मनमाने तरीके से स्वेच्छानुदान राशि का वितरण भी सीट हारने का कारण है।वही परिणाम आने पर अब खामोशी हैं ।

गुटबाजी, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा बनी कारण

मनेन्द्रगढ़ विधानसभा सीट में चिरमिरी और खडगवां के वोट से हारजीत का फैसला होता आया है। भाजपा प्रत्याशी खडगवां के निवासी थे और कांग्रेस प्रत्याशी मनेन्द्रगढ़ के निवासी थे। जिससे भाजपा प्रत्याशी श्याम बिहारी जायसवाल ने 11880 वोट हासिल कर कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह को परास्त किया है। हालांकि ऐसी भी चर्चा रही कि कांग्रेस ने प्रत्याशी चयन गलत किया है। ये बातें कांग्रेस के मौजूद विधायक डॉ विनय जायसवाल भी बोल चुके हैं और कुछ कार्यकर्ता भी आपस में चर्चा करते रहते थे। साथ ही कांग्रेस के प्रत्याशी सक्रिय राजनीति से थोड़ी दूर थे और बड़े कार्यक्रमों में कभी कभार नजर आते थे वही गुटबाजी भी हार का प्रमुख कारण माना जा सकता है ।साथ ही विधानसभा क्रमांक-तीन बैकुंठपुर में विधायक का गांव-गांव तक दौरा नहीं होना, पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता से दूरी बनाना ,कार्य की घोषणा के बाद भी कार्य की स्वीकृति न होना ,पंचायत में कमीशन की मांग की शिकायत पर भी पहल न करना के साथ ही समस्या लेकर आने वाले ग्रामीणों से सीधे तौर पर नहीं मिलना भी हार का कारण बताया जा रहा है। साथ ही कोरिया जिला विभाजन भी एक बड़ा प्रमुख कारण है। असंतुलित जिला विभाजन के कारण आम जनता नाराज बताई जा रही है। अभी भी बचरा पोड़ी तहसील एरिया के 33 ग्राम पंचायत कोरिया और एमसीबी जिले के बीच में फंसी है। ग्रामीण कभी एमसीबी जिला तो कभी कोरिया जिला अपना काम कराने दौड़ लगाते है। वहीं ऐन चुनाव के वक्त कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को विधानसभा क्षेत्र से बाहर भेजवाना और कार्यकर्ताओं से दूरियां हार का बड़ा कारण माना जा रहा है।

इतवारी राम यादव विद्यालय में एनसीसी दिवस मनाया गया

भाटापारा/नवप्रदेश। इतवारी राम यादव शा बहु उच्च माध्यमिक विद्यालय में एन सी सी कैडेट्स द्वारा 75वां एन सी सी दिवस का आयोजन। छत्तीसगढ़ एन सी सी बटालियन बिलासपुर के कमांडिंग आफिसर कर्नल अमिताभ श्रीवास्तव, आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल संजीव कुमार राय के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य दिनेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। एन सी सी दिवस के इस अवसर पर सर्वप्रथम पुनीत सागर अभियान के तहत 50एन सी सी कैडेट्स,एस एन ओ पुखराज मांझी,प्राचार्य दिनेश कुमार शर्मा एवं रितेश कुमार चौबे मार्गदर्शन में मातादेवालय वार्ड शीतला मंदिर के समीप स्थित तालाब की साफ-सफाई किया गया। पश्चात विद्यालय प्रांगण में सेवानिवृत्ति व्याख्याता द्वय श्रीमती रूपलेखा वर्मा ,मोहन लाल वर्मा के आतिथ्य तथा संस्था प्रमुख दिनेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्र गान से हुआ। स्वागत गीत कैडेट्स गोपी,प्रह्लाद निषाद एवं प्रकाश गर्ग ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रूपलेखा वर्मा ने प्रथम वर्ष के एन सी सी कैडेट्स को शपथ ग्रहण कराया। पश्चात द्वितीय वर्ष के एन सी सी कैडेट्स वेद प्रकाश कुशवाहा ने देश भक्ति गीत याद रहे हर लम्हा कुर्बानी--प्रस्तुत किया। इसके अलावा कैडेट्स किशन मौर्य ने देश भक्ति कविता,लीलाधर वर्मा व प्रमोद कुमार ने भाषण तथा अर्पित यादव,समीर कुमार व अखिलेश कुमार ने समूह डांस प्रस्तुत किया। पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती वर्मा,व्याख्याता जी पी वर्मा, पी आर शर्मा तथा प्रधान पाठक डी एल बघमार ने अपने अपने उदबोधन में एन सी सी के उद्देश्य एवं प्रेरणादायक बातों द्वारा एन सी सी के महत्व को बताया। विशेष अतिथि एम एल वर्मा ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित सभी एन सी सी दिवस की शुभकामनाएं दिये दिये।

चुनाव परिणाम जानने लोगों की लगी रही भीड़

नगरी/नवप्रदेश। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत रविवार को मतगणना हुई। जिले के 3 विधानसभा सीटों के वोटों की गिनती रूद्री के पॉलिटेक्निक कॉलेज में बने मतगणना हॉल में हुई। जिले की तीनों सीटों का लाइव चुनावी परिणाम जानने उत्सुक लोगों का जमावड़ा सुबह से देर शाम तक रूद्री में हजारों की संख्या में लोग रूद्री पहुंचे, जिसके चलते रविवार को रूद्री का माहौल मेले जैसा था।

समूहों में एकत्रित लोग लाउड स्पीकर पर किए जा रहे चुनावी परिणाम की घोषणाओं को ध्यान से सुनते रहे। परिणामों का विश्लेषण भी अपने अनुभवों के आधार पर करते रहे। मतगणना के चलते मेले में तब्दील हुए यहां अचानक लोगों की भीड़ दिखाई दी रूदी रोड पर जगह जगह होटल भीड अन्य कार्यकता अन्य लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी मतगणना के बाद जीत के जश्न को लेकर भी मतगणना स्थल पर बाजार सजा रहा।

विजेताओं को पहनाने के लिए लोग फूल-माला की बिक्री भी करते रहे। प्रत्येक रूझानों में प्रत्याशियों के बढ़त के बाद समय-समय पर आतिशबाजी भी देखने को मिली। इस दौरान पुलिस प्रशासन की कड़ी व्यवस्था भी आई।

अंबिका ने हासिल की बड़ी जीत

धमतरी जिले के सबसे बड़ी जीत और हार 13166 वोट से सिहावा में अंबिका मरकाम ने सबसे बड़ी जीत हासिल की। उन्होंने 13166 से भाजपा के श्रवण मरकाम को हराया।

पहले दौर से बनी हुई थी बढ़त

कुरूद की सीट पूर्व मंत्री अजय चन्दाकर पहले ही से लगातार बढ़त बनाए हुए थे। अजय चंद्राकर ने तारणी चन्दाकर को 8090 वोट हरा दिया है वही बाहर कार्यकताओ ने गले मिल कर बधाई देते हुए दिखाई दिये कुरुद में जगह जगह फटाका अतीस बाजी की गई वही पूर्व मंत्री अजय चन्दाकर लगातार बार फिर विजय रहा वही मंत्री की रेस मे आगे है।

ओंकार 2606 वोटों से जीते

कांग्रेस के ओंकार साहू धमतरी विधानसभा में 2606 वोट के साथ सबसे छोटी जीत दर्ज की। इन्होंने भाजपा के रंजना साहू को हराया। चौंकाने वाले नतीजे के बीच अंत तक मुकाबला धमतरी सीट पर राउंड 1 से 11 राउंड तक ओंकार साहू लगातार आगे बढ़ते रहे, लेकिन धमतरी नगरीय निकाय के 40 वार्डों के वोटों की गिनती शुरू हुई, तो 12 से 16 तक रंजना साहू बढ़त बनाई। गंगरेल डूबान के 225 से 257 तक के बूथों के ईवीएम की गिनती शुरू हुई, तो रंजना साहू को धड़ाम से नीचे गिराकर अंतिम दौर पर ओंकार फिर से आगे बढ़ गए। अंत में ओंकार ने रंजना को हरा ही दिया।

भारत ने 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

बेगलुरू। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक 5वें टी-20 मुकाबले में 6 रन से हरा दिया। बेंगलुरु में टीम इंडिया के अर्शदीप सिंह ने आखिरी 6 गेंदों पर 10 रन डिफेंड किए। उन्होंने शुरुआती 3 गेंदों पर कोई रन नहीं दिया और कप्तान मैथ्यू वेड का विकेट भी लिया। कंगारू टीम 3 रन ही बना सकी और मुकाबला गंवा दिया। 5वें टी-20 में जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज 4-1 के अंतर से अपने नाम कर ली। चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट पर 154 रन ही बना सका। बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया पहली बार टी-20 मुकाबला हारा, यहां टीम ने 3 टी-20 जीते हैं।लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने पांचवें टी-20 में 29 रन देकर 2 विकेट झटके। उन्होंने सीरीज के हर मैच में टीम को सफलता दिलाई। 5 मैचों में 9 विकेट लेने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। हाई स्कोरिंग सीरीज में उन्होंने महज 8.20 की इकोनॉमी से रन खर्चे और टीम इंडिया के नए रिस्ट स्पिनर बनकर उभरे। भारत के लिए मुकेश कुमार ने 3 विकेट लिए। जबकि अर्शदीप सिंह और रवि बिश्नोई को 2-2 विकेट मिले। 4 ओवर में महज 14 रन देकर एक विकेट लेने वाले अक्षर पटेल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अक्षर ने 31 रन भी बनाए। उनके अलावा श्रेयस अय्यर ने 53 रन की पारी खेली। वहीं जितेश शर्मा ने 24 और यशस्वी जायसवाल ने 21 रनों का योगदान दिया।

सोच रहा था कि मैंने बहुत ज्यादा रन दे दिए: अर्शदीप सिंह

बेंगलुरु। भारत द्वारा ऑस्ट्रेलिया पर पांचवां टी-20 मैच छह रन से जीतने के बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह सोच रहे थे कि उन्होंने बहुत ज्यादा रन दिए हैं। खेल के अंतिम ओवर में केवल तीन रन देने से पहले उनके दिमाग में यह बात आई। रविवार रात एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिच स्ट्रोक-प्ले के लिए आसान नहीं थी। भारत ने 160/8 का स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने जोरदार शुरुआत की, लेकिन 18 ओवर में 144/7 पर ही सिमट गई।12 गेंदों में 17 रनों की जरूरत थी। मुकेश कुमार ने 19वें ओवर में केवल नौ रन दिए। इससे पहले अर्शदीप ने अपने पहले तीन ओवरों में 37 रन दिए थे। लेकिन फिर उन्होंने मैथ्यू वेड को आउट कर खेल को भारत की झोली में डाल दिया। अर्शदीप ने मैच खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि खेल के बड़े हिस्से में, लगभग पहले 19 ओवरों के लिए, मैं सोच रहा था कि मैंने बहुत अधिक रन दिए और मैं खेल का दोषी होऊंगा। लेकिन भगवान ने मुझे एक और मौका दिया और मुझे खुद पर विश्वास था। धन्यवाद भगवान का शुक्र है कि मैंने इसका बचाव किया और टीम को भी धन्यवाद जिसने मुझ पर विश्वास किया। ईमानदारी से कहूं तो, मेरे दिमाग में कुछ भी नहीं चल रहा था। सूर्या (सूर्यकुमार यादव) भाई ने मुझसे कहा कि जो होता है।

ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पाकिस्तान नहीं जीत सका है अब तक टेस्ट सीरीज

नईदिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 14 दिसंबर से हो जाएगी। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ स्टेडियम पर खेला जाएगा।पाकिस्तान ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं और कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तानी टीम नया इतिहास लिखने की कोशिश करेगी।आइए पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ उनके घर पर टेस्ट में किए प्रदर्शन के बारे में जानते हैं।टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की टीमें 69 बार आपस में भिड़ी हैं, जिसमें कंगारू टीम ने 34 मैच जीतकर अपना दबदबा बनाया है।दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 15 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की है और 20 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली 2 टेस्ट सीरीज जीती हैं।पाकिस्तान ने आखिरी बार 2018 में संयुक्त अरब अमीरात में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती थी। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीतने के लिए संघर्ष करना पड़ा है।पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पिछली 5 टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप झेलना पड़ा है। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया में 37 टेस्ट खेले हैं, जिनमें से 26 हारे हैं और सिर्फ 4 टेस्ट जीते हैं। इस बीच 7 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर अपने पिछले 14 टेस्ट में हार झेली है और टीम इस शर्मनाक रिकॉर्ड को बदलना चाहेगी। आखिरी बार पाकिस्तान ने 2019 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था और 2 मैचों की सीरीज में उन्हें क्लीन स्वीप झेलना पड़ा था। उस सीरीज में पाकिस्तान की कमान अजहर अली ने संभाली थी।ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान ने पहली बार 1977 में जीत दर्ज की थी। सिडनी में खेले गए उस टेस्ट में पाकिस्तान ने 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया था।1979 में मेलबर्न में पाकिस्तान ने 71 रनों से जीत हासिल करते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने 1981 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 82 रन से हराया था।इसके बाद दिसंबर 1995 में सिडनी में 74 रनों से जीत हासिल की थी।ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन जहीर अब्बास ने बनाए हैं। इस पूर्व बल्लेबाज ने 40.62 की औसत के साथ 1,097 रन बनाए थे, जिसमें 1 शतक भी शामिल था।जावेद मियांदाद 16 टेस्ट में 1,028 रनों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

शेफलर वर्ल्ड चैलेंज में शीर्ष पर बरकरार

नसाउ। दुनिया के नंबर एक गोल्फर स्कॉटी शेफलर ने शनिवार को यहां तीसरे दौर में सात अंडर 65 के हफ्ते के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वर्ल्ड चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में बढ़त बरकरार रखी।यहां पिछले दो टूर्नामेंट के उप विजेता अमेरिका के शेफलर ने पहले दो दौर में 69 और 66 का स्कोर बनाया था। तीन दौर के बाद शेफलर का कुल स्कोर 16 अंडर है।तीसरे दौर में सात अंडर 65 का स्कोर बनाने वाले इंग्लैंड के मैट फिट्जपैट्रिक तीन स्थान की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह शेफलर से तीन शॉट पीछे हैं।

अमेरिका के ही जस्टिन थॉमस फिट्जपैट्रिक से दो शॉट पीछे तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने तीसरे दौर में चार अंडर 68 का स्कोर बनाया। टूर्नामेंट के मेजबान और 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स तीसरे दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से गत चैंपियन विक्टर होवलैंड के साथ 20 खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 16वें स्थान पर हैं।

सिद्धार्थ कौल ने लगातार दूसरे मैच में लिए 5 विकेट

नई दिल्ली। इस समय खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने अपनी घातक गेंदबाजी का कहर जारी रखा है। उन्होंने नागालैंड के खिलाफ मैच में 5 विकेट लिए और यह उनका लगातार दूसरे मैच में 5 विकेट हॉल है।कौल की बेहतरीन गेंदबाजी के चलते नागालैंड की टीम 20.1 ओवर में महज 75 रन पर ही ढेर हो गई।आइए कौल के प्रदर्शन और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

दाएं हाथ के अनुभवी गेंदबाज कौल ने अपने दूसरे ओवर में ही सेडेझली (1) और सुमित कुमार (0) के विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़े झटके दिए।इसके बाद उन्होंने झिमोमी (1), इमलीवती (6) और ख्रीवित्सो (14) के विकेट लेकर नागालैंड को सस्ते में समेट दिया।कौल ने अपने 9 ओवर में 4.22 की इकॉनमी रेट से 38 रन देते हुए 5 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने 2 ओवर मेडन भी किए।अपने पिछले मैच में कौल ने तमिलनाडु के खिलाफ भी 5 विकेट चटकाए थे और जीत में अहम भूमिमा निभाई थी।इस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ 4 विकेट (4/41) भी झटके थे। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने मौजूदा सीजन में अब तक 5 मैचों में 12.44 की औसत और 5.62 की इकॉनमी रेट से कुल 18 विकेट ले लिए हैं।वह फिलहाल सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। कौल ने अपने लिस्ट-ए क्रिकेट करियर में अब तक 110 मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 24 की औसत से कुल 198 विकेट लिए हैं।इस बीच उन्होंने 6/39 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 8 फाइव विकेट हॉल लिए हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में 3 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें वह कोई विकेट नहीं ले सके थे।उन्होंने 3 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8.68 की इकॉनमी रेट से कुल 4 विकेट लिए हैं।कौल लिस्ट-ए करियर में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। उनके बाद इस सूची में अमित मिश्रा है, जिन्होंने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। रवि शास्त्री, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद शमी 5-5 बार 5 विकेट हॉल ले चुके हैं।पंजाब क्रिकेट टीम ने 76 रन के छोटे से लक्ष्य को महज 4.1 ओवर में ही 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह भारत के लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम गेंदों में हासिल किया गया लक्ष्य है।पंजाब से विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 14 गेंदों में नाबाद 44 रन बना डाले। इस सलामी ने अपनी ताबड़तोड़ पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए।उनके अलावा रमनदीप सिंह ने 7 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए।

बिजनेस

अगले हफ्ते आर्थिक विकास दर के नए लक्ष्य तय करेगा आरबीआई

तीसरी तिमाही में भी अर्थव्यवस्था बेहतर रहने के आसार

नई दिल्ली। दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर, 2023) के लिए आर्थिक विकास के जो आंकड़े आए हैं, उसने घरेलू व वैश्विक आर्थिक शोध एजेंसियों के अनुमानों को धवस्त कर दिया है।

आरबीआई के गवर्नर ने कुछ दिन पहले दूसरी तिमाही में बेहतर प्रदर्शन की बात कही थी, लेकिन शायद उनको भी इस बात की उम्मीद ना हो कि केंद्रीय बैंक के अनुमान 6.5 फीसद से 1.2 फीसद ज्यादा (7.7 फीसद) की विकास दर भारतीय इकोनॉमी लगाने वाली है। ऐसे में अब आरबीआई चालू वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की विकास को लेकर क्या अनुमान लगाता है, इस पर सभी की नजर रहेगी। अगले हफ्ते यानी 08 दिसंबर, 2023 को मौद्रिक नीति की समीक्षा करते हुए आरबीआई गवर्नर की तरफ से अर्थव्यवस्था की दशा को लेकर नए अनुमान लगाए जाने की संभावना है। अक्टूबर, 2023 में पिछली समीक्षा में आरबीआई ने 6.5 फीसद विकास दर रहने की बात कही थी।उधर, दूसरी तिमाही में भारत की विकास दर में अपेक्षा से अधिक तेजी रहने से तमाम वैश्विक एजेंसियां अचंभित हैं और उन्होंने मोटे तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि भारत की सालाना विकास दर उम्मीद से बेहतर रहने वाली है। बोफा (बीओएएफ) और सिटीग्रुप सहित कई ब्रोकरेज हाउस ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अपने पूर्वानुमान को बढ़ा दिया है।

भारत के जीडीपी के आंकड़ों से सभी अंचभित

सितंबर तिमाही में भारत की विकास दर 7.6 प्रतिशत रही, जो रायटर के पोल द्वारा लगाए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत की विकास दर 7.7 प्रतिशत रही है। भारतीय इकोनॉमी पर करीबी नजर रखने वाले किंग्स कॉलेज, लंदन के एसोसिएट रिसर्च फेलो क्यूनगुन किम ने लिखा है कि भारत के जीडीपी के आंकड़ों से सभी अंचभित हैं। दूसरी तिमाही में औसत अनुमान और वास्तविक वृद्धि दर के बीच 1.3 फीसद का बहुत ही बड़ा अंतर है।

एमसीएक्स पर सोने ने छुआ 64 हजार रुपये का रिकॉर्ड स्तर, चांदी भी 78 हजार के पार

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव ने आज 64 हजार रुपये के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया। चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखने को मिल रही है। सोना 2,100 डॉलर पार कर चुका है।

सोने के वायदा भाव की आज शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज 363 रुपये की तेजी के साथ 63,720 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 534 रुपये की तेजी के साथ 63,891 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 64,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 63,720 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

जीएसटी कलेक्शन तोड़ रहा रिकॉर्ड 8 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश का सकल जीएसटी राजस्व नवंबर में 15 फीसदी बढ़कर आठ महीने के उच्चतम स्तर 1,67,929 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, यह 2023-24 के दौरान किसी भी महीने में अब तक एकत्र किया गया सबसे अधिक जीएसटी है। महीने के दौरान, घरेलू लेनदेन से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 20 प्रतिशत अधिक है। छठी बार 2023-24 में सकल मासिक जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। पूरे वित्त वर्ष में नवंबर तक समेकित सकल जीएसटी संग्रह 13,32,440 करोड़ रुपये हो गया है, जो औसतन 1.66 लाख रुपये प्रति माह है। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.9 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 37,878 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 31,557 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद नवंबर 2023 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 68,297 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 69,783 करोड़ रुपये है।

सनफीस्ट यप्पी ने अपने मसाला नूडल्स पोर्टफोलियो का विस्तार किया

रायपुर। आईटीसी के अग्रणी इंस्टैंट नूडल्स एवं पास्ता ब्रांड सनफीस्ट यप्पी ने एक नया वेरिएंट यप्पी! वाउ मसाला नूडल्य लॉन्च करते हुए अपनी प्रोडक्ट रेंज का विस्तार किया है। यह नई स्वादिष्ट पेशकश सिर्फ 10 रुपए प्रति पैक (50 ग्राम) में उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतर मसाला फ्लेवर देने का वादा करती है।

यप्पी! एमएम ने यह महसूस किया कि उपभोक्ताओं को एक किफायती कीमत पर अच्छी क्वालिटी के मसालेदार नूडल्स की तलाश है। देश के सबसे पसंदीदा नूडल्स ब्रांड में से एक होने के नाते यप्पी! ने उपभोक्ताओं की इस ज़रूरत को पूरा करने के लिए यप्पी! वाउ मसाला तैयार किया है। यह नई पेशकश यप्पी! वाउ मसाला सिर्फ10 रुपए की प्रतिस्पर्धी कीमत पर मसालेदार और स्वादिष्ट होने का वादा करती है।

एक्सॉनमोबिल ने पहली एफ4 चैंपियनशिप और इंडियन रेसिंग लीग सीजन 2 को पावर देकर भारत के मोटरस्पोर्ट्स सीन को ऊपर उठाया

बेंगलुरु। एक्सॉनमोबिल इस वर्ष इंडियन रेसिंग फेस्टिवल को पावर देकर भारत के तेजी से बढ़ते मोटरस्पोर्ट्स सेक्टर को ऊपर उठा रहा है, जिसमें देश में पहली बार एफ4 इंडियन चैंपियनशिप और चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (एमआईसी) और नए फॉर्मूला रेसिंग सर्किट (एफसीआर) में आयोजित होने वाली इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) का दूसरा सीजन शामिल है। यह वर्ष पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में शहर के केंद्र में द्वीप मैदानों के आसपास स्थित एफसीआर में रात की रेस का एक रोमांचक कैलेंडर शामिल है।

यह रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड (आरपीपीएल) के साथ एक्सॉनमोबिल की लगातार दूसरे वर्ष की साझेदारी का हिस्सा है, जो देश में मोटरस्पोर्ट्स की लोकप्रियता और पहुँच को बढ़ाने और इसे सभी रेसर्स के लिए अधिक किफायती बनाने की अपनी प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

भारत की पहली फ्रैंचाइज़ी - आधारित मोटरस्पोर्ट्स लीग, आईआरएल सीजन 2 शहर - आधारित सात टीमों को एक साथ लाती है। प्रतिस्पर्धी मोटर खेल में विशिष्ट मानक लाते हुए भारत की एकमात्र चार - पहिया रेसिंग लीग और दुनिया की पहली लिंग के प्रति तटस्थ रेसिंग चैंपियनशिप आईआरएल ने मोटर रेसिंग में पहले वर्ष से ही एक अनूठा स्थान बनाया है।

निक्की तंबोली के बोल्ड लुक ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं. एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्रम पर शेयर करती हैं तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपना दिल हार जाते हैं. एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. एक्ट्रेस निक्की तंबोली की हमेशा पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक उनके इंस्टाग्राम पर देखने को मिलती रहती है. अपनी लेटेस्ट फोटोज में निक्की तंबोली ने फ्लोरल ब्रालेट टॉप पहना हुआ है और साथ ही फ्लोरल स्कर्ट भी पहनी हुई है. एक्ट्रेस निक्की तंबोली का ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है. स्मोकी आईज मेकअप और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस निक्की ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है. निक्की अपनी इन तस्वीरों में बेहद ही ग्लैमरस और हॉट अंदाज में अलग-अलग पोज देते हुए तस्वीरें क्लिक करवा

मेरा इश्क - सागर भाटिया की मोहक धुन शुद्ध प्रेम का स्वरनाद प्रस्तुत करती है

भक्तिपूर्ण कव्वाली और भाव-भीने गीत के बोल मंत्रमुग्ध कर देंगे

नई दिल्ली। आज के युवा और प्रतिभा के धनी सागर भाटिया पेश कर रहे है, अपनी नई पेशकश मेरा इश्क जो दिलों को झकझोर देने वाले राग से भरी है। यह कव्वाली के सार को एक नया

आयाम देती है। कई जज्बातों में पिरोई यह रचना पारंपरिक संगीत की सीमाओं को पार करते हुए, श्रोताओं को भावनाओं की सिम्फनी भरे समुद्र में प्रेम और भक्ति की गहराई तक पहुंचाती है।

मेरा इश्क की मंत्रमुग्ध कर देने वाली लय और मनमोहक गीत, अस्तित्व के सभी पहलुओं में प्रिय की हमेशा उसके आसपास रहने वाली उपस्थिति की एक ज्वलंत तस्वीर पेश करता हैं। कव्वाली के अनूठे स्पर्श के साथ सागर भाटिया द्वारा बनाया गया प्यार का यह गुंजायमान गीत एक शानदार कृति है जो आपको शुद्ध अर्थों में भावनाओं से भरी दुनिया में ले जाता है। यह गीत दर्शकों को सुनने और प्रेम के साथ भक्ति की शक्ति के प्रति समर्पित होने का एक अद्भुत आनंद देता है। अपनी नई रिलीज़ के बारे में भावुक होकर बात करते हुए सागर ने कहा, ÷कव्वाली सिर्फ संगीत नहीं है, यह एक महान कला है। कव्वाली करने का मेरा तरीका थोड़ा अलग और बहुत अनोखा है। मेरा इश्क़ मेरी पहली कव्वाली है जिसे मैंने खुद लिखा था और अब यह मेरी रिलीज़ होने वाली पहली कव्वाली भी है।

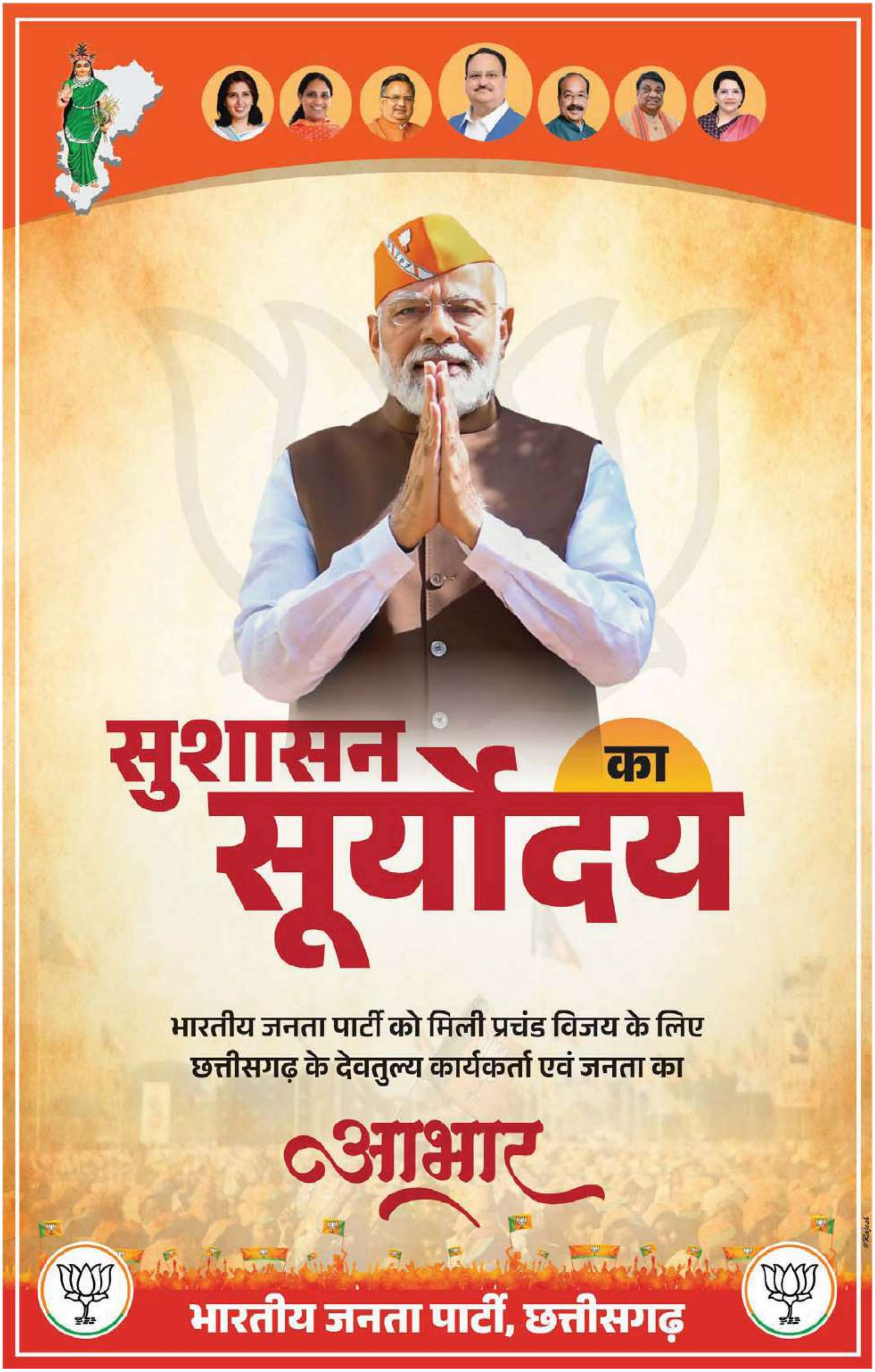
सुशासन का
सूर्योदय
भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड विजय के लिए
छत्तीसगढ़ के देवतुल्य कार्यकर्ता एवं जनता का
आभार
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़